राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 78 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,19 सितम्बर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

वाग्मिता स्पर्धा में इशिता जैसवाल रहीं प्रथम

प्रयागराज। हिंदी दिवस मनाने रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम, इलाहाबाद के विभिन्न रोटरी लबों के साथ संयुक्त रूप से रोटरी वाग्मिता प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें इलाहाबाद के कई इंटर कॉलेज के छात्र-छात्रा प्रतिभागी बने। अध्यक्ष रोटेरियन रितेश सिंह ने मुय अतिथि डॉटर अशोक कुमार शुला का स्वागत किया। इस वाग्मिता प्रतियोगिता में प्रथम इशिता जैसवाल, द्वितीय सुहानी त्रिपाठी, तृतीय शोभित मिश्रा

त्योहारों को देखते हुए हालात की समीक्षा की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने आने दिनों में त्योहारों को देखते हुए लोगों को लापरवाही न बरतने की सलाह दी है। विशेषज्ञों ने त्योहारों में भीड़ से बचने सख्त कदम उठाने का सुझाव दिया है। इस बीच केंद्र ने शनिवार को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की कोरोना की स्थितियों की समीक्षा की। सरकार ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और जरूरी दवाओं का स्टॉक करने की सलाह दी। कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ वीसी के जरिए कोरोना प्रबंधन की समीक्षा की। गौबा ने राज्यों से कहा कि कोई भी लापरवाही को कोई गुंजाइश नहीं है।

पांच लाख पर्यटकों को दिया जाएगा मुफ्त वीजा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तीसरी लहर की कम होती संभावना व वैक्सीनेशन में रिकार्ड तोड़ तेजी के बीच अब सरकार पर्यटन व्यवसाय को आगे बढ़ाने की तैयारी में जुट गई है। पर्यटन क्षेत्र को हर मदद का आश्वासन देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पांच लाख विदेशी पर्यटकों को मुफ्त वीजा दिया जाएगा। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े साझेदारों को सौ फीसदी सरकारी गारंटी के साथ 10 लाख रुपए तक के लोन का इंतजाम किया गया है। पर्यटन क्षेत्र में बढ़ावा मिलने से अर्थव्यवस्था को एक नहीं ऊंचाई मिलेगी। वैक्सीनेशन के वक्त भी पर्यटन क्षेत्रों की जरूरत का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार प्राथमिकता के तौर पर इसका ध्यान रख रही थी। लेकिन डर था कि इस पर भी राजनीति होगी।

गणेश विर्सजन के दौरान सात बच्चियों की मौत

रांची, (एजेंसी)। लातेहार जिले के शेरेगढ़ा गांव में गणेश विसर्जन के दौरान तालाब में डूबने से सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में सात बच्चियां शामिल हैं। ये देख कर लोग चीखे और हर तरफ अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में मरने वाली कुछ बच्चियों की पहचान रेखा कुमारी (18 वर्ष), लक्ष्मी कुमारी (8 वर्ष), रीना कुमारी (11 वर्ष), मीना कुमारी (8 वर्ष), पिंकी कुमारी (15 वर्ष), सुषमा कुमारी (8 वर्ष), सुनीता कुमारी (17 वर्ष) नाम से हुई है। बालूमाथ थाना क्षेत्र के शेरेगढ़ा गांव की 10 बच्चियां करम डाली विसर्जन के लिए गई थीं। इनमें से सात बच्चियों की मौत गणेश विर्सजन के दौरान डूबने से हो गई।

कोरोना में अर्थव्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित

शिमला, (एजेंसी)। भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा है कि कोरोनाकाल के गत 18 महीने देश के लिए बहुत ही कठिन रहे हैं और इस दौरान अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। श्री कोविंद शनिवार को यहां भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि कोरोनाकाल में सरकार ने संकट को कम करने और गरीबों के कल्याण के लिए अनेक वित्तीय और कल्याणकारी उपाय किए। उन्होंने कहा कि खातों का निरीक्षण कार्य करते समय नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) को प्रणालीगत सुधारों के लिए निवेश (इनपुट) प्रदान करने के अवसरों के बारे में पता होना चाहिए।

महिलाओं पर पाबंदी वाले विभाग का गठन

काबुल, (एजेंसी)। अफगानिस्तान के नए तालिबान शासकों ने कभी महिला मामलों का मंत्रालय रहे एक भवन से शनिवार को विश्व बैंक के कार्यक्रम के कर्मचारियों को जबरन बाहर कर 'सदाचार प्रचार एवं अवगुण रोकथाम' मंत्रालय स्थापित किया। काबुल पर कब्जा कर सरकार में आने के महज एक मह बाद तालिबान द्वारा महिलाओं के हकों पर पाबंदी लगाने वाला यह नया कदम है। तालिबान ने 1990 में शासनकाल में बालिकाओं और महिलाओं को शिक्षा से वंचित किया था। विश्व बैंक के 10 करोड़ डॉलर के महिला आर्थिक सशक्तिकरण एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रम को शनिवार को यह कहते हुए जमीनी स्तर पर बंद कर दिया गया कि कार्यक्रम के सदस्य शरीफ अख्तर हटाए जा रहे लोगों में शामिल हैं।

पीएम मोदी का कांग्रेस पर तंज, बोले- ढाई करोड़ कोरोना वैक्सीन लगने के बाद एक पार्टी को चढ़ा बुखार

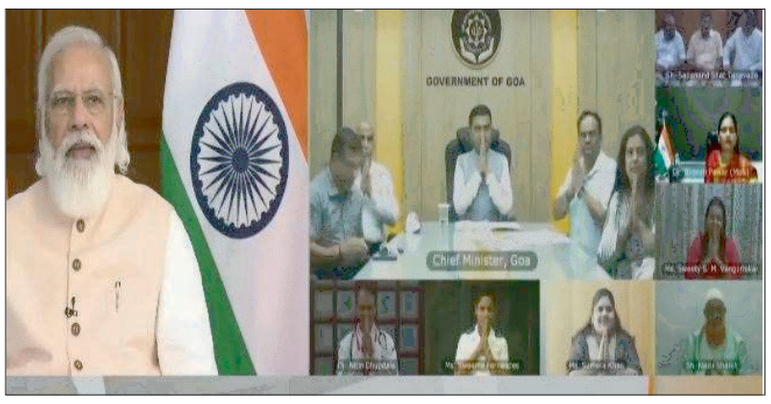

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गोवा के हेल्थकेयर वर्कर्स और कोविड वैक्सीन के लाभार्थियों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोवा के प्रत्येक पात्र व्यक्ति को वैक्सीन की एक डोज लग चुकी है। कोरोना के खिलाफ लड़ाई में ये बहुत बड़ी बात है। इसके लिए गोवा के सभी लोगों को बहुत-बहुत बधाई। इस दौरान एक समाजसेवक से बातचीत करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश को अगर अपने संकल्प सिद्ध करने हैं, तो हमारी कोशिशों में सबके प्रयास भी बहुत ज़रूरी है। आपके प्रयास से गोवा ने वैक्सीनेशन में उपलब्धी हासिल की। आपकी तरह समाज सेवा करने वाले लाखों लोग हैं। मैं आपको बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने एक डॉक्टर से बातचीत के दौरान कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा, मैंने सुना है कि कोरोना रोधी वैक्से सीन लेने के बाद कुछ लोगों को इसका रिएक्े शन होता है और उन्हें बुखार भी आ जाता है। ऐसा भी सुनने को मिला है कि कुछ लोगों को बहुत तेज बुखार आ जाता है और वह अपना मानसिक संतुलन तक खो सकते हैं। मैं कोई वैज्ञानिक या डाक्टर नहीं हूं। मुझे इसकी ज्यादा जानकारी नहीं है। इसलिए मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि कल देशभर में ढाई करोड़ से ज े यादा लोगों को कोरोना की वैक्े सीन लगाई गई। इसके बाद वैक्े सीन लगवाने वाले लोगों को बुखार आया ये हमने सुना। लेकिन ढाई करोड़ वैक्े सीन लगने के बाद कल रात 12 बजे के बाद राजनैतिक पार्टी को रिएक्े शन आया, उनको बुखार चढ़ गया। इसका कोई लॉजिक हो सकता है क े या?

पीएम मोदी ने कहा, आप सभी को श्री गणेश पर्व की ढेर सारी शुभकामनाएं। कल अनंत चतुर्दशी के पावन पर्व पर बप्पा को विदाई देंगे। हाथों में अनंत सूत्र भी बाधेंगे। अनंत सूत्र यानी जीवन में सुख, समृद्धि और लंबी आयु का मुझे खुशी है कि इस पावन दिन से पहले गोवा के लोगों ने अपने हाथों पर 'जीवन रक्षा सूत्र' यानी वैक्सीन लगाने का काम पूरा कर लिया है। बीते कुछ महीनों में गोवा ने भारी बारिश, साइक्लोन, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के साथ भी बड़ी बहादुरी से लड़ाई लड़ी है। इन प्राकृतिक चुनौतियों के बीच कोरोना टीकाकरण की रफ्तार को बनाए रखने के लिए सभी कोरोना वॉरियर्स का, स्वास्थ्य कर्मियों का, टीम गोवा का मैं अभिनंदन करता हूं।

प्रधानमंत्री ने गोवा की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक और भौगोलिक चुनौतियों से निपटने के लिए जिस प्रकार का समन्वय गोवा ने दिखाया है, वो सराहनीय है। राज्य के दूर-सुदूर में बसे, केनाकोना सब डिविजन में भी बाकी राज्य की तरह ही तेज़ी से टीकाकरण होना इसका प्रमाण है। मैं देश के सभी डॉक्टरों, मेडिकल स्टाफ, प्रशासन से जुड़े लोगों की भी सराहना करना चाहता हूं। आप सभी के प्रयासों से कल भारत ने एक ही दिन में ढाई करोड़ से भी अधिक लोगों को वैक्सीन देने का रिकॉर्ड बनाया है। जन्मदिन तो बहुत आए और बहुत गए पर मैं मन से हमेशा इन चीजों से अलिप्त रहा हूं, इन चीजों से मैं दूर रहा हूं। पर मेरी इतनी आयु में कल का दिन मेरे लिए बहुत भावुक कर देने वाला था। कल का दिन मेरे लिए बहुत खास बन गया है। मेडिकल फील्ड के लोग, जो लोग पिछले दो साल से जुटे हुए हैं, अपनी जान की परवाह किए बिना कोरोना से लड़ने में देशवासियों की मदद कर रहे हैं, उन्होंने कल जिस तरह से वैक्सीनेशन का रिकॉर्ड बनाकर दिखाया है, वो बहुत बड़ी बात है।

उन्होंने कहा कि ये बहुत चर्चा में नहीं आया, लेकिन भारत ने अपने वैक्सीनेशन अभियान में टूरिज्म सेक्टर से जुड़े राज्यों को बहुत प्राथमिकता दी है। प्रारंभ में हमने कहा नहीं क्योंकि इस पर भी राजनीति होने लगती। लेकिन ये बहुत जरूरी था कि हमारे टूरिज्म डेस्टिनेशंस खुलें। गोवा के मुख्यमंत्री भी संवाद सम्मेलन में शामिल हैं। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि हमने कोविड वैक्सीन की पहली डोज़ को 100 प्रतिशत पूरा कर दिया है। आपसे और केंद्र सरकार से सहयोग मिला इसलिए हम यह कर पाए। हमने लगभग 42त्न कोविड वैक्सीन की दूसरी डोज़ अब तक दी है। हमने वैक्सीन की बर्बादी बिल्कुल भी नहीं की है।

इससे पहले गोवा के मुख्े यमंत्री ने बताया, यह बड़ी खुशी की बात है कि मेरा मंत्रिमंडल सचिवालय से सीधे प्रधानमंत्री से बातचीत करेगा। वह उत्तरी गोवा और दक्षिण गोवा कलेक्ट्रेट के स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों से भी बात करेंगे। साथ ही पीएम मोदी राज्य के छह मुख्य स्थानों के लाभार्थियों से भी बात करेंगे। वह कोरोना वैक्े सीन की पहली खुराक के 100 फीसद टीकाकरण और राज्य में विकास के लिए गोवा को बधाई देंगे। बता दें कि प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम का गोवा में सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र, पंचायत और नगर पालिकाएं सीधा प्रसारण कर रही हैं।

पंजाब के सीएम अमरिन्दर सिंह ने दिया पद से इस्तीफा

नए सीएम पद की दौड़ में सुनील जाखड़ सबसे आगे

चंडीगढ़ ■ एजेंसी

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के साथ खींचतान के बीच शनिवार को इस्तीफा दे दिया। श्री सिंह ने शाम साढ़े चार बजे पंजाब राजभवन जाकर राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को मंत्रिपरिषद का इस्तीफा सौंपा। राज्यपाल ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया।

कैप्टन अमरिंदर सिंह के इस्तीफे के बाद पंजाब में अगले मुख्यमंत्री के नाम पर रविवार तक मुहर लगने की खबर सामने आ रही है। समाचार एजेंसी के अनुसार एआईसीसी पर्यवेक्षक चंडीगढ़ में रहेंगे और पंजाब के अगले मुख्यमंत्री को शनिवार रात या रविवार सुबह तक अंतिम रूप दिया जाएगा। पंजाब में मुख्यमंत्री पद के लिए सुनील जाखड़ फ्रंट रनर हैं। जबकि, अन्य में अंबिका सोनी, विजय इंदर सिंगला शामिल हैं। सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि कांग्रेस नए सीएम के नेतृत्व में पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी। कांग्रेस विधायक दल की बैठक रविवार सुबह 11 बजे फिर से बुलाई गई है। वहीं, पंजाब कांग्रेस के विधायकों की अहम बैठक के बाद पंजाब कांग्रेस प्रभारी हरीश रावत ने कहा कि बैठक में दो प्रस्तावों को स्वीकार किया गया है। कैप्टन ने पंजाब में अच्छा काम किया है और पार्टी को उम्मीद है कि वो उनका मार्गदर्शन पार्टी को मिलता रहेगा।

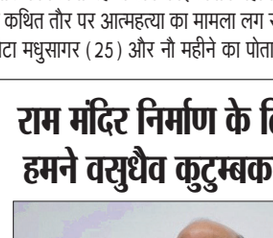

सिद्धू इमरान खान व बाजवा का दोस्त, पंजाब का सीएम बना, तो होगा विनाशकारी: कैप्टन

पंजाब के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू पर सीधा हमला किया। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि नवोजत सिंह सिद्धू नाकारा व्यक्ति है। सिद्धू पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और सेना प्रमुख कमर जावेद बावजा का दोस्त है। अगर सिद्धू पंजाब का मुख्यमंत्री बना, तो यह प्रदेश के लिए विनाशकारी साबित होगा। उन्होंने कहा कि अगर सिद्धू को पंजाब का सीएम बनाया गया, तो वह उसका पुरजोर विरोध करेंगे। अमरिंदर सिंह ने कहा कि कांग्रेस अलाकमान जिसे चाहे, उसे पंजाब का मुख्यमंत्री बना सकता है। लेकिन, अगर नवजोत सिंह सिद्धू को मुख्यमंत्री बनाया जाता है, तो वह उसका विरोध करेंगे। अमरिंदर सिंह ने कहा कि अगर सिद्धू को मुख्यमंत्री बनाया जाता है, तो वह पंजाब का बेड़ा गर्क कर देंगे, क्योंकि वह (सिद्धू) उनके (कैप्टन अमरिंदर सिंह) नेतृत्व वाली सरकार में एक मंत्रालय नहीं चला सके थे. हालांकि, कैप्टन ने कहा कि उनके इस्तीफे की वजह सिद्धू नहीं हैं।

कर्नाटक में मृत मिले एक परिवार के पांच सदस्य

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू में शनिवार को एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बेंगलुरू के ब्यादरहल्ली इलाके में एक ही परिवार के पांच लोग बंद घर पर मृत पाए गए हैं। इनमें से चार लोग फंदे से लटके मिले, जबकि एक नौ महीने की मासूम बच्चे का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। वहीं घर पर एक ढाई साल की बच्ची गंभीर हालत में मिली है, जिसका इलाज चल रहा है। प्रारंभिक जांच में यह खुदकुशी का मामला लग रहा है। घटना का पता तब चला जब परिवार का मुखिया हालेगेरे शंकर चार दिनों के बाद घर आए। वह अपने परिवार को बार-बार फोन लगा रहे थे जब कोई जबाव नहीं मिला तो वह घर पहुंच गए। पुलिस को संदेह है कि ये मौतें चार दिन पहले हुई होंगी और यह कथित तौर पर आत्महत्या का मामला लग रहा है। मृतकों में शंकर की पत्नी भारती (51), बेटी सिंचना (34), सिंधुरानी (31), और बेटा मधुसागर (25) और नौ महीने का पोता शामिल है।

भाजपा से नाराज होकर इस्तीफा दे चुके बाबुल सुप्रियो ने थामा टीएमसी का दामन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल से हटाए गए भाजपा के पश्चिम बंगाल से लोकसभा सांसद बाबुल सुप्रियो ने भाजपा को बॉय-बॉय कर दिया है।

भाजपा सासंद और पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में तुणमुल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी और पार्टी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन की मौजूदगी में ममता बनर्जी की पार्टी का दामन थाम लिया। उन्हें पार्टी की सदस्यता दी गई। इससे पहले श्री सुप्रियो मोदी सरकार में शहरी विकास, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और वन राज्य मंत्री रह चुके हैं। हाल ही में हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल विस्तार में उन्हें मंत्री पद से हटाया गया था। **बाबुल बोले-** ममता पर जनता को भरोसा है भाजपा में शामिल होने के बाद बाबुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा, कि शनिवार का दिन मेरे लिए बहुत बड़ा है।

'इनोवेशन और आत्मनिर्भरता के जरिए वायुसेना की ताकत बढ़ाने की जरूरत', बोले एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया

नई दिल्ली। वायु सेना प्रमुख और एयर चीफ मार्शल राकेश कुमार सिंह भदौरिया ने गुरुवार को प्रयागराज में मध्य वायु कमान मुख्यालय का दौरा किया और कमांडरों से सुरक्षित उड़ान वातावरण सुनिश्चित करने के लिए अपनी कोशिश जारी रखने की अपील की. उन्होंने नवाचार, आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण के माध्यम से भारतीय वायुसेना की लड़ाकू क्षमता को बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया. भारतीय वायु सेना ने शुक्रवार को ट्वीट कर बताया कि वायु सेना प्रमुख भदौरिया ने वार्षिक सीडीआरएस सम्मेलन के लिए मध्य वायु कमान मुख्यालय का दौरा किया. उन्होंने कमांडरों से सुरक्षित उड़ान वातावरण सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयास जारी रखने की अपील की. आईएएफ ने एक ट्वीट में कहा, 'सीएएस ने परिचालन तैयारियों को बढ़ाने, रखरखाव पर ध्यान केंद्रित करने और मजबूत भौतिक और साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण विश्लेषण की जरूरत पर जोर दिया.'

वायुसेना की लड़ाकू क्षमता को बढ़ाने पर दिया जोर- भारतीय वायु सेना ने बताया, 'सीएएस ने कमांडरों से सुरक्षित उड़ान वातावरण सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयासों को जारी रखने की अपील की और नवाचार, आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण के माध्यम से भारतीय वायुसेना की लड़ाकू क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया.' इससे पहले, आरकेएस भदौरिया ने बताया था कि भारतीय वायुसेना अगले दो दशकों में करीब 350 विमानों की खरीद पर विचार कर रही है. वायुसेना प्रमुख ने कहा कि उत्तरी पड़ोसी देश को देखते हुए, हमारे पास आला दर्जे की टेक्नोलॉजी होनी चाहिए, जिन्हें सुरक्षा कारणों से हमारे अपने उद्योग द्वारा देश में ही बनाया जाना चाहिए.

विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने पर जोर देते हुए एयर चीफ मार्शल भदौरिया ने कहा था कि भारतीय वायुसेना अगले दो दशकों में देश से ही लगभग 350 विमान खरीदने पर विचार कर रही है. हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह एक मोटा-मोटा अनुमान है. वायुसेना प्रमुख ने कहा कि तेजस हल्के लड़ाकू विमान परियोजना ने भारत में एयरोस्पेस उद्योग में भरोसा पैदा किया है और यह भी विश्वास जगाया है कि इसके और विकसित होने की असीम संभावनाएं हैं.

राम मंदिर निर्माण के लिए 115 देशों से पहुंचा पानी, हमने वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया :राजनाथ

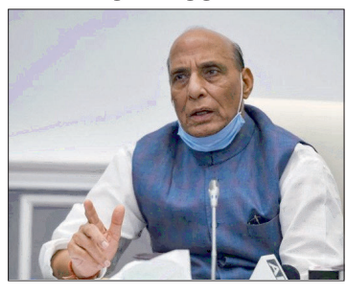

नई दिल्ली । केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने शनिवार को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में उपयोग के लिए सात महाद्वीपों के 115 देशों से पवित्र धाराओं, नदियों और समुद्रों से पानी प्राप्त किया। मंत्री को बताया गया कि पानी मुसलमानों, बौद्धों, सिखों, यहूदियों और हिंदुओं सहित सभी धर्मों के लोगों द्वारा एकत्र किया गया है। राजनाथ सिंह ने इस दौरान समूह से उन 77 देशों से पानी एकत्र करने के लिए एक अभियान शुरू करने के लिए कहा, जिन्हें छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि मंदिर के लिए सभी देशों से जल आना चाहिए। हमने दुनिया को वसुधैव कुटुम्बकम के संदेश दिया है।

राजनाथ सिंह ने कहा, सात महाद्वीपों और 192 देशों में से 115 देशों से पानी एकत्र किया गया है। मुझे विश्वास है कि जब तक मंदिर का निर्माण होगा, तब तक इस जल संग्रह के आंदोलन से बचे 77 देश भी शामिल हो जाएंगे। राजनाथ ने दुनिया को एक परिवार मानने वाले राष्ट्र होने के लिए भारत की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए हमने हिंसा का सहारा नहीं लिया, लेकिन शांतिपूर्ण ढंग से मामले का हल होने का इंतजार किया। हम जाति और पंथ के आधार पर भेदभाव नहीं करते हैं।

राम मंदिर के लिए दुनियाभर से पानी इकट्ठा करने और सभी धर्मों के लोगों को शामिल करने का अभियान दिल्ली स्टडी ग्रुप के अध्यक्ष विजय जाली द्वारा शुरू किया गया था। अयोध्या राम मंदिर के लिए सात महाद्वीपों के 115 देशों से पानी एकत्र किया गया। आयोजन के महत्व को रेखांकित करते हुए, श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने कहा कि रामायण में उल्लेख है कि भगवान राम को राजा के रूप में अभिषेक करने के लिए दुनियाभर से पानी लाया गया था।

चंपत राय ने कहा, जो आज यहां बैठे हैं वे पूरी दुनिया का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अयोध्या में एक जगह है जिसे सप्तसागर के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि जब भगवान राम का अभिषेक होना था, तब दुनियाभर के समुद्रों से पानी लाया गया था। तो हमने सोचा कि क्यों न उनके जन्मस्थान पर बने मंदिर के लिए ऐसा किया जाए? हम विभिन्न देशों से रामायण पर शोध कर रहे हैं। भगवान राम पक्षपात से ऊपर हैं। यह मेरे लिए एक भावनात्मक मुद्दा है। मैं आप सभी को अयोध्या आने का निमंत्रण देता हूं। लोगों को आना चाहिए और मंदिर निर्माण स्थल को देखना चाहिए। फाउंडेशन का पहला चरण पूरा हो रहा है। कई एजेंसियां इस पर काम कर रही हैं। इसकी उम्र एक हजार साल होगी।

'कामकाज में बाधा सदन की अवमानना है, एक साल में राज्यसभा से 9 सदस्यों को किया गया निलंबित': वेंकैया नायडू

नई दिल्ली । देश में विधायिकाओं के किसी भी पीठासीन अधिकारी द्वारा पहली बार और बढ़ते व्यवधानों के संदर्भ में राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने शनिवार को स्पष्ट रूप से कहा कि कार्यवाही में व्यवधान सदन की अवमानना के समान है और व्यवधानकर्ता इसे ऐसा करने के लिए अपने विशेषाधिकार के रूप में दावा नहीं कर सकते. क्या संसदीय कार्यवाही में व्यवधान एक सांसद का विशेषाधिकार और/या संसदीय लोकतंत्र का एक पहलू है? इस पर बोलते हुए नायडू ने सदन में सांसदों के व्यवहार के उच्च मानकों और विशेषाधिकारों की योजना की आवश्यकता वाले विभिन्न नियमों और अन्य प्रावधानों के इरादों पर विस्तार से बात की और तर्क दिया कि व्यवधान व्यक्तिगत सदस्यों द्वारा प्रभावी प्रदर्शन के उद्देश्य को नकारते हैं. राज्यसभा सचिवालय की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार नायडू ने दिवंगत राम जेठमलानी को एक विद्रोही और कट्टरपंथी विचारक के रूप में बताया, जिन्होंने एक प्रमुख वकील के रूप में कानूनी जांच में नयापन लाए और अपने 77 साल के लंबे और सफल करियर के दौरान हर बड़े मामले में अवसरों के नए रास्ते खोले. संसद में व्यवधान पर बोलते हुए नायडू ने बताया कि 1978 से राज्यसभा की उत्पादकता की मात्रा निर्धारित की जा रही है और 1996 तक पहले 19 सालों के दौरान सदन की उत्पादकता 100 प्रतिशत से अधिक रही है और तब से इसमें गिरावट शुरू हो गई है.

उन्होंने कहा कि सदन ने इन 19 सालों में से 16 सालों के दौरान 100 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक उत्पादकता देखी, लेकिन अगले 24 सालों के दौरान 1998 और 2009 में केवल दो सालों में और पिछले 12 सालों में एक बार भी नहीं देखा. सभापति ने आगे कहा कि 2004-14 के दौरान राज्यसभा की उत्पादकता लगभग 78 प्रतिशत रही है और तब से ये घटकर लगभग 65 प्रतिशत रह गई है. नायडू ने जिन 11 सत्रों की अध्यक्षता की, उनमें से चार में 6.80 प्रतिशत, 27.30 प्रतिशत, 28.90 प्रतिशत और 29.55 प्रतिशत की कम उत्पादकता दर्ज की गई और साल 2018 के दौरान राज्यसभा ने 35.75 प्रतिशत की सबसे कम उत्पादकता दर्ज की.

पिछले 1 साल में 9 सदस्यों को किया गया निलंबित

विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि पिछले मानसून सत्र (254वें) के दौरान, राज्यसभा ने निर्धारित समय का 70 प्रतिशत से अधिक खो दिया, जिसमें 76 प्रतिशत से अधिक मूल्यवान प्रश्नकाल शामिल था. साथ ही इसमें कहा गया है कि 1952 में राज्यसभा के अस्तित्व में आने के बाद से पहले 57 सालों के दौरान सदन के अंदर दुर्व्यवहार के लिए केवल 10 सदस्यों को निलंबित किया गया था, जबकि पिछले 11 सालों में 18 सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था, जिसमें पिछले एक साल में 9 सदस्य शामिल हैं.

नेताओं को कमजोर बताकर विपक्षी एकता नहीं हो सकती, राहुल गांधी पर टीएमसी का हमला बेवजह- कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस पर उसके नेतृत्व को कमतर करके पेश करने का आरोप लगाया और कहा कि ममता बनर्जी की पार्टी की ओर से राहुल गांधी पर हमला 'अवांछित' था. दरअसल, तृणमूल कांग्रेस के बांग्ला मुखपत्र 'जागो बांग्ला' में प्रकाशित एक आवरण कथा में राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा गया है कि वह बीजेपी का मुकाबला करने में विफल रहे हैं और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अब विपक्ष का चेहरा होना चाहिए.

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के मुखपत्र में जो छपा है, वो ठीक नहीं है

क्योंकि राहुल गांधी लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं. उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी पर हमला अवांछित है.'' सुरजेवाला ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस सभी विपक्षी दलों और उनके नेतृत्व का सम्मान करती है और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के खिलाफ खिलाफ लड़ाई में उनके योगदान को स्वीकारती है. उन्होंने कहा कि नेताओं को कमतर बताकर विपक्षी एकता नहीं हो सकती.

उन्होंने कहा, 'सभी को यह समझना चाहिए कि कांग्रेस पार्टी सहित अन्य दलों के नेतृत्व को कम करके विपक्षी एकता का निर्माण नहीं किया जा सकता है.

दरअसल, ममता बनर्जी जी समेत सभी समान विचारधारा वाली पार्टियों ने बार-बार साथ मिलकर लड़ने का संकल्प लिया है. उम्मीद है कि इस तरह के लेख लिखने वाले ममता जी और विपक्षी दलों के रुख पर ध्यान देंगे.' लोकसभा में कांग्रेस नेता और पार्टी के पश्चिम बंगाल प्रमुख अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि टीएमसी के मुखपत्र द्वारा व्यक्त किए गए विचार विपक्षी दलों के बीच एकता और अभिसरण को कमजोर करेंगे.

यह लेख ऐसे समय में आया है जब विपक्षी दल 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी से लड़ने और उसे हराने के लिए एक साथ आने और एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं. टीएमसी के मुखपत्र में कहा गया है कि देश एक वैकल्पिक चेहरे की तलाश कर रहा है. टीएमसी नेता सुदीप बंदोपाध्याय के हवाले से कहा गया है, 'मैं राहुल गांधी को लंबे समय से जानता हूं, लेकिन मुझे कहना होगा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैकल्पिक चेहरे के रूप में उभरने में विफल रहे हैं, लेकिन ममता बनर्जी मोदी के वैकल्पिक चेहरे के रूप में उभरने में सफल रही हैं.'

कांग्रेस का अपमान करने का इरादा नहीं है: कुणाल घोष

कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि इससे कांग्रेस और टीएमसी के बीच सौहार्द पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और यह विपक्षी एकता के लिए अच्छा नहीं है. तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी का न तो कांग्रेस का अपमान करने का इरादा है और न ही वह इसके बिना केंद्र में बीजेपी सरकार के विकल्प के बारे में बात करना चाहती है. घोष ने कहा, 'बंदोपाध्याय ने कांग्रेस के बिना किसी वैकल्पिक ताकत के बारे में बात नहीं की है. उन्होंने अपने अनुभवों में सिर्फ इतना कहा कि लोग राहुल गांधी को नरेंद्र मोदी के वैकल्पिक चेहरे के रूप में स्वीकार नहीं कर रहे हैं. वह (गांधी) अभी तैयार नहीं हैं.'

संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क के वैक्सीन नियम का ब्राजील के राष्ट्रपति बोल्सोनारो नहीं करेंगे पालन, बिना वैक्सीनेशन ही पहुंचेंगे संयुक्त राष्ट्र

संयुक्तराष्ट्र, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने अभी तक कोरोनावायरस वैक्सीन नहीं लगवाई है. वहीं, बोल्सोनारो ने कहा है कि वह न्यूयॉर्क में अगले हफ्ते होने वाले संयुक्त राष्ट्र कॉन्कलेव में हिस्सा लेंगे. इस तरह वह न्यूयॉर्क शहर के अधिकारियों के उस नियम का उल्लंघन करेंगे, जिसमें कहा गया कि कॉन्कलेव में हिस्सा लेने पहुंच रहे नेताओं और राजनयिकों को वैक्सीनेशन का प्रूफ दिखाना होगा. कोरोनावायरस महामारी की शुरुआत होने के बाद दुनियाभर में इससे निपटने के लिए वैक्सीनेशन किया जा रहा है. दुनिया के कई प्रमुख नेताओं ने भी वैक्सीन लगवाई है. राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने कहा, अगले हफ्ते मैं संयुक्त राष्ट्र महासभा में रहूंगा, जहां मैं उद्घाटन भाषण दूंगा. बोल्सोनारो ने कहा, ये एक शांत भाषण, बहुत उद्देश्यपूर्ण, उन मुद्दों पर केंद्रित होगी, जो हमारी रुचि वाले होंगे. उन्होंने कहा कि वह कोरोनावायरस महामारी, उसके कृषि व्यवसाय और ऊर्जा के लिए ब्राजील के दृष्टिकोण पर चर्चा करेंगे. दरअसल, बुधवार को न्यूयॉर्क के मेयर ने ह्व्र को दिशानिर्देशों को लेकर लिखा. इसमें कहा गया कि सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले प्रतिनिधि को डिबेट हॉल में जाने से पहले वैक्सीनेशन का सबूत दिखाना होगा. इस वजह से बोल्सोनारो की व्यक्तिगत भागीदारी पर सवाल खड़े हो रहे हैं.

ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो- ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने अभी तक कोरोनावायरस वैक्सीन नहीं लगवाई है. वहीं, बोल्सोनारो ने कहा है कि वह न्यूयॉर्क में अगले हफ्ते होने वाले संयुक्त राष्ट्र कॉन्कलेव में हिस्सा लेंगे. इस तरह वह न्यूयॉर्क शहर के अधिकारियों के उस नियम का उल्लंघन करेंगे, जिसमें कहा गया कि कॉन्कलेव में हिस्सा लेने पहुंच रहे नेताओं और राजनयिकों को वैक्सीनेशन का प्रूफ दिखाना होगा. कोरोनावायरस महामारी की शुरुआत होने के बाद दुनियाभर में इससे निपटने के लिए वैक्सीनेशन किया जा रहा है. दुनिया के कई प्रमुख नेताओं ने भी वैक्सीन लगवाई है. राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने कहा, अगले हफ्ते मैं संयुक्त राष्ट्र महासभा में रहूंगा, जहां मैं उद्घाटन भाषण दूंगा. बोल्सोनारो ने कहा, ये एक शांत भाषण, बहुत उद्देश्यपूर्ण, उन मुद्दों पर केंद्रित होगी, जो हमारी रुचि वाले होंगे. उन्होंने कहा कि वह कोरोनावायरस महामारी, उसके कृषि व्यवसाय और ऊर्जा के लिए ब्राजील के दृष्टिकोण पर चर्चा करेंगे. दरअसल, बुधवार को न्यूयॉर्क के मेयर ने ह्व्र को दिशानिर्देशों को लेकर लिखा. इसमें कहा गया कि सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले प्रतिनिधि को डिबेट हॉल में जाने से पहले वैक्सीनेशन का सबूत दिखाना होगा. इस वजह से बोल्सोनारो की व्यक्तिगत भागीदारी पर सवाल खड़े हो रहे हैं.

राष्ट्रध्यक्षों पर नहीं थोपा जा सकता है नियम- न्यूयॉर्क शहर के स्वास्थ्य आयुक्त द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र के डिबेट हॉल को कन्वेंशन सेंटर के रूप में वर्गीकृत किया गया था. इसका मतलब ये है कि सभी उपस्थित लोगों को वैक्सीन लगाए हुए होना चाहिए. ये बिल्कुल शहर के कुछ इनडोर गतिविधियों में भाग लेने जैसा ही होगा. इसके कुछ घंटे बाद संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा कि वह राष्ट्रध्यक्षों पर जरूरी नियमों को नहीं थोप सकता है. बोल्सोनारो की पहचान वैक्सीन विरोधी के तौर पर हुई है, क्योंकि उन्होंने वैक्सीन को लेकर सवाल भी उठाया था.

वैक्सीनेशन के मामले में चौथे स्थान पर है ब्राजील- जेयर बोल्सोनारो ने कहा कि वह वैक्सीन लगवाने वाले आखिरी व्यक्ति होंगे. ब्राजीलियाई राष्ट्रपति पिछले साल कोरोना संक्रमित भी हुए थे. आवर वर्ल्ड इन डाटा नामक एक रिसर्च ग्रुप के मुताबिक, 21.3 करोड़ की आबादी वाला ब्राजील कोरोनावायरस वैक्सीन लगाने के मामले में चौथे स्थान पर है. राष्ट्रपति ने कहा है कि उन्होंने अभी तक वैक्सीन लगवाने से इनकार किया है, क्योंकि उनका दावा है कि उनके शरीर में एंटीबॉडी का स्तर बिल्कुल शीर्ष पर है.

अफगानिस्तान में 'सेंधमारी' करने में जुटे चीन और पाकिस्तान, चौपट अर्थव्यवस्था में तलाश रहे अपना फायदा

वॉशिंगटन, एजेंसी । अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद चीन और पाकिस्तान की नजर देश के संसाधनों पर है. एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि चीन और पाकिस्तान अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था का फायदा उठाने की जल्दी में हैं. इससे आने वाले भविष्य में दोनों मुल्कों को खासा फायदा होने वाला है. युद्धग्रस्त अफगानिस्तान भारी वित्तीय कठिनाइयों से गुजर रहा है. तालिबान के पास उन जटिल आर्थिक मुद्दों का सामना करने का अनुभव नहीं है, जिनका सामना ग्रामीण देश कर रहा है. अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक के पूर्व प्रमुख भी देश की खस्ताहाल स्थिति के बीच देश छोड़कर भाग गए थे. हालांकि, हाल ही में तालिबान ने एक नया प्रमुख नियुक्त किया था. समाचार वेबसाइट इनसाइडओवर में बताया गया कि वित्तीय मुद्दों से निपटने वाले अधिकांश अफगान अधिकारियों के पास अब दोहरी नागरिकता है. ऐसे में उन्हें इस बात का डर है कि कुछ भी गलत होने पर तालिबान उनके साथ उनके परिवार से भी बदला ले सकता है. इन अधिकारियों द्वारा की गई कोई भी पहल यहां तक की कोई आइडिया या चार्ज जोखिम भरा काम हो सकता है.

अफगान अर्थव्यवस्था में पाकिस्तान की बढ़ सकती है भूमिका- इनसाइडओवर के अनुसार, ये पाकिस्तानी अधिकारियों की देश में पहुंच को बढ़ाने का काम करता है. पाकिस्तानी सेना ने तालिबान को पिछले महीने जीत हासिल करने में मदद की थी. ऐसे में उसकी भूमिका बढ़ सकती है. इस बात की संभावना है कि अफगान अर्थव्यवस्था को चलाने या मार्गदर्शन करने के लिए पाकिस्तानी सेना के अधिकारी सामने आ सकते हैं. इसके अलावा, वो अफगान अर्थव्यवस्था चलाने के लिए मसौदा भी तैयार कर सकते हैं. स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश में इस्लामाबाद और बीजिंग पहले ही योजना बना चुके हैं. प्रारंभिक कदम इस्लामाबाद द्वारा हाल ही में उठाया गया था, जब इसने पाकिस्तानी रुपये में अफगानिस्तान के साथ व्यापार करने की घोषणा की.

चीन ने भी तालिबान को लुभाना शुरू किया- पाकिस्तानी वित्त मंत्री शौकत तरिन ने पाकिस्तानी रुपये में व्यापार करने की वजह काबुल में डॉलर की कमी को बताया. उन्होंने हाल ही में निकासी के कारण खाली पड़े तकनीकी पदों को भरने के लिए तालिबान की मदद करने की भी पेशकश की. वहीं, चीन ने भी तालिबान का लुभाना शुरू कर दिया है. हाल ही में चीन ने अफगान अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए 31 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पेशकश की. बदले में तालिबान ने भी चीन के 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' के साथ गठजोड़ में दिलचस्पी दिखाई है.

ब्रिटेन ने वैक्सीनेटेड यात्रियों के लिए यात्रा नियमों में दी ढील, भारत से जाने वाले लोगों को भी मिलेगा फायदा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन देश में आने और बाहर जाने वाले वैक्सीनेटेड यात्रियों को बड़ी राहत देने वाला है. देश के परिवहन मंत्री ग्रांट शाप्स ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा, ब्रिटेन में आने और बाहर जाने वाले वैक्सीनेटेड यात्रियों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए अपनी प्रणाली को सरल बना रहा है. उन्होंने कहा कि ब्रिटेन अपनी वर्तमान थ्री-टियर लाल-एंबर-ग्रीन देश सूची को एक ही रंग लाल में कर दिया है. ये उपाय चार अक्टूबर से लागू होंगे. इस कदम से भारत और ब्रिटेन के बीच लंबी दूरी की उड़ानों को फायदा होगा.

चार अक्टूबर से विभिन्न देशों में कोविड-19 के खतरे के स्तर के आधार पर लाल, एंबर और हरे देशों के ट्रैफिक लाइट प्रणाली को समाप्त कर दिया जाएगा और इसे केवल एक लाल रंग वाली लिस्ट में बदल दिया जाएगा. गैर-लाल लिस्ट वाले मुल्कों से आने वाले फुली वैक्सीनेटेड यात्रियों के लिए ब्रिटेन पहुंचने पर उन्हें यात्रा से पहले किए गए टेस्ट की रिपोर्ट को दिखाने की जरूरत नहीं होगी. भारत वर्तमान में ब्रिटेन की एंबर लिस्ट में है. इस तरह नए नियमों से वैक्सीन लगवाए हुए भारतीय प्रवासी के लिए यात्रा लागत कम हो जाएगी, क्योंकि अब उन्हें अनिवार्य पीसीआर टेस्ट करवाने की जरूरत नहीं होगी. हालांकि, जिन लोगों को कोविशील्ड लगाई गई है, उन्हें अनिवार्य कोविड टेस्ट से छूट नहीं दी गई है.

दरअसल, इंग्लैंड में जिन देशों को नियमों से छूट दी गई है, उनमें वे मुल्क शामिल हैं, जिनके यहां इस्तेमाल हो रही है वैक्सीन को इंग्लैंड में मान्यता दी गई है. मगर भारत में इस्तेमाल हो रही कोविशील्ड को इंग्लैंड में मंजूरी नहीं दी गई है. बता दें कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका वैक्सीन को तैयार किया है. जिन यात्रियों को भारत सहित ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय यात्रा नियमों के तहत फुली वैक्सीनेटेड नहीं माना गया है, उन्हें अभी भी पुराने नियमों के तहत ही प्रवेश दिया जाएगा. ब्रिटेन ने जापान, सिंगापुर, मलेशिया और 14 अन्य देशों को शामिल करने के लिए मान्यता प्राप्त वैक्सीनों वाले देशों की सूची का विस्तार किया.

तालिबान ने दुनिया से फिर की वादाखिलाफी, स्कूलों में लड़कियों के लिए नो एंट्री

काबुल । तालिबान के नेतृत्व में अफगानिस्तान के शिक्षा मंत्रालय ने सभी माध्यमिक विद्यालयों को शनिवार से फिर से शुरू करने का निर्देश दिया है। हालांकि, निर्देश में केवल लड़कों के ही स्कूल में जाने की जिक्र किया गया है। इसमें लड़कियों की स्कूलों में वापसी को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। तालिबान शासन का यह फैसला पिछले महीने काबुल में सत्ता संभालने के बाद किए गए वादों के विपरीत है।

खामा प्रेस ने आधिकारिक निर्देश के हवाले से कहा कि सभी निजी और अमीरात (सरकारी) माध्यमिक, उच्च विद्यालयों और धार्मिक स्कूलों को फिर से खोला जाएगा। इसके तहत छात्रों और शिक्षकों को स्कूल जाने की अनुमति दी गई है। तालिबान ने दुनिया से किए कई वादों के साथ पिछले हफ्ते अफगानिस्तान में अंतरिम सरकार की घोषणा की थी, जिसमें पिछले तालिबान शासन (1996-2001) की नीतियों को नहीं दोहराने का आश्वासन दिया गया था। हालांकि, जमीन से आ रही खबरें कुछ और ही कह रही हैं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, महिलाओं को काम पर जाने से रोका जा रहा है। कई महिलाएं रोजगार और शिक्षा के अपने अधिकारों की मांग को लेकर पूरे अफगानिस्तान में प्रदर्शन कर रही है। विशेषज्ञों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सदस्यों ने महिला शिक्षकों और छात्रों के भविष्य को लेकर चिंता जताई है। नवनियुक्त शिक्षा मंत्री शेख अब्दुलबाकी हक्कानी ने कहा है कि शरिया कानून के तहत ही शिक्षा की गतिविधियां होंगी। हाल ही में तालिबान वने निजी विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों को फिर से खोल दिया गया था, लेकिन कक्षाओं को लिंग के आधार पर विभाजित किया गया था। तालिबान के इस कदम की काफी निंदा हुई है। इस बीच, अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात ने महिला मामलों के मंत्रालय को भी बंद कर दिया है और इसे प्रोत्साहन और बुराई की रोकथाम के मंत्रालय के साथ बदल दिया है।

तालिबान के अंतिम शासन के दौरान, 1996 से 2001 तक, महिलाओं को बुर्का पहनने के लिए मजबूर किया गया था। इशके साथ ही पुरुष अभिभावक के बिना महिलाओं को घरों से बाहर जाने तक की इजाजत नहीं थी। इशके साथ ही पुरुषों को दाढ़ी बढ़ाने के लिए मजबूर किया गया। हर गली में नैतिक पुलिस स्थापित की गई थी, ताकि नियमों का उल्लंघन करने वालों को कोड़े मारने, सार्वजनिक फांसी जैसी कठोर सजा दी जा सके।

काबुल में अमेरिकी ड्रोन हमले को लेकर पेंटागन ने मानी अपनी गलती

वाशिंगटन। पेंटागन ने पिछले महीने अफगानिस्तान में कई नागरिकों की जान लेने वाले ड्रोन हमले के मामले में शुक्रवार को अपनी गलती मान ली। उसने घोषणा की कि एक समीक्षा से पता चला है कि हमले में केवल नागरिक मारे गए थे न कि इस्लामिक स्टेट के आतंकी, जैसा कि पहले माना गया था।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख मरीन जनरल फ्रैंक मैकेंजी ने पेंटागन के एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह हमला एक गलती थी। 28 अगस्त को हुए इस हमले को पेंटागन के अधिकारी कई दिन तक सही ठहराते रहे थे। इस हमले में सात बच्चों सहित 10 नागरिकों के मारे जाने के बावजूद उनकी ओर से इसे सही ढंग से अंजाम देने का दावा किया जा रहा था।

48 घंटे भीतर लिया था बदला

दरअसल काबुल एयरपोर्ट पर हुए आत्मघाती हमले का बदला अमेरिका ने 48 घंटे के भीतर ले लिया। 28 अगस्त को अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना ने हमले के साजिशकर्ताओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। अफगानिस्तान में ISIS-K के ठिकानों पर अमेरिका ने ड्रोन हमले को अंजाम दिया। काबुल एयरपोर्ट पर हुए आत्मघाती बम विस्फोट में 169 अफगान और 13 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। अमेरिका की सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन बिल अर्बन ने कहा था कि अमेरिकी सैन्य बलों ने ISIS-K के योजनाकारों के खिलाफ आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया। मानव रहित हवाई हमला अफगानिस्तान के नंगहार प्रांत में किया गया। काबुल में इस्लामिक स्टेटेट के हमले के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, सैन्य अधिकारियों और राजनयिकों के साथ बैठक की थी। इसी बैठक में सलाहकारों ने उनसे कहा था कि काबुल में और आतंकी हमले हो सकते हैं और उनके निकासी अभियान के बचे हुए दिन बेहद जोखिम भरे हैं।

लॉस एंजिल्स में महसूस किए गए भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 4.3 रही तीव्रता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में स्थानीय समय के मुताबिक शुक्रवार रात भूकंप के झटके महसूस किए गए. शुक्रवार रात ग्रेटर लॉस एंजिल्स महानगरीय क्षेत्र में छोटे भूकंप के झटके आए. लेकिन अभी तक किसी भी तरह की बड़ी क्षति या जानमाल के नुकसान की कोई तत्काल जानकारी नहीं है. अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे की वेबसाइट की शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस भूकंप की तीव्रता 4.3 थी.

USGS ने कहा, ये भूकंप स्थानीय समय के मुताबिक 7.58 बजे शाम को आया. इसका केंद्र डाउनटाउन लॉस एंजिल्स के दक्षिण पूर्व में 34 किमी की दूरी पर कार्सन के निकट थे. स्व्रस ने अपनी रिपोर्ट में कहा, इसकी गहराई 14 किमी थी. कुछ लोगों ने बताया कि उन्हें पूरे इलाके में कुछ सेकेंड से लेकर कुछ देर तक भूकंप के झटके महसूस हुए. भूकंप के झटके सांता मोनिका, टोरांस और बेवरली हिल्स समेत पड़ोसी शहरों में भी महसूस किए गए. कार्सन में एक तेल रिफाइनरी में कोई समस्या नहीं बताई गई है.

किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं

लॉस एंजिल्स अग्निशमन विभाग भूकंप की जानकारी मिलते ही आपातकालीन मोड में चला गया. विभाग ने तुरंत अपने 1217 वर्ग किलोमीटर इलाके में गश्त के लिए वाहन और हेलीकॉप्टर भेजना शुरू कर दिया. लेकिन इसने बताया कि इसे अभी तक किसी भी महत्वपूर्ण नुकसान और हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है. भूकंपविज्ञानी लुसी जोन्स ने बताया कि भूकंप बिल्कुल भी असामान्य नहीं दिखा. उन्होंने कहा कि इस तरह का भूकंप दक्षिणी कैलिफोर्निया में हर दो महीने में औसतन कहीं न कहीं आता रहता है.

तेल रिफाइनरी से निकलती लपटों को देखकर डरे लोग

भूकंपविज्ञानी लुसी जोन्स ने कहा कि जब यह लॉस एंजिल्स बेसिन के बीच में होता है तो बहुत से लोग इसे महसूस करते हैं और यह बड़ी खबर बन जाती है. भूकंप कार्सन में केंद्रित था और इसकी वजह से 223 स्ट्रीट पर मैराथन पेट्रोलियम रिफाइनरी और विलिमिंगटन एवेन्यू में बिजली गुल हो गई. कंपनी के प्रवक्ता जमाल खैरी ने इसकी जानकारी दी. नतीजतन, रिफाइनरी ने अतिरिक्त गैसों को जलाने के लिए फ्लेयर शुरू किया. इससे तेल रिफाइनरी से आग की लपटें निकलती हुई दिखीं. इस वजह से रात का आसमान रोशनी से भर उठा. वहीं, आग को देखकर लोगों के बीच दहशत भी हो गई.

रूस में एपल और गूगल ने हटाए सरकार विरोधी एप, सरकार समर्थक प्रत्याशियों को हराने का दे रहे थे संदेश

मास्को । रूस में राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के दबाव के चलते एपल और गूगल ने सरकार के विरोध वाले स्मार्ट वोटिंग एप हटा दिए हैं। यह एप रूस के विपक्षी दलों ने बनाया था। दोनों अमेरिकी दिग्गज कंपनियों ने यह कदम रूस में संसदीय चुनाव के लिए तीन दिवसीय मतदान शुरू होने के बाद उठाया है। हटाए गए एप में रूसी सरकार के समर्थन वाले प्रत्याशियों को हराने की अपील मतदाताओं से की गई थी। माना जाता है कि इस एप के इस्तेमाल और आनलाइन मतदान को बढ़ावा देने की रणनीति जेल में बंद विपक्षी नेता एलेक्सेई नवलनी ने तैयार की थी। सरकार ने इसके असर को देखते हुए एप को हटाने के लिए कंपनियों से कहा जबकि आनलाइन मतदान को सरकार हतोत्साहित कर रही है। यह चुनाव राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 2024 तक पद पर बने रहने की

योजना को मजबूती देने के लिए अहम माना जा रहा है।

हाल ही में रूसी अधिकारियों ने एपल और गूगल से कहा था कि अगर उन्होंने यह एप नहीं हटाया तो यह चुनाव में हस्तक्षेप माना जाएगा। इसके तहत उन पर बड़ा जुर्माना लगाया जा सकता है। पिछले सप्ताह रूस के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी राजदूत जान सुलीवन को तलब कर मामले पर विरोध जताया गया। गुरुवार को एपल और गूगल के प्रतिनिधियों को संसद में बुलाकर उनसे रूस की संप्रभुता का सम्मान करने के लिए कहा गया। इसी के बाद दोनों कंपनियों ने एप को हटाया है।

हाल में ही रूस ने इंटरनेट पर नियंत्रण की दिशा में सख्त कदम उठाते हुए विदेशी इंटरनेट कंपनियों के लिए अपने देश में पूर्णकालिक दफ्तर खोलना अनिवार्य कर दिया है। कंपनियों को उनके क्षेत्र में ही रूसी नागरिकों से संबंधित डाटा का संग्रह करना होगा।

इसी साल जून में रूस के अधिकारियों ने प्रतिबंधित सामग्री हटाने में कथित तौर पर विफलता के कारण फेसबुक और टेलीग्राम एप पर जुर्माना लगाया था। मास्को की अदालत ने फेसबुक पर 1.7 करोड़ रूबल और टेलीग्राम पर एक करोड़ रूबल का जुर्माना लगाया था। इससे पहले 25 मई को रूसी अधिकारियों ने गैरकानूनी समझी जाने वाली सामग्री नहीं हटाने के मामले में फेसबुक पर 2.6 करोड़ रूबल का जुर्माना लगाया था।

65 से अधिक उम्र वालों के लिए बूस्टर डोज जरूरी, अमेरिका में एफडीए ने दी ये सलाह

वाशिंगटन । अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के सलाहकारों ने शुक्रवार को 65 और इससे अधिक उम्र वालों के साथ जिन लोगों के गंभीर रूप से बीमार होने का जोखिम है उनके लिए बूस्टर डोज की जरूरत बताई वहीं 16 वर्ष के किशोर व इससे अधिक उम्र के युवाओं के लिए कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज को मंजूरी देने का विरोध किया। राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी वैक्सीन की अतिरिक्त डोज का प्रस्ताव दिया है।

दरअसल यहां अत्यधिक संक्रामक डेल्टा वैरिएंट का संक्रमण फैला हुआ है और इस कारण देश में कोरोना संक्रमण के मामले काफी बढ़ गए हैं। इसमें से अधिकांश मामले बिना वैक्सीन लिए लोगों के बीच मिल रहे हैं साथ ही कुछ मामले वैसे अमेरिकियों के भी हैं जिन्होंने वैक्सीन की पर्याप्त खुराक ले ली है। हाल में कराए गए पोल के नतीजों के अनुसार कोरोना वैक्सीन लगवा चुके अधिकांश अमेरिकी बूस्टर के पक्ष में हैं ताकि उनकी इम्यूनिटी मजबूत हो।

महामारी की शुरुआत से ही बुरा दौर झेलने वाले अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन देश में डेल्टा वैरिएंट के प्रकोप को लेकर चिंतित हैं। इस क्रम में उन्होंने 20 सितंबर से 100 मिलियन बूस्टर डोज लगाने की शुरुआत करने का फैसला लिया था। फर्स्ट लेडी जिल बाइडन अपनी इम्युनिटी को मजबूत बनाने के लिए कोरोना वैक्सीन की तीसरी खुराक लेंगे। बता दें कि बाइडन प्रशासन की ओर से मंजूरी प्राप्त कोरोना वैक्सीन की तीसरी खुराक देने की योजना का ऐलान किया गया है। इस क्रम में अमेरिका के व्यस्क आबादी के लिए बूस्टर डोज 20 सितंबर से उपलब्ध होगा। बूस्टर प्रोग्राम की शुरुआत तो हो रही लेकिन अभी यहां ऐसे कितने ही लोग हैं जिन्होंने वैक्सीन की पहली खुराक तक नहीं ली है। दिसंबर में 78 वर्षीय बाइडन व उनकी पत्नी ने फाइजर बायोएनटेक की पहली खुराक लगवाई थी।

जुलाई में फाइजर ने एफडीए से उसकी कोविड वैक्सीन की बूस्टर खुराक को मान्यता देने को कहा था। हालांकि अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) और सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने बूस्टर डोज की जरूरत से इनकार किया था और कहा था कि जिन्हें वैक्सीन की पर्याप्त खुराक मिल चुकी है उन्हें बूस्टर की जरूरत नहीं है।

हवा में अटकी जान! एयर फ्रांस के उड़ते विमान में लगी आग, आनन-फानन में बीजिंग में हुई आपातकालीन लैंडिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। एयर फ्रांस के एक विमान में आग लगने के बाद उसने शनिवार को बीजिंग में आपातकालीन लैंडिंग की. बीजिंग डेली की रिपोर्ट के मुताबिक, एयर फ्रांस की उड़ान संख्या AF393 (बीजिंग-पेरिस) विमान में आग लगने के बाद आपातकालीन लैंडिंग करने के लिए बीजिंग लौटा. अखबार के मुताबिक, विमान ने बीजिंग कैपिटल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से शनिवार तड़के उड़ान भरी और कुछ घंटे बाद ही उसके पिछले हिस्से में एक जोरदार धमाका सुना गया. इसके बाद विमान के भीतर काला धुंआ देखा गया.

बताया गया है कि इस हादसे में किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है. विमान में सवार यात्रियों द्वारा लिए गए तस्वीरों से पता चलता है कि विमान की कुछ सीटों को नुकसान पहुंचा है. रिपोर्ट में बताया गया है

कि एयर फ्रांस ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि विमान ने बीजिंग ने आपातकालीन लैंडिंग की है. इसने बताया कि टेकऑफ करने के 14 मिनट बाद विमान में लगी आग की वजह से पेरिस जा रहे विमान ने बीजिंग में आपातकालीन लैंडिंग की. बीजिंग डेली के मुताबिक, एयरलाइन ने कहा है कि इसके क्रू मेंबर्स ने विमान के भीतर टेक्निकल खामी का पता लगाया है.

मार्च में भी एयर फ्रांस के विमान ने की आपातकालीन लैंडिंग- इससे पहले, मार्च में पेरिस से नई दिल्ली जा रहे विमान को बुल्गारिया के सोफिया एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी थी. रॉयटर्स समाचार एजेंसी के मुताबिक, एक भारतीय यात्री द्वारा किए गए अभद्र व्यवहार के चलते विमान को लैंड कराया गया. इस व्यक्ति को लैंडिंग के तुरंत बाद प्लेन से नीचे उतारा गया और फिर विमान सेफ्टी को खतरे में डालने की धाराएं लगाई गई. बताया गया कि भारतीय यात्री को सोफिया में 72 घंटों तक हिरासत में भी रखा गया. सोफिया सिटी अभियोजक इलियाना किरिलोवा ने कहा कि यात्री को हिरासत में लेने के बाद विमान ने फिर से अपने डेस्टिनेशन के लिए उड़ान भरी.

अमेरिका में यात्री ने दी थी विमान को क्रैश कराने की धमकी- वहीं, जून में अमेरिका में भी ऐसा ही मामला देखने को मिला, जब लॉस एंजिल्स से अटलांटा जा रहे डेल्टा एयरलाइंस के विमान की आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी, क्योंकि एक यात्री ने विमान को गिराने की धमकी दी. 20 साल की उम्र के इस यात्री ने फ्लाइट अटेंडेंट पर हमला कर दिया और लगातार चिल्लाने लगा कि वह विमान को क्रैश करवा देगा. अधिकारियों ने बताया कि उसके अनियंत्रित व्यवहार ने विमान के भीतर दहशत पैदा कर दी और उड़ान संख्या 1730 के पायलट ने तुरंत मदद के लिए विमान को लैंड कराया.

समंदर के अंदर रहने वाली पनडुब्बी की वजह से भिड़े हैं फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया, आखिर क्यों किसी देश के लिए होती है ये सबमरीन जरूरी

जिनेवा, एजेंसी। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती चीन की दखलअंदाजी का जवाब देने के लिए अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया ने एक सुरक्षा साझेदारी की है.

इस साझेदारी के बाद ऑस्ट्रेलिया को एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और तैनाती के लिए परमाणु क्षमता से लैस पनडुब्बियां मिलेंगी. ऑस्ट्रेलिया के साथ डिफेंस डील के बाद अमेरिका और ब्रिटेन को फ्रांस की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है. परमाणु पनडुब्बी, किसी भी देश का वो ताकतवर हथियार होता है, जो समंदर में उसकी बादशाहत कायम करती है. दुनिया में कुछ ही देश हैं जिनके पास परमाणु पनडुब्बी हैं और इसमें भारत का नाम भी शामिल है.

क्यों जरूरी है नौसेना के लिए पनडुब्बी

किसी भी देश के लिए पनडुब्बी बहुत बड़ा रणनीतिक हथियार होता है. जब यह किसी मिशन पर निकलती है तो किसी को कानों-कान खबर नहीं होती है. समंदर में कई फिट अंदर ये दुश्मन के हर प्लान को फेल करने का काम करती है. विशाखापत्तनम में तैनात एक नेवी ऑफिसर की मानें तो किसी भी देश की नौसेना के पास आज पनडुब्बी का होना उसकी ताकत का सुबूत माना जाता है.

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पनडुब्बियों को बड़े पैमाने पर प्रयोग किया गया था. इसके बाद नौसेनाएं बड़े स्तर पर पनडुब्बियों को तरजीह देने लगीं. पनडुब्बियां किसी भी युद्ध में सेनाओं का बड़ा हथियार होती हैं. पानी के अंदर यह कई तरह के हथियारों को दुश्मन की नजर से बचाते हुए प्रयोग कर सकती हैं. इसलिए ही आज भारत कई तरह की पनडुब्बियों को खरीदने पर जोर दे रहा है.

किस देश के पास कितनी परमाणु पनडुब्बियां- चीन, दुनिया के उन देशों में शामिल है जिसके पास परमाणु क्षमता से लैस 12 पनडुब्बियां हैं. वो पनडुब्बियों का बेड़ा बढ़ाने में लगा हुआ है. अमेरिका दुनिया का वो देश है जिसके पास सबसे ज्यादा परमाणु पनडुब्बियां हैं. ये हैं वो देश हैं जिनके पास परमाणु क्षमता वाली पनडुब्बियां हैं.

ऑस्ट्रेलिया होगा 7वां देश

अमेरिका के साथ डिफेंस डील के साथ ही ऑस्ट्रेलिया दुनिया का 7वां देश हो गया है जिसके पास परमाणु क्षमता वाली पनडुब्बी होगी. ऑस्ट्रेलिया को अमेरिका की तरफ से परमाणु पनडुब्बी मिलेंगी. अचानक ऑस्ट्रेलिया की तरफ से अचानक कैंसिल हुई डील से फ्रांस हैरान रह गया. फ्रांस ने बाइडेन प्रशासन को इन सबके लिए जिम्मेदार ठहराया है. साथ ही कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन की सरकार पर भरोसा तोड़ने का आरोप लगाया है.

भारत तालिबान से लड़ने वालों को देगा समर्थन, दिवंगत अफगान कमांडर शाह मसूद की भतीजी का बयान

काबुल । अफगानिस्तान की एक प्रमुख महिला कार्यकर्ता और लेखिका अमीना जिया मसूद ने भारत को अफगानिस्तान का सदाबहार दोस्त बताते हुए उम्मीद जताई है कि वह युद्धग्रस्त देश में तालिबान से लड़ने वालों का समर्थन करेगा। वियान समाचार चैनल को दिए एक साक्षात्कार में, दिवंगत शक्तिशाली सैन्य कमांडर अहमद शाह मसूद की भतीजी अमीना ने कहा हम भारत से अपने रिश्तों के लिए बहुत आभारी हैं। उल्लेखनीय है तालिबान के खिलाफ सबसे मजबूत प्रतिरोध का नेतृत्व करने के लिए शाह मसूद को आज भी पंजशीर का शेर भी कहा जाता है।उन्होंने कहा कि जब तालिबान पहली बार सत्ता में आया था, मेरा परिवार काबुल में था। हम पहली उड़ान से नई दिल्ली आ गए थे। इसलिए मैंने अपने बचपन के दो साल नई दिल्ली में बिताए। व्यक्तिगत रूप से, मेरा भारत के साथ एक विशेष लगाव है। जहां तक भारत की भूमिका का सवाल है, मैं उम्मीद करती हूं कि वह प्रतिरोध का समर्थन करेगा।उन्होंने कहा कि मैं जानती हूं कि भारत सरकार, तालिबान शासन में विश्वास नहीं करती है। मैं भारत सरकार से अपेक्षा करती हूं कि वह तालिबान शासन को मान्यता न दे। अमीना ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत अफगान शरणार्थियों की मदद करेगा और पूरे देश में प्रतिरोध का समर्थन करेगा।

तालिबान के पंजशीर पर कब्जा करने और प्रतिरोध बलों द्वारा इन दावों को खारिज करने के बारे में अमीना ने कहा प्रतिरोध अभी भी जारी है। दुर्भाग्य से, हम पंजशीर के बारे में बहुत नहीं कह सकते। क्योंकि इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से बहुत सारी फर्जी खबरें सामने आई हैं। लेकिन मैं आपको निश्चित रूप से बता सकता हूं कि पंजशीर में प्रतिरोध अभी भी जारी है। इसकी भौगोलिक स्थितियों के कारण पंजशीर पर कब्जा करनाबहुत कठिन है। मैं समझती हूं कि तालिबान को भी इस बात का अहसास है।

दिल्ली मेट्रो की अब तक की प्रगति अभूतपूर्व : केजरीवाल

नजफगढ़ से ढांसा बस स्टैंड तक विस्तारित ग्रे लाइन कॉरिडोर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा शनिवार को ग्रेलाइन के नजफगढ़-ढांसा बस स्टैंड मेट्रो सेक्शन का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कौशल किशोर, राज्य मंत्री आवासन व शहरी कार्य मंत्रालय, कैलाश गहलोत, परिवहन मंत्री, दिल्ली सरकार और प्रवेश साहिब सिंह, लोक सभा सांसद पश्चिमी दिल्ली भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कहा कि आज बाहरी दिल्ली के लिए खासकर नजफगढ़ क्षेत्र के लोगों के लिए बेहद खुशी का पल है। अभी तक दिल्ली मेट्रो का यह जो रूट था, वह दिल्ली गेट तक जाकर खत्म हो जाती थी। आसपास के लगभग 50 ऐसे गांव हैं, जहां से रोज लोग दिल्ली काम करने के लिए आते हैं। उन लोगों को नजफगढ़ में जो फिरनी चौक है, वह क्रॉस करके दिल्ली गेट आना पड़ता था। उसकी वजह से फिरनी चौक के ऊपर बहुत बुरा ट्रैफिक जाम लगता था। अब यह ढांसा बस स्टैंड बन जाने की वजह से लोगों को यह चौक क्रॉस करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि यह रूट सवा किलोमीटर का है, लेकिन इसका इतना बड़ा प्रभाव पड़ेगा कि लोगों को अब चौक क्रॉस करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जो लोग रोज दिल्ली आते हैं, वे अब ढांसा बस स्टैंड से ही मेट्रो ले सकते हैं और दिल्ली आ सकते हैं।

हरदीप सिंह पुरी व केजरीवाल ने एक साथ हरी झंडी दिखाकर मेट्रो को किया रवाना

रंगीन कलाकृति से सजाया गया है ढांसा बस स्टैंड मेट्रो स्टेशन

ढांसा बस स्टैंड मेट्रो स्टेशन को रंगीन कलाकृति से सजाया गया है, जो क्षेत्र की स्थानीय संस्कृति, जीवन शैली और समृद्ध जैव विविधता को खूबसूरती से दर्शाता है। डीएमआरसी हमेशा अपने स्टेशनों पर कलाकृतियों के माध्यम से किसी क्षेत्र की विरासत और संस्कृति को चित्रित करने का प्रयास करता है। ढांसा बस स्टैंड स्टेशन की बिल्डिंग को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल द्वारा प्लेटिनम रेटिंग दी गई है। ग्रीन बिल्डिंग मानदंडों के पालन के लिए यह उच्चतम रेटिंग है।

इस मेट्रो स्टेशन के शुरू होने से लगभग 50 गांव ऐसे हैं, जहां रह रहे लोगों को इसका फायदा होगा। इसके अलावा, बॉर्डर पर हरियाणा के झज्जर जिले से भी बहुत सारे लोग दिल्ली नौकरी करने के लिए प्रतिदिन आते हैं, उन लोगों को भी इससे बेहद मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे याद है, फरवरी 2015 में दिल्ली के जब विधानसभा चुनाव हुए थे, उन चुनावों के प्रचार के लिए जब मैं इस इलाके में जाया करता था, तब लोगों की मांग थी कि यह एक किलोमीटर सेक्शन है, यहां एक और स्टेशन बनना चाहिए। हमने उनसे वादा किया था और दिल्ली में सरकार बनने के कुछ महीनों के अंदर ही हमने यह वाला जो स्ट्रेच है और यह ढांसा बस स्टैंड है, इसको दिल्ली सरकार ने मंजूर किया था। केंद्र सरकार ने भी इसको स्वीकार किया। हम केंद्र सरकार के शुक्रगुजार हैं। आज इस मौके पर मैं दिल्ली मेट्रो के सभी कर्मचारियों, अधिकारियों, इंजीनियर और मंगू साहब की टीम को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। खासकर केंद्र सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं। केवल यही स्ट्रेच ही नहीं, पूरी दिल्ली मेट्रो की यात्रा के अंदर जिस तरह से दिल्ली के लोगों का केंद्र सरकार ने सहयोग किया, उसके लिए मैं केंद्र सरकार का तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। नजफगढ़ के लोगों और पूरे दिल्ली की जनता को पुन: बहुत-बहुत बधाई।

ढांसा बस स्टैंड खुलने से सड़क पर वाहनों का कम होगा बोझ

दिल्ली सरकार वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने का लगातार प्रयास कर रही है। दिल्ली मेट्रो के इस सेक्शन के खुलने के बाद सड़कों पर वाहनों का बोझ कम हो जाएगा, जिससे क्षेत्र में वाहनों से होने वाले प्रदूषण में भी कमी आएगी। साथ ही, आस-पास के क्षेत्रों में सुरक्षित और आरामदायक सार्वजनिक परिवहन का विकल्प मिलेगा।

वहीं इको-फ्रेंडली मोबिलिटी के विभिन्ना तरीकों के माध्यम से शहर में लास्ट माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के प्रयास जारी हैं। हाल ही में, डीएमआरसी ने इलेक्ट्रिक फीडर बसें लॉन्च कीं और अन्य विकल्प जैसे कि ई-रिक्शा और ई-बाइक पहले से ही उपलब्ध हैं। भविष्य में, लास्ट माइल कनेक्टिविटी को आसान बनाने के लिए और अधिक सुविधाएं शुरू की जाएंगी।इस सेक्शन के खुलने से द्वारका-ढांसा बस स्टैंड ग्रे लाइन कॉरिडोर चार स्टेशनों के साथ 6.10 किलोमीटर लंबा हो गया है। यह द्वारका, नंगली, नजफगढ़ और ढांसा बस स्टैंड मेट्रो स्टेशन हैं।

हर भारतवासी के मन में बसे हैं राम : प्रवेश वर्मा

सांसद प्रवेश वर्मा से मिला रामलीला समिति का प्रतिनिधिमंडल, निमंत्रण स्वीकार की

(रविशंकर तिवारी)

नई दिल्ली । मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम हर भारतवासी के मन में बसे हैं। वह हम सभी के आदर्श हैं, इसलिए भगवान राम की आराधना रामलीला में शामिल होना मेरे लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है। यह कहना है पश्चिमी दिल्ली के भाजपा सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा का। शनिवार को सांसद प्रवेश वर्मा ने दिल्ली स्थित अपने आवास पर ओरछा के राजा राम की लीला समिति के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान यह बात कही। इससे पहले प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा सांसद से 6 अक्टूबर से 15 अक्टूबर के बीच होने वाली भव्य वर्चुअल रामलीला आयोजन समिति ने लीला मंचन देखने का अनुरोध किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया। इस दौरान लीला समिति के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वी.पी.टंडन और

समाजसेवी रवि कांत शर्मा ने प्रवेश वर्मा को श्रीराम जी की स्मृति के साथ-साथ गदा भेंट की। उधर, मुलाकात के दौरान डॉ. वी.पी.टंडन ने सांसद को बताया कि इस बार देश-विदेश में राम की लीला के भव्य मंचन वर्चुअल संचार माध्यमों के द्वारा करोड़ों लोगों तक पहुंचाया जाएगा। इस भव्य रामलीला में कई प्रसिद्ध फिल्मी हस्तियां भी भाग लेंगी। उन्होंने सांसद से कहा कि आप ऊर्जावान राम भक्त राष्ट्रभक्त हैं। राष्ट्र मंगल की कामना से आयोजित इस अभूतपूर्व आयोजन के लिए आप से मार्गदर्शन के लिए संरक्षक का दायित्व स्वीकार करने का अनुरोध है।

संक्षिप्त खबर

तीस प्रतिशत छात्रों का वित्त-पोषण करेगी विद्या शिल्प विवि

नई दिल्ली। विद्या शिल्प शिक्षा समूह ने वर्ष 2021 के कर्नाटक अधिनियम संख्या 20 के तहत स्थापित विद्याशिल्प विश्वविद्यालय के शुभारंभ की घोषणा की। इस अवसर पर कर्नाटक राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो.बी थिम्मेगौड़ा,विद्या शिल्प विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.पी दयानंद पाई, विद्या शिल्प विश्वविद्यालय की प्रो-कुलपति डॉ.किरण पाई और विद्या शिल्प विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.विजयन इमैनुएल भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय को एनईपी 2020 के ढांचे पर बनाया गया है। इसके समकालीन, नए जमाने के पाठ्यक्रम को उभरते हुए विषयों का पूरी तरह से लाभ उठाने के लिए तैयार किया गया है। विश्वविद्यालय वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षा पर मजबूती से ध्यान केंद्रित करेगा। विद्याशिल्प विश्वविद्यालय के चांसलर, डॉ.पी.दयानंद पाई ने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा में व्यक्तियों और राष्ट्रों के लिए समान रूप से परिवर्तनकारी संतुलित शिक्षा देने का प्रयास करेगा। हम छात्रों के लिए एक समग्र शिक्षण मंच बनने की योजना बना रहे हैं, जो डेटा विज्ञान, प्रबंधन अध्ययन, अनुसंधान, डिजाइन आदि तक पहुंच प्रदान करते हैं। अगले पांच वर्षों में हम 600 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रहे हैं।

कोविड की चुनौतियों के बावजूद, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बड़ी मांग

नई दिल्ली। एशियन ग्रैनिटो इंडिया लिमिटेड ने वर्तमान वित्त वर्ष में निर्यात कारोबार से तेजी से वृद्धि पर नजर लगाए हुए है। आने वाले महीनों में कारोबार को और गति मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को मजबूत बनाने के लिए 18 हजार स्कवेर फिट विस्तार में मोरबी में एजीएल एक्सपोर्ट हाउस बनाया है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को लगभग 350-400 करोड़ का निर्यात कारोबार होने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए कंपनी ने 216 करोड़ की समेकित निर्यात बिक्री दर्ज की है। वित्त वर्ष 2021 में कंपनी का समेकित निर्यात बढ़कर कुल राजस्व का लगभग 17 प्रतिशत हो गया, जो वित्त वर्ष 2020 में 14 प्रतिशत था। कोविड, माल ढुलाई लागत में वृद्धि और कंटेनर उपलब्धता चुनौतियों के बावजूद जून 2021 को समाप्त तिमाही के लिए कंपनी ने 53.19 करोड़ के समेकित निर्यात की सूचना दी। एशियन ग्रैनिटो इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कमलेश पटेल ने कहा की कोविड की चुनौतियों के बावजूद, अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मांग बहुत मजबूत बनी हुई है पिछले तीन महीनों के दौरान निर्यात में काफी उछाल देखा गया है और अमेरिका और चीन के बीच चल रहे विवाद के कारण लगातार बढ़ रही हैं। चीनी टाइलों पर बढ़े शुल्क ने भारतीय टाइल उत्पादों को विश्व बाजारों में और अधिक स्पर्धात्मक बना दिया है।

ट्रैक्टर से सांसद पहुंचे ढांसा मेट्रो स्टेशन, नजफगढ़ तक किया सफर

नई दिल्ली। नजफगढ़ से ढांसा बस स्टैंड तक विस्तार की गई दिल्ली मेट्रो के ग्रे लाइन कॉरिडोर से दिल्ली देहात के लाखों लोगों को दिल्ली आने में काफी सहूलियत तो मिलेगी ही, साथ ही अब लोगों को मध्य दिल्ली तक आने के लिए अब फिरनी चौक क्रॉस कर दिल्ली गेट नहीं आना पड़ेगा। यह कहना है पश्चिमी दिल्ली से भाजपा सांसद प्रवेश सिंह वर्मा का। सांसद ने कहा कि ढांसा मेट्रो स्टेशन के शुरू होने से फिरनी चौक पर लगने वाले जाम से भी मुक्ति मिल जाएगी। बता दें कि शनिवार को ट्रैक्टर से ढांसा मेट्रो स्टेशन पहुंचे सांसद प्रवेश वर्मा ने टोकन लेकर नजफगढ़ तक मेट्रो का सफर किया।

नोएडा में साइबर ठगी का अजीबोगरीब मामला, ऐप डाउनलोड करते ही खाते से उड़ गए 71 हजार

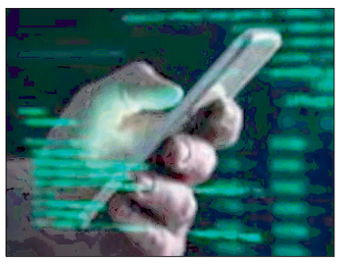

नोएडा। नोएडा थाना सेक्टर 49 में एक व्यक्ति ने साइबर ठगों के खिलाफ धोड़ाधड़ी करके उसके खाते से 71,000 रुपए निकालने का मामला दर्ज कराया है. थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि सेक्टर 74 में रहने वाले हरीश सचान ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी बेटी के फोन पर एक संदेश आया, जिसमें केवाईसी अद्यतन कराने के लिए कहा गया था. सिंह ने बताया कि शिकायत में कहा गया कि इस दौरान जैसे ही उन्होंने एक ऐप डाउनलोड किया उनके खाते से करीब 71 हजार रुपये निकल गए. थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है.

इसी प्रकार का एक और मामला सेक्टर 21 में सामने आया है. थाना सेक्टर 20 में एक महिला ने साइबर ठगों के खिलाफ केवाईसी अद्यतन करने के नाम पर उनके खाते से 1,45,000 रुपए निकालने का मामला दर्ज कराया है. थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक मनीष प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है.

विक्रांत कुमार चौधरी को गिरफ्तार किया है

वहीं, पिछले 12 सितंबर को खबर सामने आई थी कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश विशेष कार्य बल (स्स्त्रस्त्र) की नोएडा इकाई ने भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व सहायक प्रबंधक सहित दो लोगों को 40 लाख रुपए से अधिक की ठगी की 12 घटनाओं के मामले में गिरफ्तार किया है. पश्चिमी उप्र एसटीएफ के पुलिस अधीक्षक कुलदीप नारायण ने बताया था कि बल की नोएडा इकाई ने एसबीआई कार्ड से लाखों रुपए की धोखाधड़ी के मामले में एसबीआई कार्ड के पूर्व सहायक प्रबंधक अभिषेक चंद्रा और विक्रांत कुमार चौधरी को गिरफ्तार किया है. दोनों दिल्ली निवासी हैं.

धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया गया था

उन्होंने बताया कि पिछले कुछ समय से ठगी के कई मामले सामने आ रहे थे. एसबीआई कार्ड की तरफ से इस संबंध में लखनऊ स्थित एसटीएफ के मुख्यालय में शिकायत की गई, जिसके बाद नोएडा एसटीएफ के क्षेत्रीय इकाई प्रमुख अक्षय त्यागी ने जांच शुरू की. जांच के दौरान चंद्रा और चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया. जांच में सामने आया है कि एसबीआई कार्ड की तरफ से इस संबंध में गाजियाबाद के थाना कविनगर में भी धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया गया था.

दिल्ली हिंसा- कोर्ट ने 2 आरोपियों के खिलाफ तय किए आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने पिछले दिल्ली हिंसा के दौरान कथित तौर पर धार्मिक स्थल पर आगजनी, मकानों और दुकानों में तोड़फोड़ करने तथा लूटपाट के लिए दो लोगों के खिलाफ दंगा, आगजनी और संपत्ति को क्षति के आरोप तय किए हैं. आरोपपत्र के अनुसार ,आरोपी गौरव ने 24 फरवरी 2020 को दिल्ली के भजनपुरा इलाके में पेट्रोल बम से एक धार्मिक स्थल में कथित तौर पर आग लगा दी, जबकि आरोपी प्रशांत मल्होत्रा ने उसी क्षेत्र में दुकानों, मकानों और वाहनों में तोड़फोड़ और लूटपाट की. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत आरोप तय किए और उनके वकीलों

की मौजूदगी में उन्हें स्थानीय भाषा में समझाया. आरोपी ने अपराध में शामिल नहीं होने की दलीलें दी और मामले में मुकदमे का सामने करने की बात कही. पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी दंगाई भीड़ का हिस्सा थे. उनका कॉल डेटा रिकॉर्ड (सीडीआर) स्थान भजनपुरा चौराहे और आसपास के इलाकों में भी पाया गया, जहां कथित घटना हुई थी. एक सहायक उप निरीक्षक की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था और दोनों को तीन अप्रैल 2020 को गिरफ्तार किया गया था. हालांकि, अंतिम रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें दस दिन बाद अदालत ने जमानत पर रिहा कर दिया था.

कई धाराओं के तहत भी आरोप तय किए गए हैं- उन पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 147 (दंगा), 148 (दंगा, घातक हथियार से लैस), 149 (अपराध के लिए गैर-कानूनी जमावड़ा में शामिल रहना), 427 (तोड़फोड़ की गतिविधि से नुकसान), 435 (आगजनी) के तहत आरोप लगाए गए हैं. आईपीसी की धारा 436 (आग या विस्फोटक पदार्थ से विध्वंसक गतिविधि), 392 , 188 (लोक सेवक के आदेश की अवज्ञा), 34 (समान मंशा) और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान की रोकथाम (पीडीपीपी) कानून की धाराओं के तहत भी आरोप तय किए गए हैं. दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत एक आरोपी को उस अपराध के बारे में सूचित किया जाना चाहिए, जिसके तहत उस पर आरोप लगाया गया है. आरोप तय करने का मूल उद्देश्य उन्हें उस अपराध के बारे में बताना है जिसके लिए उन पर आरोप लगाया गया है ताकि वे अपना बचाव कर सकें.

दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, कहा- लिव-इन रिलेशनशिप में महिला पार्टनर खर्च करे तब भी आपराधिक मामला नहीं बनता

नई दिल्ली । लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़े की महिला यदि खर्च वहन करती है तो वह अपराध नहीं होगा. दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा,' ऐसा नहीं है कि लिव-इन रिलेनशिप में रह रहे जोड़े में से केवल एक पार्टनर ही खर्च वहन करने के लिए बाध्य है. यदि दोनों मिलकर खर्च उठाते हैं या महिला ही खर्च करती है तो उसे अपराध नहीं कहा जाएगा. वहीं, लड़की द्वारा लगाए गए मारपीट के आरोपों को भी कोर्ट ने खारिज कर दिया है.न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता ने यह टिप्पणी लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही महिला की ओर से दायर बलात्कार के मामले में याचिकाकर्ता पुरुष साथी की अग्रिम जमानत मंजूर करते हुए की. महिला ने यह भी आरोप लगाए थे कि उसके लिव-इन साथी ने उसे दबाव में रखकर 1,25,000 रुपये खर्च कराए थे, जो आपराधिक मामला बनता है.

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा, 'लिव-इन रिलेशनशिप, जहां दोनों पार्टनर साथ रह रहे हों, ऐसा नहीं है कि एक पार्टनर ही खर्च वहन करेगा बल्कि यदि महिला पार्टनर या दोनों मिलकर खर्च वहन करते हैं तो भी वह आपराधिक मामला नहीं बनता.'

जानें क्या है पूरा मामला

गौरतलब है कि महिला नौकरी की तलाश में दिल्ली आई थी, जहां उसकी मुलाकात याचिकाकर्ता से हुई. यह आरोप लगाया गया था कि याचिकाकर्ता ने महिला पार्टनर पर दबाव डालकर उसके माता-पिता को शादी के लिए राजी कराने को कहा था.

बाद में महिला के माता-पिता अगस्त 2019 में शादी के लिए राजी हो गये थे. लड़की ने आरोप लगाया था कि याचिकाकर्ता ने उसकी इच्छा के विरुद्ध उससे शारीरिक संबंध बनाए थे. जब भी वह मना करती थी, तो याचिकाकर्ता उसे प्रताड़ित करता था. उसने यह भी कहा था कि उसने ही 1,25,000 रुपये खर्च वहन किये थे. बाद में यह राशि दोनों पक्षों के बीच करार के तहत लौटा दी गयी थी. उसके बाद बलात्कार के आरोप के तहत यह प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी.

लड़की के साथ मारपीट के आरोपों पर कोर्ट ने कहा कि न तो ऐसी कोई शिकायत लड़की ने की थी, न कोई एमएलसी ही उपलब्ध है, जिससे पता चले कि याचिकाकर्ता मारपीट करता रहता था. इसके साथ ही कोर्ट ने 25,000 रुपये के बेल बॉण्ड भरने की शर्त पर याचिकाकर्ता को अग्रिम जमानत दे दी.

जीवन पार्क का खराब यातायात सिग्नल वाहन चालकों के लिए बना मुश्किल

नई दिल्ली । सुचारू यातायात व्यवस्था के लिए लगे यातायात सिग्नल इलाके में जगह-जगह खराब पड़े हैं। पंखा रोड पर जीवन पार्क के चौराहे पर खराब यातायात सिग्नल वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। आश्चर्य की बात यह है कि दिन के समय दुरुस्त चलने वाला यह सिग्नल शाम होते ही खराब हो जाता है और चौतरफा जाम की स्थिति खड़ी हो जाती है। यह स्थिति बीते एक सप्ताह से कायम है और कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का अभी तक समाधान नहीं हुआ है। लोगों का कहना हैं कि राजधानी दिल्ली में लगातार शिकायत के बाद भी एक खराब यातायात सिग्नल अभी तक दुरुस्त नहीं हुआ है, तो ऐसे में सुचारू यातायात व्यवस्था कैसे होगी? यातायात पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हार्डवेयर में खराबी के कारण यातायात सिग्नल ठीक से काम नहीं कर रहा है। संबंधित एजेंसी को इस बाबत सूचित कर दिया है कि जल्द से जल्द इसे ठीक करें।

असल में खराब यातायात सिग्नल एक बड़ी समस्या है। अगर उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन के सामने चौक की बात करें तो यहां सिग्नल कई वर्षों से खराब है। शिकायत के बाद भी यह दुरुस्त नहीं हुआ और अब लोगों ने शिकायत करना ही बंद कर दिया है। ठीक यही हाल मंगलापुरी बस टर्मिनल के सामने नजर आता है। यहां भी सिग्नल लंबे अरसे से खराब है। क्षेत्र में कई ऐसे प्रमुख चौक है जहां खराब सिग्नल के कारण वाहन चालक परेशान हैं। शाम के समय सड़क पर दबाव अधिक होता है और इस बीच खराब यातायात सिग्नल के कारण नियमित रूप से पंखा रोड पर वाहन चालकों को जाम से दो-चार होना पड़ रहा है। रात होते-होते जाम उत्तम नगर चौक तक पहुंच जाता है और इस कारण नजफगढ़ रोड का यातायात भी प्रभावित होने लगता है। मजबूरन चालकों को अंदर गलियों से निकलना पड़ता है और इससे वहां के निवासी भी परेशान होते हैं। इसके अलावा जाम के बीच वाहनों की हार्न की आवाज और लोगों के खोते धैर्य के कारण कई बार झड़प की नौबत आ जाती है।

भिखारियों के चेहरों पर सरकार अब लाएगी मुस्कान, 10 वर्षों तक इनके पुनर्वास का उठाएगी जिम्मा

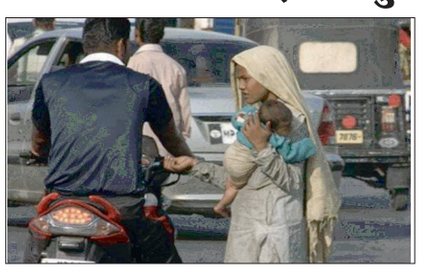

नई दिल्ली । भिखारियों के पुनर्वास के लिए वैसे तो अब तक अलग-अलग स्तरों पर काफी प्रयास हो चुके हैं, लेकिन फिर भी उनकी जिंदगी में कोई खास बदलाव नहीं आया है। पिछले वर्षों में तो इनकी संख्या बढ़ी भी है, जो चिंता बढ़ाने वाली है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने इसके लिए स्माइल (सपोर्ट फार मार्जिनलाईज्ड इनडिविजुअल्स फार लाइवलीहुड एंड इंटरप्राइज) स्कीम के नए चरण की शुरुआत की है। इसके तहत भिखारियों और भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का पूरी तरह से पुनर्वास किया जाएगा। साथ ही अगले 10 साल तक उनके खाने-पीने, रहने, स्वास्थ्य, पढ़ाई और स्किल ट्रेनिंग का पूरा खर्चा भी मंत्रालय उठाएगा।

फिलहाल इस स्कीम को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर भिखारियों से मुक्त बनाने के लिए चुने गए दिल्ली सहित देश के 10 बड़े शहरों में लागू करने की तैयारी है। इसके लिए इन सभी शहरों में भिखारियों की सही संख्या का पता लगाने के लिए सर्वे कराया गया है। नौ शहरों के सर्वे का काम पूरा हो गया है। अकेले दिल्ली में ही 20 हजार से ज्यादा इनकी संख्या मिली है। इनमें महिला और बच्चे भी शामिल हैं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के मुताबिक इस स्कीम के तहत प्रत्येक भिखारी का पूरा ब्योरा तैयार किया गया है। इसमें भीख मांगने वाले क्षेत्र से लेकर उनके स्वास्थ्य, पढ़ाई आदि की पूरी जानकारी है। इसके आधार पर ही अब इनके पुनर्वास से लेकर पढ़ाई, स्किल ट्रेनिंग आदि देने की पूरी योजना पर काम चल रहा है। इनमें बड़ी संख्या में ऐसे भिखारी भी हैं, जिनके पास अपनी पहचान से जुड़ा कोई दस्तावेज भी नहीं है।

मंत्रालय के मुताबिक इस पूरी योजना पर अगले पांच वर्षों में करीब दो सौ करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। साथ ही उनके पुनर्वास पर 10 साल का समय दिया जाएगा। मंत्रालय का मानना है कि जब तक उनके रहन-सहन की आदतें नहीं बदलेंगी, तब तक उनके फिर से भिक्षावृत्ति से जुड़ने की आशंका बनी रहेगी।

अधिकारियों के मुताबिक दिल्ली सहित 10 शहरों में स्कीम को बेहतर तरीके से लागू करने के बाद इसे देश के अन्य सौ शहरों में भी विस्तार दिया जाएगा। यह सभी स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में शामिल शहर होंगे।

कोलकाता का नाम हटा, अहमदाबाद को किया गया शामिल-दिल्ली सहित देश के जिन 10 शहरों को पहले चरण में भिखारियों से मुक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार ने पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर काम शुरू किया है, उनमें कोलकाता का नाम भी शामिल था। लेकिन बंगाल सरकार के असहयोग के चलते केंद्र ने अंतिम समय में इसे प्रोजेक्ट से अलग कर दिया। इसकी जगह अब अहमदाबाद को शामिल किया गया है। अब जिन 10 शहरों को इस स्कीम के लिए चुना गया है, उनमें दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, नागपुर, पटना, इंदौर, लखनऊ और अहमदाबाद शामिल हैं।

फेसबुक पर अगर लड़की का आ रहा फ्रेंड रिक्वेस्ट तो हो जाए सावधान

नई दिल्ली । रोहिणी जिला पुलिस ने लड़की बनकर लोगों से हजारों रुपये एंठने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान राजस्थान के भरतपुर के दानिशपुर गांव निवासी जाहुल व जालड़ा गांव निवासी मिनाज के रूप में हुई है।

लड़की की प्रोफाइल बनाकर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेज कर करते थे फ्राड

आरोपित पहले लड़की की प्रोफाइल बनाकर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजते थे और फिर नंबरों की अदलाबदली करते थे। इसके बाद वाट्सएप वीडियो काल के दौरान उन्हें उकसाकर उनकी अश्लील काम करवाते और वीडियो बना लेते थे। इसके बाद उस वीडियो को सार्वजनिक करने की धमकी देकर उनसे हजारों रुपये ठगते थे। आरोपित अब तक 250 से ज्यादा लोगों से वसूली कर चुके हैं। रोहिणी निवासी एक युवक ने जब इसकी जानकारी पुलिस को दी तो पुलिस ने आरोपितों को राजस्थान से गिरफ्तार किया।

वहीं, पश्चिमी दिल्ली में चेक क्लोन करके दूसरे के खाते से पैसे उड़ाने के एक मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में तरुण नामक आरोपित को चांदनी चौक इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपित शख्स किसी व्यक्ति या किसी संस्था के खाते से जुड़ी जानकारी एकत्रित करता था। जिसके खाते से पैसे की निकासी करनी थी उसके चेक का क्लोन तैयार करता था। एक खाते से दूसरे खाते में रकम ट्रांसफर की जाती थी। फिर दूसरे खाते से पैसे निकाल लिया जाता था। पुलिस को पता चला कि आरोपित को बैंक से जुड़ी जानकारियां एक बैंककर्मी से मिलती थी। अब पुलिस उसकी भी तलाश कर रही है।

आश्रम चौराहे से गुजरने वाले राहगीरों की अभी खत्म नहीं होगी टेंशन, 5वीं बार बढ़ी अंडरपास की डेडलाइन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के व्यस्ततम आश्रम चौराहे से गुजरने वाले राहगीरों को कम से कम दो महीने और यातायात परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि यह अंडरपास पांचवीं बार अपनी डेडलाइन मिस करेगा. दिल्ली सरकार के मुताबिक, आश्रम अंडरपास का निर्माण कार्य नवम्बर के अंत तक पूरा होगा. हालांकि इसकी डेडलाइन इसी महीने की 30 तारीख (30 सितंबर) है. बता दें कि 2019 में सीएम अरविंद केजरीवाल ने इसका शिलान्यास किया था.

दिल्ली सरकार ने बीते शुक्रवार को घोषणा की कि आश्रम अंडरपास का निर्माण कार्य नवम्बर के अंत तक ही पूरा हो पाएगा. पहले यह डेडलाइन 30 सितंबर थी. जानकारी के अनुसार, निर्माण कार्य के दौरान वहां से हाई-वोल्टेज बिजली लाइन गुजरने का पता चला है, जिसे शिफ्ट करने में वक्त लगेगा. लाइन बदलने का यह कार्य दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड द्वारा किया जाएगा और इसमें कम से कम एक महीने का समय लगेगा.

दिल्ली के मंत्री सत्येन्द्र जैन ने कही थी ये बात- दिल्ली के लोक निर्माण विभाग मंत्री सत्येन्द्र जैन ने शुक्रवार को कहा था कि यह बाधा जल्दी दूर कर ली जाएगी. उन्होंने कहा था, 'अंडरपास का काम करीब-करीब पूरा हो गया है, लेकिन निर्माणाधीन 16 मीटर लम्बे रैम्प के निकट हेवी पावर केबल शिफ्टिंग में विलंब की वजह से इसमें देरी होगी. हाई-वोल्टेज लाइन को हटाने में एक महीने का समय लगेगा और उसके बाद फिनिशिंग में एक और महीना. कुल मिलाकर दो महीने और लगेंगे.' इसके साथ उन्होंने कहा कि सरकार इस बात से अवगत है कि आश्रम चौक के निकट सड़क में गड्ढे हैं, जिन्हें दो दिनों में मरम्मत कर दिया जाएगा.

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 2019 में किया था शिलान्यास

गौरतलब है कि 750 मीटर लंबे अंडरपास का शिलान्यास मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 27 दिसम्बर 2019 को किया था और उस वक्त एक साल में इसे पूरा किया जाना था. दूसरी बार इसकी डेडलाइन मार्च 2021 तय की गई थी, लेकिन उस वक्त भी काम पूरा नहीं हो सका और तीसरी बार जून 2021 और चौथी बार सितम्बर 2021 के लिए टाला गया था. लेकिन अब इसे पांचवीं बार दो और महीने के लिए टाला गया है.

संपादकीय

तीसरी लहर का कम होता खतरा

अभी ज्यादा दिन नहीं गुजरे हैं, जब अपने यहां कोरोना की आसन्न तीसरी लहर को लेकर चिंता जताई जा रही थी। कहा जा रहा था कि अगस्त के मध्य से यह लहर देश में दस्तक दे सकती है और इस बार बच्चों पर यह ज्यादा असरंदाज होगी। मगर नए आंकड़े इन आशंकाओं को कम करते दिख रहे हैं।

राहत की सबसे बड़ी वजह तो चौथा राष्ट्रीय सीरो सर्वे है, जो बताता है कि देश की दो तिहाई आबादी में कोरोना वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी बन चुकी है। इसका अर्थ है कि हर तीन में से दो भारतीय कोरोना की जंग जीत चुके हैं। 67.6 फीसदी इस सुरक्षित आबादी में स्वास्थ्यकर्मियों की भी अच्छी-खासी संख्या है, और तकरीबन 80 फीसदी डॉक्टर व स्वास्थ्यकर्मी अब कोरोना से सुरक्षित हो चुके हैं। हालांकि, वास्तविक संख्या इससे कहीं ज्यादा तकरीबन 85 फीसदी हो सकती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि जो लोग कोरोना की पहली लहर में संक्रमित हुए थे, उनमें अब बेशक एंटीबॉडी नहीं दिख रही होगी और सर्वे में वे असुरक्षित पाए गए होंगे, लेकिन असलियत में, वे आज भी सुरक्षित हैं। कोरोना से दोबारा संक्रमण की दर अब भी काफी कम है, बमुश्किल पांच फीसदी। इसलिए, हमारे देश की काफी बड़ी आबादी अब 'इम्यून' मानी जा सकती है। इससे बच्चों पर खतरे का अंदेशा भी काफी कम हो जाता है। हमारा अनुभव यही बता रहा है कि घर में यदि किसी एक सदस्य को कोरोना हुआ, तो कमोबेश पूरा परिवार संक्रमित हो गया। ऐसा दूसरी लहर में काफी ज्यादा दिखा, जिसका कारक वायरस का डेल्टा वेरिएंट था। यह लहर देश भर में देखी गई थी। सीरो सर्वे भी अब बता रहा है कि तकरीबन 50 फीसदी बच्चों में कोरोना के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता दिखी है। इसका सीधा सा मतलब यह है कि हमारे बच्चे कोरोना वायरस से संक्रमित हुए और सफलतापूर्वक उससे बाहर निकल भी आए।

तीसरी लहर का जोखिम अब उन लोगों को ज्यादा है, जिनके शरीर में किसी न किसी वजह से अभी तक एंटीबॉडी नहीं बन सकी है। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए ये 15 फीसदी लोग भी कम नहीं माने जाएंगे। इस समय विशेष रूप से केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पूर्वोत्तर के राज्यों, कश्मीर, लद्दाख आदि इलाकों में संक्रमण में जो तेजी दिख रही है, उसे कोरोना की तीसरी लहर ही कहना चाहिए। इसमें कोरोना संक्रमण के 'पीक' पर जाने, यानी अपने उच्चतम शिखर पर पहुंचने की आशंका नहीं है। यह लहर इसी तरह से कुछ हजार लोगों को बीमार करती रहेगी, और फिर क्रमशः शांत हो जाएगी। सवाल यह है कि हम अपनी शत-प्रतिशत आबादी को कोरोना से कैसे सुरक्षित करें? इसका एकमात्र जवाब है, उनके शरीर में कोरोना के खिलाफ एंटीबॉडी बनाकर, फिर चाहे वह संक्रमण से उबरकर बने या टीकाकरण द्वारा। चूंकि संक्रमण के बढ़ने की कामना नहीं की जा सकती, इसलिए अधिक से अधिक लोगों का टीकाकरण ही मुफीद रास्ता है। दूसरी लहर से खौफजदा लोग अभी टीके को लेकर उत्सुक भी हैं। लिहाजा सरकार देश के हर कोने में टीकों की उपलब्धता सुनिश्चित करे। संभव हो, तो इसके लिए टीकों की खरीदारी बढ़ाई जाए या कुछ अन्य टीकों के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दी जाए।

अभी देश की लगभग 45 फीसदी वयस्क आबादी को ही टीके की पहली खुराक मिल सकी है, जबकि दूसरी खुराक पाने वालों की संख्या इससे काफी कम बमुश्किल 13 फीसदी है। देश भर में टीकाकरण अभियान जरूर चल रहा है, लेकिन इसकी रफ्तार काफी धीमी है। टीकाकरण को गति देने के लिए ऐसी नीति बनाई जा सकती है कि जिनको एक बार कोरोना हो चुका है, उनको फिलहाल टीका न लगाकर जोखिम वाली तकरीबन 15 फीसदी आबादी का जल्द टीकाकरण हो। 'ब्रेक थ्रू इंफेक्शन' (पूर्णतः टीकाकरण के बाद भी वायरस की चपेट में आना) के मामले ज्यादा सामने आने के बावजूद इससे हम कोरोना से होने वाली मौत को काफी कम, लगभग नगण्य कर सकेंगे। अभी तक के शोध यही बताते हैं कि कोरोना जब अपना रूप बदलता है, तो इसका नया वेरिएंट लोगों को गभीर रूप से बीमार नहीं करता, बेशक वह फिर से संक्रमित कर दे। हालांकि, यह खतरा भी न रहे, इसके लिए जरूरी है कि संक्रमण के प्रसार को हम नियंत्रित कर लें। अभी संक्रमण की दर काफी कम है, इसलिए यदि टीकाकरण से हम लोगों के शरीर में एंटीबॉडी बना सके, तो कोरोना की अगली किसी लहर का हम प्रभावी रूप से सामना कर सकेंगे। अभी कोरोना-मुक्त भारत की संकल्पना नहीं की जा सकती। यदि दुनिया में एक भी संक्रमित मरीज है, तो पूरी मानव जाति पर समान रूप से खतरा बना रहेगा। हां, यह हो सकता कि संक्रमण की गति को थामने के लिए हम फिलहाल उन देशों से अपने संपर्क तोड़कर रखें, जहां मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हालांकि, यह कितना संभव हो सकेगा, इसका जवाब अभी ठीक-ठीक नहीं दिया जा सकता।

जाहिर है, हमें काफी सोच-समझकर कदम उठाना होगा। विकल्प के तमाम दरवाजे हमें खोलकर रखने होंगे। इजरायल जैसे देश 'बूस्टर डोज' देने लगे हैं। हमें यह देखना होगा कि क्या 'मिक्स्ड डोज' (एक खुराक कोवैक्सीन और दूसरी खुराक कोविशील्ड) देकर हम अपनी जरूरत पूरी कर सकते हैं? हम टीकाकरण की रूपरेखा भी बदल सकते हैं। मसलन, अभी 0.5 एमएल की इंट्रामस्क्युलर इंजेक्शन लोगों को दी जा रही है। इसका अर्थ है कि एक व्यक्ति को 0.5 एमएल की खुराक दी जाती है। नए शोध बताते हैं कि इंट्राडर्मल इंजेक्शन भी लगाए जाएं, तो महज 0.1 एमएल खुराक से हम समान लाभ उठा सकते हैं। यानी, 0.5 एमएल से हम पांच लोगों को टीका लगा सकेंगे। संक्रमण के प्रसार को थामने में यदि हम विफल रहते हैं, तो 'बूस्टर डोज' की जरूरत हमें भी हो सकती है। कोरोना का कोई भी नया वेरिएंट हमारी मुश्किल बढ़ा सकता है। इसलिए हमारे रणनीतिकारों को ऐसी नीति बनानी ही होगी कि कम से कम टीके से हम अपनी अधिक से अधिक आबादी को सुरक्षित कर लें।अभी ज्यादा दिन नहीं गुजरे हैं, जब अपने यहां कोरोना की आसन्न तीसरी लहर को लेकर चिंता जताई जा रही थी। कहा जा रहा था कि अगस्त के मध्य से यह लहर देश में दस्तक दे सकती है और इस बार बच्चों पर यह ज्यादा असरंदाज होगी। मगर नए आंकड़े इन आशंकाओं को कम करते दिख रहे हैं।

प्रवीण कुमार सिंह

आसानी से नहीं झुकेगा तालिबान, आर्थिक संकट के बावजूद विचारधारा से समझौता करने को नहीं तैयार

विषय हिंदू बनाम इस्लाम से जुड़ा हुआ है। यदि भारत को विश्वगुरु की भूमिका निभानी है तो ईसाई और इस्लाम मतों के साथ संवाद करना होगा। साझा समझ बनानी होगी। हमें एक तरफ ईरान और चीन के साथ सामरिक गठबंधन बनाना होगा और दूसरी तरफ इस्लाम और हिंदू धर्म के बीच संवाद स्थापित करना होगा। तभी हम इस मसले का सही समाधान निकाल सकेंगे। अमेरिका द्वारा तालिबान पर प्रतिबंध लगाकर आर्थिक दबाव बनाने की रणनीति के साथ खड़े होकर हम स्वयं को और गहरे संकट में डालेंगे।

बीते बीस वर्षों में अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह पश्चिमी मदद पर आश्रित हो गई थी। सरकार के बजट की 75 प्रतिशत रकम विदेशी मदद से मिल रही थी। तालिबान के कब्जे के बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, अमेरिकी सरकार और अन्य पश्चिमी देशों द्वारा अफगानिस्तान को आर्थिक मदद न देने से अफगानिस्तान निश्चित ही घोर आर्थिक संकट में घिरेगा। अफगानिस्तान के पास विकल्प भी नहीं दिखते हैं। विश्व में अफीम का 80 प्रतिशत उत्पादन अफगानिस्तान में होता है, लेकिन अनुमान है कि इससे तालिबान को मात्र 30 करोड़ डालर सालाना ही प्राप्त होते थे। तालिबान को इससे अधिक आय वैध व्यापार पर अवैध टैक्स वसूलने से होती थी। भारत के साथ विदेश व्यापार प्रतिबंधित करने से भी अफगानिस्तान की आर्थिक समस्याएं बढ़ेंगी। भारत अफगानिस्तान के माल का तीसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा है। अफगानिस्तानी फल, ड्राई फ्रूट और खनिज निर्यातकों की दिक्कतें बढ़ेंगी। अफगानिस्तान के पास कथित रूप से एक लाख करोड़ रुपये के खनिज संसाधन हैं। यदि उनके व्यापार से अफगानिस्तान को आय हो सकती थी तो बीते 20 वर्षों में उनके खनन में व्यापक वृद्धि हुई होती। खनन में वृद्धि का न होना यही बताता है कि उनके वाणिज्यिक उपयोग में अवरोध हैं।

उदाहरण के लिए चीन द्वारा 2007 में तांबे की खदान का अनुबंध किया गया था, जिससे आज तक उत्पादन शुरू नहीं हो सका है। अफगानिस्तान चारों तरफ से घिरा हुआ है। घरेलू अर्थव्यवस्था खोखली हो गई है। विदेशी मदद बंद हो चुकी है। अफीम का व्यापार सीमित है, विदेश व्यापार प्रतिबंधित है और खनिज पदार्थों का दोहन कठिन है। ऐसे में अफगानिस्तान में महंगाई का बढ़ना तय है। वहां से पूंजी का पलायन होगा

और आम अफगान के लिए हालात लगातार खराब होते जाएंगे।

तमाम आर्थिक संकट के बावजूद तालिबान के घुटने टेक देने के कोई आसार नहीं दिखते। हमारे सामने सीरिया, ईरान, उत्तर कोरिया, क्यूबा और वेनेजुएला के उदाहरण मौजूद हैं, जहां आर्थिक संकट के बावजूद लोगों ने कष्ट सहे, लेकिन घुटने नहीं टेके। इसलिए हमें किसी भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि आर्थिक संकट के कारण तालिबान अपनी विचारधारा से समझौता करने को तैयार हो जाएगा। विशेषकर इसलिए कि तालिबान धार्मिक उद्देश्यों से प्रेरित संगठन है। 2013 में अमेरिका के फारेन पालिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट के अध्ययन के अनुसार तालिबानी अपने मजहब की रक्षा के लिए मरने को तैयार हैं। वे वर्षों से लेकर दशकों तक युद्ध करने को संकल्पित हैं। 2014 के यूनाइटेड स्टेट्स इंस्टीट्यूट आफ पीस के अध्ययन के अनुसार तालिबान के कुछ प्रमुख मुद्दे सैन्य ताकत, जिहाद और अफगानिस्तान में इस्लामिक एमिरेट को स्थापित करना है। अपनी रणनीति बनाने के लिए हमें सामरिक दृष्टि से तालिबान की स्थिति को पाकिस्तान, ईरान, चीन और अमेरिका के दायरे में समझना होगा। तालिबान का पाकिस्तान से घनिष्ठ संबंध जगजाहिर है। पाकिस्तान की तरह तालिबान का एक उद्देश्य कश्मीर में दखल देना है। इसलिए पाकिस्तान हमारे विरुद्ध और तालिबान के साथ ही खड़ा रहेगा। ईरान की स्थिति भिन्न है। अफगानिस्तान मूल रूप से सुन्नी बहुल देश है। यहां शिया समुदाय की संख्या लगभग 20 प्रतिशत है। शियों पर लगातार अत्याचार किए जाते रहे हैं। ईरान शिया बहुल देश है। इसलिए ईरान का स्वाभाविक झुकाव तालिबान के विरुद्ध होगा। वह अपने अल्पसंख्यक शिया समुदाय की रक्षा करना चाहेगा। चीन के सामने दो परस्पर विरोधी उद्देश्य हैं। एक तरफ अफगानिस्तान को वह अपने बेल्ट एंड रोड कार्यक्रम में जोड़ना चाहेगा, जिससे वह अफगानिस्तान के खनिजों का दोहन कर सके। दूसरी तरफ उसे शिनजियांग क्षेत्र के मुस्लिम समुदाय में कट्टर विचारधारा के प्रसार पर भी नियंत्रण करना है।

इसलिए चीन चाहेगा कि अफगानिस्तान के साथ आर्थिक संबंध बनाए, लेकिन संभवतः वह गहरा संबंध नहीं बनाना चाहेगा। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को तालिबान नैतिक रूप से भ्रष्ट और अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानता है। चूंकि भारत के अमेरिका से घनिष्ठ संबंध है इसलिए भारत स्वतः तालिबान का दुश्मन बन जाता है। अमेरिका की आर्थिक ताकत विफल है। मौजूदा परिस्थिति में अमेरिका के साथ जुड़कर भी हमें लाभ नहीं मिलने वाला। वैसे भी अमेरिका का आर्थिक सूर्यास्त हो ही रहा है, जबकि चीन का आर्थिक सूर्योदय हो रहा है। तालिबान न तो आर्थिक संकट से टूटेगा और न ही अमेरिकी दबाव में आएगा। इस स्थिति में भारत को अमेरिका से हटकर ईरान के साथ मिलकर तालिबान-पाकिस्तान के गठबंधन को घेरने का प्रयास करना चाहिए। ईरान हमारे साथ हमारा सहयोग कर सकता है, क्योंकि उसे अफगानिस्तान में अपने शिया समुदाय की रक्षा करनी है। वहीं चीन को भी इस्लामिक कट्टरता से मुकाबला करना है।

हमारे सामने पहला विकल्प है कि अमेरिका के साथ सहयोग कर तालिबान की दुश्मनी मोल लें। इससे हम ईरान और चीन दोनों को ही कुपित करेंगे। तब हमारे सामने तालिबान-पाकिस्तान-ईरान-चीन की चौकड़ी दिखेगी। चीन यदि तालिबान को आर्थिक सहायता देगा तो हमें तालिबान का सामना करने में और मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। अतः हमें दूसरे विकल्प पर विचार करना चाहिए।

ऐसे में हमें अमेरिका के गठबंधन से अलग होकर ईरान और चीन के साथ समन्वय कर तालिबान-पाकिस्तान के विरोध में ईरान-चीन-भारत की तिकड़ी बनाने का प्रयास करना चाहिए। हमें इससे आगे भी सोचना है। विषय आर्थिक अथवा सैन्य स्तर पर समाप्त होता नहीं दिख रहा। विषय हिंदू बनाम इस्लाम से जुड़ा हुआ है। यदि भारत को विश्वगुरु की भूमिका निभानी है तो ईसाई और इस्लाम मतों के साथ संवाद करना होगा। साझा समझ बनानी होगी। हमें एक तरफ ईरान और चीन के साथ सामरिक गठबंधन बनाना होगा और दूसरी तरफ इस्लाम और हिंदू धर्म के बीच संवाद स्थापित करना होगा। तभी हम इस मसले का सही समाधान निकाल सकेंगे। अमेरिका द्वारा तालिबान पर प्रतिबंध लगाकर आर्थिक दबाव बनाने की रणनीति के साथ खड़े होकर हम स्वयं को और गहरे संकट में डालेंगे।

कांग्रेस की नजर में नेहरू महज एक तस्वीर के मोहताज

स्वाधीनता प्राप्ति के 74 साल पूरे होने पर चल रहे आजादी के अमृत महोत्सव के एक पोस्टर में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर नहीं लगाए जाने के मामले को कांग्रेस को कुछ ऐसे तूल दे रही है जैसे नेहरू को विस्मृति के गर्भ में धकेलने की कोई दुरभिसंधि हो रही है और पूरे देश को इससे आगाह करने और जगाने की जरूरत है। अगर मान भी लिया जाए कि कांग्रेस जिस चिंता में दुबली हुई जा रही है वह सही भी है तो क्या नेहरू अब महज एक तस्वीर के मोहताज रह गए हैं। कांग्रेस नेताओं द्वारा इस पर हंगामा खड़ा किए जाने पर पोस्टर जारी करने वाली भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (आइसीएचआर) ने स्पष्ट किया कि यह आखिरी पोस्टर नहीं है। आगामी पोस्टरों में नेहरू को स्थान दिया जाएगा।

दरअसल, ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस को नेहरू की तस्वीर हटाए जाने से ज्यादा परेशानी इस बात से हो रही है कि उसमें वीर सावरकर को शामिल किया गया है। कांग्रेस को कितनी बार याद दिलाना पड़ेगा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सावरकर के निधन पर उन्हें देश की उल्लेखनीय संतान कहकर संबोधित किया था। उनसे वैचारिक मतभेद होने के बावजूद वे उनका आदर करती थीं।

सवाल उठता है कि आखिर देशभर में जिस नेहरू के नाम पर सड़क, पार्क, स्टेडियम और विश्वविद्यालय से लेकर सुरंग तक का नामकरण किया गया है, वहां एक पोस्टर से उनके हट जाने से क्या हो गया। क्या कांग्रेस वाले भूल गए कि कैसे उन्होंने स्वतंत्रता के बाद अपनी दीर्घकालीन सत्ता के दौरान सिर्फ नेहरू-गांधी परिवार का नाम जपने का काम किया। एक समय ऐसा भी आया जब कांग्रेस नेता देवकांत बरूआ ने 1974 में घोषणा कर दी- इंडिया इज इंदिरा, इंदिरा इज इंडिया। हैरानी नहीं है कि 1975-77 में इमरजेंसी के दौरान वही बरूआ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर आसीन रहे।

कांग्रेस ने सोची-समझी रणनीति के तहत अपने शासनकाल में नेहरू-गांधी परिवार के अलावा स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े दूसरे महत्वपूर्ण लोगों को परदे के पीछे ले जाने का काम किया। यहां तक कि गांधी को भी सिर्फ मूर्तियों और समारोहों तक सीमित कर दिया। उन्होंने भारत में स्वराज का जो सपना देखा था, वह कतई ऐसा नहीं था, जिस पर नेहरू हमें ले गए। पहले कृषि का विकास करने के बजाय बड़े-बड़े उद्योगों की नीति बनाई गई। सरकार होटल चलाने से लेकर हवाई जहाज उड़ाने तक के काम करने लगी, जिनका संचालन प्रशासनिक अधिकारियों के हाथ में दे दिया गया। नतीजा यह हुआ कि ये देश की प्रगति का माध्यम बनने के बजाय नेता और नौकरशाही की आरामगाह बनकर रह गए।

दूसरी तरफ आयात पर निर्भरता की नीति अपनाई गई जिससे देश की प्राकृतिक क्षमता का दोहन नहीं हो पाया और हम धीरे-धीरे हर चीज के लिए विदेश पर निर्भर रहने लगे। हमारे साथ या हमारे बाद स्वतंत्र हुए कई एशियाई पड़ोसी देश निर्यात की नीति अपनाकर हमसे काफी आगे निकल गए। नेहरू ने यह सब पश्चिम के प्रभाव में किया, क्योंकि उनकी शिक्षा-दीक्षा पश्चिम में हुई थी। वह यह नहीं समझ पाए कि पश्चिमी देशों की जिस औद्योगिक उन्नति को वे अपने देश में रोपना चाहते हैं उसे प्राप्त करने के लिए उन देशों ने पहले कृषि विकास का रास्ता पार किया है। भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में बुनियादी सुविधाओं को विकसित किए बिना औद्योगिक विकास पर जोर देने की नीति विफल होनी ही थी।

कांग्रेस चाहे जितनी कोशिश कर ले, लेकिन देश में नेहरू की यही छवि है कि वे एक रूमानी साम्यवादी नेता थे। पंथनिरपेक्षता के नाम पर अल्पसंख्यकों के संरक्षण और वोट की राजनीति को बढ़ावा देने वाले नेहरू ही थे। अंग्रेजों की शिक्षा नीति को जारी रखते हुए कम्युनिस्टों के नजरिये से इतिहास लिखवाकर देश में हीनता की भावना भरने वाले वही थे। चीन की चालबाजियों से आंखें मूंद देश को सामरिक रूप से कमजोर करने वाले भी वही थे। वह न तो देश को सही दिशा दे पाए और न ही पार्टी को। जब तक रहे तब तक सब ठीक रहा, लेकिन उनके निधन के बाद इंदिरा गांधी और फिर राजीव गांधी ने सत्ता संभाली, परंतु परिवारवाद के कारण पार्टी धीरे-धीरे कमजोर होती गई।

दरअसल, कांग्रेस कभी एक पार्टी थी ही नहीं। इसलिए गांधीजी ने आजादी के बाद इसे समाप्त करने का सुझाव दिया था। अंग्रेजी के शब्द कांग्रेस का मतलब जुटान होता है। यह आजादी हासिल करने के लिए विभिन्न राजनीतिक मत वाले मतवालों का जुटान था, जो एक मंच पर खड़े होकर लड़े और देश को स्वतंत्र कराने में सफल हुए। अब यह मंच वीरान सा हो गया है।

फिर याद आए पटेल

बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व का गुजरात में मुख्यमंत्री बदलने का फैसला जितना चौंकाने वाला था, उतना ही आश्चर्यजनक रहा इस पद के लिए भूपेंद्र पटेल का चयन। पटेल पहली बार इसी विधानसभा के लिए चुने गए थे। वहीं, उत्तराखंड और कर्नाटक के बाद गुजरात तीसरा बीजेपी शासित राज्य है, जहां हाल-फिलहाल मुख्यमंत्री बदला गया। यहां अगले साल के आखिर में विधानसभा चुनाव हैं। इसलिए इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यह कदम किसी भी सत्ता विरोधी लहर की आशंका को पूरी तरह खत्म करने के लिए उठाया गया है। खासतौर पर कोविड को लेकर लोग रूपाणी सरकार से नाराज थे। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान कथित तौर पर मृतकों की संख्या कम करके बताए जाने, दवाओं की कमी और स्वास्थ्य ढांचे की अपर्याप्तता की खबरों के बीच प्रदेश पार्टी अध्यक्ष और रूपाणी के बीच तालमेल की कमी भी सुर्खियों में रही थी। ऐसे में नेतृत्व परिवर्तन का यह फैसला एक तीर से दो शिकार करने का प्रयास कहा जा सकता है। नए मुख्यमंत्री पटेल समुदाय से हैं। यह समुदाय अरसे से बीजेपी समर्थक और पार्टी की हिंदुत्व की राजनीति का आधार रहा है।

पटेल पिछले कुछ वर्षों से बीजेपी से नाराज चल रहे थे। खासतौर पर सूरत निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी को मिले समर्थन के बाद बीजेपी को लगा कि उसे पटेलों को गोलबंद करना जरूरी है। इसलिए भूपेंद्र पटेल को नया सीएम बनाया गया है। यह फैसला सत्ताधारी पार्टी की रणनीति में एक और बदलाव की ओर इशारा करता है।

गुजरात में विजय रूपाणी, महाराष्ट्र में गैर-मराठा देवेंद्र फड़णवीस, हरियाणा में गैर-जाट मनोहर लाल और झारखंड में गैर-आदिवासी रघुबर दास को मुख्यमंत्री बनाकर बीजेपी ने पहले संदेश दिया था कि वह प्रदेश राजनीति में दबदबा रखने वाली जाति का मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी। इसके पीछे एक दलील तो यह थी कि वह जात-पात की राजनीति को बढ़ावा नहीं देना चाहती।

दूसरी बात यह कि प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता पर सवार बीजेपी को अन्य कारकों की ज्यादा चिंता करने की जरूरत महसूस नहीं हो रही थी। मगर बदले हालात में कर्नाटक में येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटाने के बाद उनके लिंगायत समुदाय से ही अगला मुख्यमंत्री चुना जाना और फिर गुजरात में पटेल समुदाय का मुख्यमंत्री बनाया जाना बताता है कि बीजेपी भी राजनीति के प्रचलित और समयसिद्ध फॉर्मूलों की एक हद से ज्यादा अनदेखी करने के मूड में नहीं है। संभव है कि विपक्ष इसे मोदी फैक्टर का असर घटने और पिछली बीजेपी सरकार की नाकामी के सबूत के रूप में पेश करना चाहे, लेकिन राजनीति में कामयाबी से बड़ी कोई कसौटी नहीं होती। बीजेपी की भी इस नई रणनीति की सार्थकता अगले विधानसभा चुनावों में ही साबित होनी है।

अफगानिस्तान पर भारत को चलना होगा सही दांव- कूटनीति का यही तकाजा, अवसरों को भुनाया जाए

अफगानिस्तान में भारत के रणनीतिक हितों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरी तरह सजग हैं। इन्हीं हितों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने दोहा में भारतीय राजदूत को तालिबान के प्रतिनिधि मोहम्मद अब्बास से मुलाकात के लिए कहा। इस बैठक ने भारत को अवसर दिया कि वह तालिबान को उसे उसकी मर्यादा रेखा के बारे में बताए। तालिबान का दावा है कि वह अफगान पहले हैं और उन्हें पाकिस्तानी पिट्ठू नहीं समझा जाना चाहिए। इन बयानों को वास्तविकता के धरातल पर परखना होगा। मोदी सरकार को तालिबान के साथ तत्परता से आगे बढ़ना चाहिए। भारत में इस मुद्दे का राजनीतिकरण भी नहीं किया जाना चाहिए।

पाकिस्तान की मदद से तालिबान ने अफगान गणराज्य के विरुद्ध जंग जीत ली। पंजशीर में कड़ा प्रतिरोध झेलने के बाद भी अफगानिस्तान के करीब-करीब सभी हिस्सों पर उसका कब्जा हो गया है। जब तक गैर-पश्तून लोग विद्रोह नहीं करते तब तक तालिबान के इस वर्चस्व को कोई चुनौती मिलने से रही। फिलहाल गैर-पश्तूनों की ओर से ऐसे कोई संकेत नहीं मिले हैं। वहीं, तालिबान अब स्थायित्व की तलाश में है। इसका पहला चरण तो ऐसी सरकार बनाना है, जिसे अफगान जनता और अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से स्वीकार्यता मिल जाए। काबुल पर कब्जा किए हुए तीन हफ्ते गुजरने के बाद भी तालिबान नेताओं के आंतरिक मतभेद और कबीलाई प्रतिद्वंद्विता सरकार गठन की राह में बड़ी बाधा बने हुए थे।

इस गतिरोध को दूर करने के लिए ही पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ के मुखिया फैज हमीद को काबुल में डेरा डालना पड़ा। वर्ष 1994 में अपनी स्थापना से लेकर अब तक तालिबान को आइएसआइ से ही ताकत मिलती रही है। नवंबर 2001 में जब तालिबानी नेताओं को अफगानिस्तान से बेदखल होना पड़ा, तो पाकिस्तान ने न केवल उन्हें शरण दी, बल्कि उनका पूरा ख्याल भी रखा। अनुमान है कि एक पखवाड़े के भीतर तालिबान सरकार आकार ले लेगी, अन्यथा उसके धड़ों में खींचतान और तेज होती जाएगी। तालिबान और पाकिस्तान दोनों में से कोई भी ऐसी स्थिति नहीं चाहेगा।

तालिबान के बदले हुए रवैये की भी चर्चा हो रही है। जैसे कि उसने मौजूदा सत्र में सभी लड़कियों को पढ़ने की अनुमति दी है। पिछली सदी के अंतिम

दशक के मुकाबले इस मोर्चे पर उसके सोच में परिवर्तन दिखता है। हालांकि, वे लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग स्कूल एवं कालेजों पर जोर दे रहे हैं। वैसे यह कोई नया चलन नहीं, क्योंकि कई इस्लामिक देशों में यही व्यवस्था है। स्वाभाविक है कि किसी एक फैसले से उनके शासन को लेकर कोई पुख्ता धारणा नहीं बनाई जा सकती, परंतु उसमें कुछ लचीलापन जरूर दिखता है। यदि तालिबान ने ऐसा ही रुख दिखाना जारी रखा तो केवल चीन और रूस ही नहीं, बल्कि और भी देश धीरे-धीरे उनकी सरकार को मान्यता प्रदान करने लगेंगे।

काबुल में तालिबान सरकार के वजूद में आने से भारत के सामरिक एवं आर्थिक हितों पर उसके प्रभाव को लेकर मोदी सरकार को गहन आकलन करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि पाकिस्तान अफगान परिदृश्य से भारत को बाहर कर उसे भारत के खिलाफ इस्तेमाल करने की तिकड़म करेगा। वैसे इसके आसार कम हैं कि तालिबान सरकार अफगान परिदृश्य से भारत को पूरी तरह बाहर करने जैसा कोई कदम उठाएगी। सुरक्षा मोर्चे पर भारत को तालिबान को यह संदेश देना होगा कि उसे कभी स्वीकार्य नहीं होगा कि तालिबानी भारत के खिलाफ हथियार उठाएं या फिर अफगान धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी तत्वों को खाद-पानी देने के लिए किया जाए। जम्मू-कश्मीर को लेकर भारत का मिजाज बिगाड़ने वाले तालिबानी प्रलाप के बावजूद ऐसी गुंजाइश कम ही दिखती है कि तालिबान भारत के खिलाफ कोई शत्रुता का भाव रखे। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि भारत संतुष्ट होकर बैठा रहे। भारत को पूरी एहतियात बरतते हुए जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा ढांचे को और सशक्त बनाना चाहिए।

पिछले कई दशकों से पश्चिमी सीमा पर चीनी गतिविधियां भारत के लिए समस्या खड़ी करती आई हैं। अब तालिबान के उभार से इन समस्याओं में इजाफा हुआ है। चीन भारत की पश्चिमी सीमा पर भारत के खिलाफ गठजोड़ बनाने में जुटा है। वह अपनी बेल्ट एंड रोड एनिशिएटिव योजना के जरिये इन देशों को जोड़ रहा है। वह इन देशों में रणनीतिक निवेश भी कर रहा है, ताकि उनकी प्राकृतिक संपदा का दोहन कर सके। पाकिस्तान, ईरान से लेकर मध्य एशियाई देशों में चीन इसी रणनीति को विस्तार दे रहा है। उसने अफगानिस्तान को भी निशाना बनाया, लेकिन बीते 20 वर्षों में वहां की सरकार अपनी विकास गतिविधियों और खनिज संपदा के उत्खनन में भारत के सहयोग को वरीयता दे रही थी। अफगानिस्तान में सड़कें बनाने के साथ ही भारत ने वहां तक बेहतर पहुंच के लिए ईरान में चाबहार बंदरगाह भी विकसित किया। चूंकि भारत के यहां बड़े रणनीतिक हित दांव पर लगे हुए हैं इसी कारण चीन और पाकिस्तान उसे इस क्षेत्र से बाहर करने पर तुले हैं। ऐसे में यह समय की मांग है कि अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति को समग्रता से समझा जाए।

हमारे राष्ट्रीय हितों की यही मांग है कि अफगानिस्तान में तालिबान की जीत के कारणों और निहितार्थों की सही पड़ताल की जाए, ताकि अनुकूल नीतियां बनाई जा सकें। यकायक हुए परिवर्तन पर भावावेश में आकर कुछ करने के बजाय शांत एवं संयत रवैया आवश्यक है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत ने जिस प्रकार अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में रचनात्मक भूमिका निभाई, उसे देखते हुए अफगान गणतंत्र के पतन से भारत में लोग आक्रोशित हैं। तालिबान की कट्टर विचारधारा के कारण यह समझ आता है। इस तथ्य को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि तालिबान के कुछ धड़ों ने भारतीयों के खिलाफ हमले किए, जिनमें कई की जान भी गई। कुछ लोग तालिबान की पाकिस्तान से नजदीकियों पर कुपित हैं। यकीनन पाकिस्तानी सहयोग के बिना तालिबान की मौजूदा सफलता संभव नहीं थी। साथ ही यह न भूला जाए कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में कुछ भी स्थायी नहीं।

इतिहास साक्षी है कि जो आज दोस्त है, वह भविष्य में दुश्मन बन सकता है या फिर इसके उलट हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों की प्रत्येक परिस्थिति में एक अवसर भी छिपा होता है। कूटनीति का यही तकाजा है कि अवसरों को भुनाया जाए। अफगानिस्तान में भारत के रणनीतिक हितों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरी तरह सजग हैं। इन्हीं हितों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने दोहा में भारतीय राजदूत को तालिबान के प्रतिनिधि मोहम्मद अब्बास से मुलाकात के लिए कहा। इस बैठक ने भारत को अवसर दिया कि वह तालिबान को उसे उसकी मर्यादा रेखा के बारे में बताए। तालिबान का दावा है कि वह अफगान पहले हैं और उन्हें पाकिस्तानी पिट्ठू नहीं समझा जाना चाहिए। इन बयानों को वास्तविकता के धरातल पर परखना होगा। मोदी सरकार को तालिबान के साथ तत्परता से आगे बढ़ना चाहिए। भारत में इस मुद्दे का राजनीतिकरण भी नहीं किया जाना चाहिए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

घाटे की मार झेल रही रोडवेज की वॉल्वो बस सेवा का संचालन बंद, वाराणसी से लखनऊ की यात्रा प्रभावित

वाराणसी । घाटे की मार झेल रही वॉल्वो बस सेवा का संचालन अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। इसके अंतर्गत शुक्रवार को वाराणसी - लखनऊ वॉल्वो बस सेवा का संचालन निरस्त रहा। ऐसे में कैंट बस स्टेशन से लखनऊ जाने वाले यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। यहां से संचालित लग्जरी बस स्कैनिया को दो साल पहले ही से ही बंद चल रही है। अब वॉल्वो बस सेवा बंद होने से यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई है। विभागीय अधिकारियों की माने तो इन बसों के संचालन से घाटे की वजह से लग्जरी बसों का अनुबंध 31 अगस्त 2021 को खत्म कर दिया गया। ऐसे में ये बस सेवाएं बंद करनी पड़ीं। जल्द ही नई शर्तों के साथ वॉल्वो, स्कैनिया बसों का अनुबंध करेंगे, ताकि दीपावली के पहले इन बसों का संचालन फिर शुरू किया जा सके। इधर, वॉल्वो बस सेवा बंद होने की सूचना मिलते ही ऑनलाइल टिकट की बुकिंग भी बंद हो गई है। गौर करने वाली बात यह है कि पार्ट्स के अभाव में रोडवेज की अधिकतर गाड़िया वर्कशॉप में धूल फांक रही है, इस दौरान वॉल्वो बस सेवा पर ब्रेक लगाना कितना उचित साबित होगा। यूपीएसआरटीसी के जनसंपर्क अधिकारी अनवर अंजार ने बताया कि घाटे से उबरने के लिए प्रबंधन ने फिलहाल वॉल्वो बस सेवा बंद रखने का निर्णय लिया है। अब पर्यटन का सीजन शुरू होने के बाद वॉल्वो बस सेवा का दौर भी शुरू होने की उम्मीद अक्टूबर से है। लक्जरी वाहनों का सफर करने वालों की कमी नहीं रही है, लेकिन कोरोना काल में किराया बढ़ने के बाद से लक्जरी वाहनों का सफर करने वालों में कमी आई है। हालांकि, अब कोरोना काल का दूसरा दौर खत्म होने के बाद लोगों ने सफर करना कम किया है। वहीं महंगा सफर करने वालों की रुचि कम होने के बाद यात्री कम हो चले थे। माना जा रहा है कि अब पर्यटन का दौर शुरू होने के बाद ट्रेनों में कम सीट होने का फायदा बसों को मिलेगा। इसके लिए अक्टूबर का इंतजार रोडवेज करने जा रहा है।

पश्चिम चंपारण में कृषि विज्ञान केंद्र ने चलाया फलों, सब्जियों एवं मोटे अनाज उत्पादन का अभियान

पश्चिमी चंपारण । डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा द्वारा संचालित जिले के नरकटियागंज कृषि विज्ञान केंद्र ने पौधारोपण एवं उनका पोषण अभियान शुरू किया है। प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर शुरू किए गए इस अभियान में फलों सब्जियों के साथ मोटे अनाज की पौष्टिकता को केंद्र बिंदु में रखा गया है। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ आरपी सिंह ने बताया कि सब्जियों एवं मोटा अनाज में पौष्टिकता अधिक होती है। उन्हें उपजाने में भी अपेक्षाकृत सहूलियत होती है। बताया कि देश में आलू, टमाटर, बैंगन, मिर्च, पत्ता गोभी, फूलगोभी, कद्दू वर्गीय सब्जियों की खेती होती है, जिनमें अधिक मात्रा में विटामिंस, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, इत्यादि पाए जाते हैं जो हमारी पोषण व्यवस्था के लिए अत्यधिक लाभदायक हैं। कार्यक्रम में प्रखंड उद्यान विकास पदाधिकारी विकास कुमार सिंह, अमरदीप राई, प्राचार्य अशोक कुमार पांडेय, रतीश रंजन, जीविका पदाधिकारी मानसी कुमारी, सतीश कुमार ने प्रतिभाग किया। प्रखंड उद्यान विकास अधिकारी विकास कुमार सिंह ने पौधों, सब्जियों की उपयोगिता एवं उनकी पोषण महत्व को विस्तार से बताया। बताया की प्रतिदिन 300 ग्राम सब्जियों का सेवन अवश्य करना चाहिए। घर के पास पोषण वाटिका तैयार कर उच्च गुणवत्ता युक्त सब्जियों को उगाया जा सकता है।

जीविका पदाधिकारी सतीश कुमार ने पोषण व्यवस्था एवं अधिक से अधिक पौधे लगाने की उपयोगिता पर जोर दिया। मानसी कुमारी ने भी महिलाओं को विस्तार से पोषण व्यवस्था को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में 150 प्रतिभागी शामिल हुए जिसमें 75 से अधिक स्कूली बालिकाओं एवं जीविका बहनें शामिल रही। प्रगतिशील कृषकों में शिव आनंद साह, कमलेश साह, बुद्धन पासवान, दिनेश राम, केंद्र के ओएन झा, अशोक कुमार बैठा, राम आशीष कुमार सिंह, आलोक कुमार सिंह, नितेश कुमार, रोशन कुमार, जय शंकर कुमार आदि शामिल रहे। मोटे अनाज की खेती पर दिया गया बल- कृषि वैज्ञानिक डॉ आरपी सिंह ने बताया कि यहां ज्वार, बाजरा, मक्का, मडुआ, सावा, कोदो, चीना, क़ौनी इत्यादि की खेती करीब 50 साल पहले अधिक मात्रा में होती थी, जो हमारे खाने की परंपरा का महत्वपूर्ण अंग था। साठ के दशक में आई हरित क्रांति के बाद हम सभी ने अपनी थाली में चावल एवं गेहूं को सजा लिया और मोटे अनाजों को अपनों से दूर कर दिया, जबकि आज पूरी दुनिया उसी मोटे अनाज की तरफ पुनः वापस लौट रही है। बदलाव हो रहा है। बाजार में मोटे अनाज वाले उत्पाद और मल्टीग्रेन आटे की मांग बढ़ रही है। ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और शुगर का लेवल संतुलित बनाए रखने के लिए मोटा अनाज अमीरों और शहरी मध्य वर्ग के भोजन का अनिवार्य हिस्सा बन गया है।

वितरित किए गए फलों और सब्जियों के पौधे–कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के बीच पोषण युक्त सौ पैकेट बीज का वितरण किया गया। इसके अलावा मिर्च, टमाटर, अमरूद, आदि के 15 सौ पौधे और बीज के पैकेट बांटे गए। कृषि विज्ञान केंद्र में नींबू, आंवला, अमरुद, बेर समेत कई फलों के उच्च गुणवत्ता युक्त पौधे लगाए गए। इसका लाभ बाद में क्षेत्र के लोगों उच्च गुणवत्ता युक्त बीज के रूप में प्राप्त होगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से प्राप्त सब्जी बीजों को उपस्थित छात्राओं और जीविका दीदियों के बीच वितरित किया गया।

अब आयकर विभाग उठा रहे देश को प्रदूषण रहित बनाने का जिम्मा, पूरे देश में लगा रहे है 75 हजार पौधे

धनबाद । पेड़ कट रहे है मगर लग नहीं रहे है, प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। यह हाल सिर्फ धनबाद का नही बल्कि पूरे देश का है। इसको ठीक करने का जिम्मा अब आयकर विभाग ने उठाया है। भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर मनाए जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत आयकर विभाग के द्वारा पूरे भारत वर्ष में 75 हजार से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस कार्यक्रम के तहत शनिवार को धनबाद आयकर कार्यालय व आयकर के आवसीय कॉलोनी में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। लगभग 200 पौधे लगाकर आयकर विभाग ने लोगों को यह संदेश दिया है कि पेड़ बचाने से ही यह धरती बची रहेगी। इस मौके पर डीआरएम आशीष बंसल, आइआइटी आइएसएम निदेशक राजीव शेखर, आयकर आयुक्त आरके विश्वकर्मा मुख्य रुप से मौजूद रहे। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में उप आयकर आयुक्त बीके सिंह, सहायक आयकर आयुक्त शशि रंजन, आयकर अधिकारी रंजन कुमार गर्ग, आयकर अधिकारी रामधीन रविदास, अशोक कुमार, प्रभाकर प्रसाद, देवंती दास, अभिषेक कुमार, विनोद कुमार पाठक, आरके चौधरी, राकेश कुमार, नीतेश कुमार, पुनीत कुमार ने अहम भुमिका निभाई।

कोरोना ने सिखाया प्रकृति से खिलवाड़क्क नहीं- पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान मौजूद आयकर आयुक्त ने कहा कि कोरोना ने लोगों को सिखा दिया है कि प्रकृति से कभी खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। लोग लगातार प्रकृति को नुकसान पहुंचा रहे है। ऐसे में अब हम लोगों को मिलकर यह जिम्मा उठाना है कि पेड़ लगाकर अपनी धरती को बचाएं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया कानपुर एवं आगरा मेट्रो की प्रथम प्रोटोटाइप ट्रेन का वर्चुअल अनावरण

गोरखपुर । उत्तर प्रदेश को अपने मुख्यमंत्रित्व काल में विकास की राह पर सरपट दौड़ाने को आतुर योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रदेश को बड़ी सौगात दी। ताजनगरी आगरा तथा कानपुर के लिए यह तोहफा काफी बहुमूल्य तथा उपयोगी है।

सीएम योगी आदित्यनाथ शुक्रवार दोपहर से अपनी कर्मभूमि गोरखपुर के दौरे पर हैं। शनिवार को नित्य क्रिया पूजा-पाठ, गौ-सेवा तथा जनता दर्शन के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर के प्रांगण में बने अपने कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कानपुर और आगरा मेट्रो की प्रथम प्रोटोटाइप ट्रेन का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने उम्मीद जताई की यह मेट्रो ट्रेन आगरा तथा कानपुर के विकास का मील का पत्थर साबित होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत उल्लास का क्षण है। मुझे प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि देश की सबसे बड़ी आबादी का राज्य, उत्तर प्रदेश आज अपने चार शहरों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की इस बेहतरीन सुविधा का संचालन करने के लिए प्रयासरत है। वास्तव में मेट्रो जैसा सुरक्षित और आरामदायक पब्लिक ट्रांसपोर्ट आज की आवश्यकता है। कानपुर एवं आगरा मेट्रो की प्रथम प्रोटोटाइप ट्रेन के वर्चुअल अनावरण के अवसर पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम में एक बेहतरीन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए यूपी मेट्रो कारपोरेशन और मेसर्स एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड के पदाधिकारियों को मैं बधाई देता हूं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अभी प्रदेश में लखनऊ, गाजियाबाद, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में मेट्रो सेवा संचालित है। वर्तमान में कानपुर और आगरा में मेट्रो की पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवा को उपलब्ध कराने के लिए यूपी मेट्रो रेल कारपोरेशन युद्ध स्तर पर कार्य कर रहा है। गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, झांसी और मेरठ में भी मेट्रो की सेवा के लिए या तो डीपीआर भेजी जा चुकी है या फिर यह प्रक्रिया अंतिम स्थिति में है। शीघ्र ही इन शहरों में भी पब्लिक ट्रांसपोर्ट की इस बेहतरीन सेवा को उपलब्ध कराने की स्थिति में होंगे। उन्होंने कहा कि कोरोना कालखंड में यूपी मेट्रो रेल कारपोरेशन की बिना रुके, बिना थके, बिना डिगे की कार्यपद्धति सभी ने देखी है। यही कारण है आगामी 30 नवंबर के आस-पास हम कानपुर मेट्रो रेल राष्ट्र को समर्पित करने की स्थिति में होंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयास होगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों से इसका शुभारंभ कराया जाए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मेट्रो रेल सेवा से अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना भी साकार हो रही है। मुख्यमंत्री ने आगरा व कानपुर मेट्रो के प्रथम प्रोटोटाइप ट्रेन के वर्चुअल अनावरण के दौरान वड़ोदरा से जुड़े यूपी मेट्रो रेल कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक, मेसर्स एचटाम इंडिया ट्रांसपोर्ट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक समेत सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को इसके लिए बधाई भी दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मेट्रो

पब्लिक ट्रांसपोर्ट का बेहतरीन माध्यम है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि वड़ोदरा के उपक्रम में कोविड काल की प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद प्रथम प्रोटोटाइप ट्रेन को समय से पहले उपलब्ध कराया गया है।

लंबे समय के इंतजार के बाद आखिर शनिवार सुबह गुजरात के सामली प्लांट से कानपुर मेट्रो के तीन कोच रवाना हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुबह गोरखपुर से ही वर्चुअल तरीके से हरी झंडी दिखाकर कोच को प्लांट से रवाना किया। यह कोच अगले 10 से 12 दिन में कानपुर में पॉलिटेक्निक स्थित डिपो पहुंच जाएंगे। वहां अगले कुछ दिन इनकी असेंबलिंग होगी। उसके बाद पॉलिटेक्निक स्थित डिपो में ही उनका परीक्षण किया जाएगा। मेट्रो को पॉलिटेक्निक के अंदर बनाए गए ट्रैक पर ही इन्हें चला कर देखा जाएगा और इसे अधिकतम 90 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड पर इसका परीक्षण होगा।

आगरा मेट्रो में होंगे दो कॉरिडोर

ताजनगरी आगरा में आगरा मेट्रो रेल परियोजना में दो कॉरिडोर होंगे। यह दोनों शहर के बीचों बीच से गुजरेंगे और ताजमहल, आगरा किला और सिकंदरा के साथ-साथ आईएसबीटी, राजा की मंडी रेलवे स्टेशन, मेडिकल कॉलेज, आगरा छावनी रेलवे स्टेशन समेत कई प्रमुख पर्यटन स्थलों को जोड़ेंगे। इसमें सिकंदरा से ताज ईस्ट गेट की लंबाई 14.00 किमी है और इसमें 13 स्टेशन है। जिनमें छह एलिवेटेड़ और 7-अंडरग्राउंड शामिल हैं। आगरा कैंट से कालिंदी विहार कॉरिडोर की लंबाई 15.40 किमी है, जिसमें सभी 14 स्टेशन एलिवेटेड हैं। आगरा मेट्रो रेल परियोजना से शहर की लगभग 20 लाख आबादी के लाभान्वित होने की संभावना है।

कानपुर के दो कॉरिडोर में 30 स्टेशन

पूरब के मैनचेस्टर कानपुर में कानपुर मेट्रो में दो कॉरिडोर का निर्माण काम तेजी से चल रहा है। कॉरिडोर -1 का प्राथमिकता वाला भाग दिसंबर 2021 से शुरू होने की उम्मीद है। यह दुनिया में सबसे तेजी से बनने वाली और कमीशन वाली मेट्रो प्रणाली होगी। फेज- 1 में आइआईटी कानपुर से नौबस्ता तक पहले कॉरिडोर पर 22 मेट्रो स्टेशन और एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी से बर्रा 8 तक दूसरे कॉरीडोर पर 8 मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे।

सुल्तानपुर में बिजली के शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, मां-बेटे की झुलसकर मौत

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में गांव में शुक्रवार रात बिजली की शॉर्ट सर्किट से घर में आग लगने से कमरे के अंदर सो रहे मां-बेटे की झुलसकर मौत हो गई. मां-बेटे की मौत से गांव में कोहराम मच गया. पुलिस मामले की छानबीन करने में जुटी है. गांव के रहने वाले सुबराता (50) अपने बेटे सूरज यादव (20) के साथ खाना खाकर कमरे में सो रही थी. देर रात बिजली की शॉर्ट सर्किट से कमरे में आग लग गई. आग की चपेट में आने से मां-बेटे की झुलसकर मौत हो गई.

दरअसल, ये मामला सुल्तानपुर जिले में धनपतगंज थाना क्षेत्र के पूरे रघुवीर मजरे सुखबड़ेरी गांव का है. पुलिस अधिकारी के मुताबिक सुख बड़ेरी गांव में बीते शुक्रवार देर रात लगभग 3 बजे कन्हैया लाल के घर में आग लग गई, जिससे घर में सो रहे मां-बेटे आग की चपेट में आ गए और दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. उन्होंने बताया कि मृतकों की शिनाख्त कन्हैया लाल की पत्नी सुब्रता (50) और बेटा सूरज (25) के तौर पर की गई है. घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया गया.

बिजली की शॉर्ट सर्किट से लगी आग- डीएसपी

उन्होंने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है. पुलिस ने शवों को कब्जें में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. इसके साथ ही मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है. हालांकि स्थानीय गांव वालों ने कहा कि इस हादसे की जानकारी गांव वालों को सुबह करीब 4 बजे घर से धुआं उठता देखने के बाद हुई. ग्रामीणों ने जब कमरा खोला तो मां-बेटे का झुलसा शव मिला. कमरे का सारा सामान जलकर राख हो गया था. बची-खुची आग गांव वालों और दमकल कर्मियों ने मिलकर बुझाई. इस हादसे के मौके पर पहुंचे डीएसपी ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. आग बिजली की शॉर्ट सर्किट से लगी है.

पति की 2 महीने पहले हो चुकी है मौत

बता दें कि मृतका सुबराता के पति कन्हैया लाल की मौत बीमारी के चलते बीते 2 महीने पहले हो गई थी. मृतका के चार बेटों में बड़ा दीपक (30) पत्नी और बच्चों के साथ चंडीगढ़ में रहता है. साथ ही दूसरे बेटे सोनू (25) की दिमागी हालत ठीक नहीं है. वह घटना के समय घर के बाहर लेटा हुआ था. तीसरा बेटा राहुल कुछ दिनों से घर से लापता चल रहा है. वहीं, चौथा बेटा सूरज अपनी मां के साथ कमरे में सोया हुआ था.

चिराग पासवान के नए दांव से दूर हो जाएगा लोजपा के अध्यक्ष का भ्रम, बिहार में तय होगा असली कौन

पटना। राम विलास पासवान के निधन के बाद उनकी पार्टी लोजपा सियासत और परिवार के दोहरे संकट से गुजर रही है। यूं तो राम विलास ने खुद के रहते चिराग पासवान को पार्टी का अध्यक्ष घोषित कर दिया था, लेकिन उनके निधन के साल भर के अंदर पार्टी पर असली हक की लड़ाई सड़क पर आ गई। अब हालत यह है कि चिराग पासवान खुद को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताते हैं और उनके चाचा पशुपति पारस भी। बतौर लोजपा सांसद पशुपति पारस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में भी शामिल हो चुके हैं। लेकिन, पार्टी का असली राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन है, ये अब जल्द ही साफ होने की उम्मीद बन गई है।

बिहार विधानसभा की दो सीटों का उप चुनाव करेगा फैसला–

दरअसल, चिराग पासवान ने बिहार विधानसभा की दो सीटों पर होने वाले उप चुनाव में अपनी पार्टी का प्रत्याशी देने का ऐलान किया है। अगर वे ऐसा करते हैं तो यह पता चल जाएगा कि लोजपा पर असली हक किसका है। यह साफ और सर्वविदित है कि बतौर एनडीए का हिस्सा चिराग के चाचा पशुपति पारस केंद्रीय मंत्रिमंडल में मंत्री हैं। वे बिहार की सरकार में भी अपनी पार्टी की इंट्री की कोशिश में जुटे हैं, हालांकि इसमें दिक्कत यह है कि उनके पास बिहार में न तो कोई विधायक है और न ही कोई विधान पार्षद। उम्मीद जताई जा रही है कि वे विधान परिषद के रास्ते बिहार की सरकार में शामिल होने की कोशिश करेंगे।

पशुपति पारस शायद ही बिहार विधानसभा की दो सीटों के लिए हो रहे उप चुनाव में जदयू के खिलाफ प्रत्याशी देने पर सहमत हों। ऐसे में अगर चिराग अपने स्तर से अगर प्रत्याशी देने का फैसला लेते हैं तो यह बड़ा सवाल सामने आएगा कि क्या वे किसी नेता को लोजपा का सिंबल देने में सक्षम हैं। जाहिर है पशुपति पारस का खेमा इसका विरोध करेगा। चिराग ने इससे पहले अपने चाचा के खेमे को लोजपा का नाम और चुनाव चिह्न नहीं इस्तेमाल करने की नसीहत दी थी। अब अगर वे अपने चाचा की मर्जी के बगैर किसी नेता को उप चुनाव के लिए चुनाव चिह्न देते हैं तो दोनों गुटों में टकराव तय है। ऐसे में फैसला चुनाव आयोग पर निर्भर करेगा। चुनाव आयोग किसे लोजपा का अध्यक्ष मानता है, यह सामने आ जाएगा।

लोकसभा में चिराग के दावे को नहीं मिली है मान्यता–लोजपा के निर्वाचित प्रतिनिधियों की बात करें तो ऐसे नेता केवल लोकसभा में मौजूद हैं। राज्यसभा में इस पार्टी का कोई सदस्य नहीं है। किसी राज्य की विधानसभा या विधान परिषद में भी लोजपा का कोई नेता नहीं है। लोकसभा में चिराग पासवान ही लोजपा संसदीय बोर्ड के नेता हुआ करते थे।

पिछले दिनों इस पद के लिए उनके चाचा पशुपति पारस ने लोकसभा अध्यक्ष से दावा किया और उनका दावा मंजूर भी कर लिया गया।

थानाध्यक्ष की फटकार से आहत मंदिर के महंत की मौत, ग्रामीणों में बढ़ रहा आक्रोश

कन्नौज । छिबरामऊ में शुक्रवार की रात थानाध्यक्ष की फटकरार से आहत मां आनंदी देवी मंदिर के महंत की मौत हो गई। घटना के बाद से ग्रामीणों में पुलिस के खिलाफ आक्रोश का माहौल है, वहीं स्वजन ने महंत से अभद्रता और धमकी देने का आरोप थानाध्यक्ष पर लगाया है। घटना संज्ञान में आने पर सीओ ने महंत की तबियत बिगड़ने से मौत होने के बाद दोनों घटनाओं को जोड़कर तूल दिए जाने की बात कही है। वहीं ग्रामीणों द्वारा पुलिस के रवैये पर रोष जताते हुए मामले की शिकायत उच्चाधिकारियों से करने की बात कही जा रही है।

छबरामऊ के थाना विशुनगढ़ के गांव माधौनगर में ऐतिहासिक मां आनंदी देवी का मंदिर है और प्रत्येक त्योहार में पूजन व मेले का कार्यक्रम होता है। कई प्रदेशों के लोग दर्शन के लिए आते हैं। इन दिनों मंदिर परिसर में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजन शुरू किया गया है। इस मंदिर में महंत राकेश कुमार सैनी पूजन व देखरेख करते थे। स्वजन के मुताबिक शुक्रवार रात 8.30 बजे महंत राकेश कुमार पूजा करा रहे थे। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया जा रहा था, इस बीच थानाध्यक्ष सत्य प्रकाश पुलिस टीम के साथ आ गए और वीडियोग्राफी शुरू करा दी।

विरोध करने पर थानाध्यक्ष ने महंत राकेश कुमार को बुलाकर जमकर फटकारा और मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी। उनके पुत्र व भतीजों समेत मंदिर परिसर में आरती में शामिल होने आए लोगों के नाम लिखे। इस बीच

अचानक महंत की तबीयत बिगड़ गई और वह जमीन पर गिर पड़े। स्वजन व ग्रामीण आनन फानन छिबरामऊ के नगला दिलू स्थित अस्पताल लेकर गए, जहां रात 11.30 बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उनकी मौत की खबर गांव पहुंचते ही ग्रामीणों में रोष फैल गया और स्वजन ने थानाध्यक्ष पर कार्रवाई की मांग शुरू कर दी है। भाई चंद्रप्रकाश सैनी ने बताया कि थानाध्यक्ष ने अशोभनीय व्यवहार किया, जिससे आहत महंत राकेश कुमार की हालत बिगड़ गई और मौत हो गई।

देवालय में प्रतिमा रखने की कोई मनाही नहीं है। उन्होंने वीडियोग्राफी कराई और मुकदमा दर्ज करने के लिए नाम नोट किए, मंदिर में मौजूद लोगों को जमकर फटकारा। इससे मुख्य महंत की तबीयत बिगड़ गई थी। सीओ छिबरामऊ शिव कुमार थापा ने बताया कि सूचना मिली है। थानाध्यक्ष ने उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार मौके पर जाकर जानकारी की थी। महंत की तबीयत बिगड़ने से मौत हुई है। दोनों घटनाओं को जोड़ा जा रहा है, स्वजन को समझाकर मामले को शांत कराया जाएगा।

दहेज हत्या के मामले में फरार दो महिला सहित तीन इनामी गिरफ्तार, दो साल से फरार थीं दस हजार की इनामी महिलाएं

मुरादाबाद । सिविल लाइंस थाना पुलिस ने दो साल से फरार चल रहे दस-दस हजार के तीन इनामी आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई। वहीं पकड़े गए आरोपितों में दो महिला भी शामिल हैं। सीओ सिविल लाइंस इंदु सिद्धार्थ ने बताया कि नवंबर 2019 में मझोला के गांव भोगपुर मिठोनी निवासी नरेश ने दहेज हत्या की तहरीर दी थी। उसने आरोप लगाया था कि नरेश ने अपनी बेटी सोनू का सिविल लाइंस के झांझनपुर निवासी राहुल के साथ वर्ष 2015 में विवाह किया था। शादी के बाद ससुराल के लोग दहेज के लिए सोनी को प्रताड़ित करने लगे थे। ससुराल के लोगों से परेशान होकर पीड़िता ने खुदकुशी कर ली। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीन नवंबर 2019 को आरोपित पति राहुल, सास राधा उर्फ लता, ननद दीपमाला व अन्य के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद से आरोपित फरार चल रहे थे।

कोर्ट के आदेश पर कुर्की हुई, लेकिन आरोपित कोर्ट के समक्ष पेश नहीं हुए। बाद में एसएसपी ने चारों आरोपियों पर दस-दस हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया था। इस मामले में बुधवार को एक आरोपित दीपमाला को पुलिस ने मोरा की मिलक स्थित उसकी ससुराल से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। सिविल लाइंस थाना प्रभारी सहंसरवीर सिंह ने बताया कि शुक्रवार को आरोपित पति राहुल, सास राधा और ननद चिना को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की।

रुपये हड़पने का लगाया आरोप ~ एक महिला ने एसएसपी को शिकायत पत्र देकर 50 हज़ार की धोखाधड़ी का आरोप लगाया। शुक्रवार को एसएसपी कार्यालय पीड़िता ने किरन निवासी बिलारी थाना क्षेत्र के मुड़िया जैन गांव निवासी है। महिला ने बताया कि उसके पति योगेंद्र गंभीर बीमारी से पीड़ित है। उसके इलाज के लिए 2018 में दो बीघा जमीन गांव के ही एक व्यक्ति को चार लाख 15 हजार रुपये में बेची थी। जमीन का बैनामा कराने के दौरान खदीदने वाले ने 50 हजार रुपये कम दिए। उसने छह माह में रकम देने का भरोसा दिया था।

स्ट्रांग रूम में लगाए जाएंगे इलेक्ट्रानिक लाक, मधेपुरा में इस तरह चल रही तैयारी

पुरैनी (मधेपुरा)। पंचायत चुनाव में पारदर्शिता लाने व स्वच्छ व निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने एक नई व्यवस्था लागू की है। व्यवस्था के तहत स्ट्रांग रूम में लगाए गए इलेक्ट्रानिक लाक खुलते ही चुनाव आयोग सहित सभी पदाधिकारियों को स्ट्रांग रूम खुलने की सूचना तत्काल ही मिल जाएगी। मालूम हो कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सूबे में 11 चरणों में कराए जा रहे पंचायत चुनाव में चरण बार मतदान के बाद ईवीएम व बैलट बाक्स रखने के लिए प्रत्येक जिला मुख्यालय में बनाए जाने वाले स्ट्रांग रूम में इलेक्ट्रानिक लाक लगाया जाएगा। इस लाक की विशेषता यह है कि जैसे ही इसे खोला जाएगा वैसे ही स्ट्रांग रूम का ताला खोले जाने सहित समय व तारीख की जानकारी चुनाव कार्य में लगे सभी पदाधिकारियों को तत्काल ही मिल जाएगी।

इतना ही नहीं उसी समय राज्य निर्वाचन आयोग को भी पता चल जाएगा कि स्ट्रांग रूम को खोला गया है। इसके लिए मतगणना कार्य में प्रखंड निर्वाची पदाधिकारी व सहायक निर्वाची पदाधिकारी के साथ पूर्व से प्रशिक्षित कर्मियों को लगाया जाएगा। मतगणना हाल में बिना पहचान पत्र के किसी को भी प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

10वीं तथा 12वीं कक्षा की इम्प्रूवमेंट परीक्षा शुरू, कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन

लखनऊ । उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद यानी यूपी बोर्ड की अंक सुधार (इम्प्रूवमेंट) परीक्षा उत्तर प्रदेश के हर जनपद पर शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश बोर्ड में 2021 की परीक्षा में अपने अंक सुधारने के लिए छात्र-छात्राओं को मौका दिया जा रहा है। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण इस बार बोर्ड की दसवीं व 12वीं कक्षा की परीक्षा आयोजित नहीं की गई थी। पिछले परिणाम के आधार पर छात्र-छात्राओं को प्रोन्नत किया गया। इसके बाद भी छात्र-छात्राओं को अंक सुधारने का मौके देने के लिए यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। विभिन्न विषयों की यह इम्प्रूवमेंट परीक्षा छह अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी।

उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में आज से उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की अंक सुधार परीक्षा शनिवार को प्रात~ सत्र से शुरू हो गई है। सभी 590 परीक्षा केन्द्रों को परीक्षा के दौरान कोविड प्रोटोकाल का सख्ती से पालन कराने के निर्देश जारी हैं। अंक सुधार परीक्षा में हाईस्कूल तथा इंटर के 79286 परीक्षार्थी इसमें सम्मिलित हैं। हाईस्कूल की परीक्षा चार अक्टूबर व इंटर की छह अक्टूबर तक चलेगी। हाईस्कूल परीक्षा 12 और इंटरमीडिएट की 15 कार्य दिवसों में संपन्न होगी। सभी परीक्षा केंद्रों पर 8,302 सीसीटीवी व 4,151 वायस रिकार्डर लगाए गए हैं। इस बार भी परीक्षा को नकल विहीन कराने के लिए समस्त जनपदों में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। नकल विहीन परीक्षा परीक्षा केन्द्रों पर एसटीएफ की भी निगरानी रहेगी। परीक्षा के दौरान सभी केन्द्र व्यवस्थापकों को कार्यपालक मजिस्ट्रेट की शक्तियां दी गई हैं। सभी परीक्षा केन्द्रों पर धारा 144 लागू है। हर केन्द्र परिसर में मोबाइल फोन प्रतिबंधित है।

लखनऊ में एक केन्द्र के प्रधानाचार्य ने जिन बच्चों को उत्तर प्रदेश बोर्ड ने हाईस्कूल तथा इंटर की परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद अंक सुधारना था, उनको बोर्ड ने मौका दिया है। हमारे केन्द्र पर यहां पर कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के सभी नियमों का शासन से मिले निर्देश के क्रम में पालन किया जा रहा है। लखनऊ में अपर मुख्य सचिव अराधाना शुक्ला ने हाईस्कूल व इंटर में अंक सुधार की परीक्षा के दौरान रामपाल त्रिवेदी इंटर कॉलेज गोसाईगंज में निरीक्षण भी किया।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड)वर्ष 2021 की हाईस्कूल व इंटर में बिना परीक्षा के प्रोन्नत छात्र-छात्राओं के लिए शनिवार से अंक सुधार परीक्षा करा रहा है। इसके लिए कुल 79,286 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। प्रदेश भर में परीक्षा 590 केंद्रों पर दो पालियों में होगी। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय (शिविर कायार्लय) लखनऊ में केन्द्रीकृत आनलाइन मानिटरिंग के लिए राज्यस्तरीय कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है, जहां से जिले के प्रत्येक कंट्रोल रूम तथा परीक्षा केंद्र पर नजर रखी जाएगी।

उत्तर प्रदेश बोर्ड ने वर्ष 2021 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा कोरोना संक्रमण के कारण नहीं कराई थी। दोनों कक्षाओं के करीब 56 लाख छात्र-छात्राओं को प्रोन्नत कर दिया गया था। प्रोन्नत करने के बाद दिए गए अंक से हजारों छात्र-छात्राएं संतुष्ट नहीं थे। इसके लिए बोर्ड से उनसे आवेदन लिए और अंक सुधार की परीक्षा तय कर दी।

अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला के अनुसार 18 सितंबर से शुरू हो रही अंक सुधार परीक्षा के लिए हाईस्कूल में 24,667 बालक और 13,264 बालिका सहित कुल 37,931 परीक्षार्थी, जबकि इंटरमीडिएट में 27,949 बालक व 13,406 बालिका सहित कुल 41355 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। इसमें हाईस्कूल में 36,788 संस्थागत एवं 3,764 व्यक्तिगत, जबकि इंटरमीडिएट में 36,788 संस्थागत एवं 3,764 व्यक्तिगत परीक्षार्थी हैं। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह आठ से सवा दस बजे और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर दो से सवा चार बजे तक होगी। हाईस्कूल की चार अक्टूबर और इंटरमीडिएट की परीक्षा छह अक्टूबर को खत्म होगी। पहले दिन सुबह पाली में हाईस्कूल और दूसरी पाली में इंटर मे ड्क्षहदी विषय की परीक्षा होगी।

गोंडा के दो केन्द्र संवेदनशील, जौनपुर में सर्वाधिक सतर्कता

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि प्रदेश में गोंडा के दो परीक्षा केंद्र संवेदनशील चिह्नित किए गए हैं। सर्वाधिक 21 परीक्षा केंद्र जौनपुर में बनाए गए हैं, जबकि सबसे कम केंद्र श्रावस्ती में बने हैं। इसी तरह सर्वाधिक 3,797 परीक्षार्थी सीतापुर में, जबकि सबसे कम 152 परीक्षार्थी महोबा में पंजीकृत हैं। प्रश्नपत्रों को सीसीटीवी की निगरानी में रखा गया है।

मप्र ने एक दिन में 27 लाख लोगों का वैक्सीनेशन कर बनाया नया रिकार्ड

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने माना सभी का आभार

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश ने 17 सितंबर को एक दिन में 27 लाख 14 हजार 795 लोगों को वैक्सीन लगाकर फिर से एक नया रिकार्ड बनाया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने टीकाकरण महाअभियान-3 में मिली रिकॉर्ड उपलब्धि के लिए जन-प्रतिनिधि, प्रशासन, डॉक्टर्स, स्वास्थ्य कर्मी, स्वयं सेवी संस्थाओं और नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

14.78 लाख को प्रथम और 12.35 लाख को दूसरी डोज लगी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि हमारा लक्ष्य है कि 26 सितंबर तक प्रत्येक पात्र व्यक्ति को वैक्सीन की पहली डोज लग जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोग से प्रदेश को निःशुल्क और आवश्यकतानुसार वैक्सीन उपलब्ध हो रही है। निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए वैक्सीनेशन का कार्य प्रदेश में लगातार जारी रहेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान के लगातार प्रयासों और प्रदेश के जन-भागीदारी मॉडल को अपना कर टीकाकरण महाअभियान-3 को अपार सफलता मिली। एक दिन में 27 लाख से ज्यादा लोगों ने वैक्सीन लगाकर पुनः देश में अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्रदेश के 16 जिलों में निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 100 प्रतिशत से अधिक वैक्सीनेशन हुआ। कुल हुए वैक्सीनेशन में 14 लाख 78 हजार 869 नागरिकों को वैक्सीन की पहली डोज और 12 लाख 35 हजार 926 नागरिकों को वैक्सीन की दूसरी डोज लगाई गई।

बुजुर्गों और दिव्यांगजनों ने भी निभाई प्रेरक की भूमिका

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारी प्राथमिकता कोरोना पर विजय प्राप्त करना है। श्री चौहान ने कहा कि टीकाकरण महाअभियान में सभी टीकाकरण केंद्रों पर जो व्यवस्थाएं की गई, उसका परिणाम यह रहा कि प्रदेश में रिकार्ड वैक्सीनेशन हुआ। लोग स्व-प्रेरणा से आगे आए और महाअभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि टीकाकरण महाअभियान में बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए स्थानीय प्रशासन द्वारा केंद्र पर लाने और ले जाने के लिए वाहन की व्यवस्था की गई। अनेक क्षेत्रों में बुजुर्गों और दिव्यांग जनों ने प्रेरक की भूमिका अदा कर लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित भी किया। सम्पूर्ण प्रदेश में टीकाकरण महाअभियान में जो सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है, उसमें समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी अहम रही है। प्रदेश का हर नागरिक कोरोना संक्रमण के प्रति सजग है। शीघ्र ही मध्यप्रदेश के शत-प्रतिशत लोग वैक्सीन के सुरक्षा कवच में आ जाएंगे। प्रदेश के नागरिकों को वैक्सीन का सुरक्षा कवच प्रदान करने में जिला, ब्लाक एवं ग्राम और वार्ड स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों के सदस्यों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। सदस्यों ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण केंद्रों पर प्रेरक की भूमिका का निर्वहन किया।

शनिवार को छह लाख से अधिक को लगी वैक्सीन डोज

प्रदेश में शनिवार को शाम 6 बजे तक 6 लाख 2 हजार 949 लोगों को वैक्सीन की डोज लगाई गई। इस दिन 67 हजार 283 कोरोना जांच हुई। कोरोना पॉजिटिव कुल 06 प्रकरण आए, जबकि 18 रोगी स्वस्थ्य होकर डिस्चार्ज हुए। विदिशा में 03, ग्वालियर, जबलपुर और झाबुआ में एक-एक नया प्रकरण आया।

केंद्रीय राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने ट्रिपल आईटीडीएम में आयोजित कार्यक्रम में कहा

असंगठित क्षेत्रों के कामगारों को अपनी पहचान दिलाने हमारी सरकार प्रतिबद्ध

केंद्रीय राज्य मंत्री ने वितरित किए ई-श्रमिक कार्ड

श्रमिक संगठनों को दी ई-श्रम पोर्टल संबंधी जानकारी

जबलपुर (एजेंसी)। देश की आजादी से अभी तक असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत कामगारों का राष्ट्रीयकृत डेटाबेस मौजूद नहीं था। इस कार्य की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में प्रारंभ हुआ है और सरकार ने कामगारों के हितों को ध्यान में रखते हुए ई-श्रम पोर्टल लांच किया। उपरोक्त जानकारी केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने ट्रिपल आईटीडीएम में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदान की।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के असंगठित कामगारों का राष्ट्रीय डेटाबेस (एनडीयूडब्ल्यू) कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री रामेश्वर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार देशभर में असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत देश के करोड़ों कामगारों को उनकी पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। कुछ दिनों पूर्व ही देश के केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव की मौजूदगी में ई-श्रम पोर्टल को लांच किया गया है। यह मजदूरों का डेटाबेस हो उसकी मदद से सरकार सोशल सिक्योरिटी स्कीमों को उनके द्वार तक पहुंचाएगी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने एनआईसी के तकनीकी सहयोग से आधार के साथ जुड़े असंगठित कामगारों (एनडीयूडब्ल्यू) के व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस के निर्माण के लिए असंगठित श्रमिकों के ऑनलाइन पंजीकरण के लिए एक ई-श्रम पोर्टल विकसित किया है।

26 दिन में हुए एक करोड़ से अधिक पंजीयन

आयोजन में डीपीएस नेगी, केंद्रीय मुख्य श्रम आयुक्तने बताया कि ई-श्रम कार्ड पूरे देश में मान्य होगा। कार्यक्रम में सीएससी के 15 कैंप लगाए गए जिनमें निरंतर पंजीयन की प्रक्रिया सुचारू रूप से चलती रही। कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों को केंद्रीय राज्यमंत्री द्वारा ई-श्रम कार्ड, कोविड-19 राहत योजना, अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना एवं बीड़ी श्रमिक कार्ड का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रमिक पोर्टल की जानकारी दी गई जैसे निःशुल्क पंजीयन, श्रमिकों की सहायता के लिए नौ भाषाओं में टोल फ्री नम्बर 14434 की व्यवस्था आदि। केंद्रीय राज्य मंत्री द्वारा पंजीयन कि सरलता के बारे में बात करते हुए जानकारी दी कि मात्र 26 दिनों में पोर्टल पर लगभग एक करोड़ पंजीयन किए जा चुके हैं।

ई-श्रम पोर्टल का करें प्रचार-प्रसार

आयोजन में ट्रेड यूनियनों एवं पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री रामेश्वर तेली एवं डीपीएस नेगी, केन्द्रीय मुख्य श्रम आयुक्त ने अपील करते हुए कहा कि इस पोर्टल की जानकारी को प्रदेश के कोने कोने में पहुंचाए। श्री तेली ने ट्रेड यूनियन नेताओं से राज्य में असंगठित कामगारों के पोर्टल पंजीकरण को सुगम बनाने में अपना पूरा सहयोग देने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा उठाए गए एक अभूतपूर्व कदम के तहत ई.श्रम पोर्टल देश में 38 करोड़ से अधिक असंगठित कामगारों का मुफ्त पंजीकरण प्रदान करेगा और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के वितरण में सहायता करेगा।

सरल है पंजीकरण प्रक्रिया

केंद्रीय मुख्य श्रम आयुक्त ने बताया कि ई-श्रम में पंजीकरण प्रक्रिया बहुत सरल है और पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज हैं आधार कार्ड, आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर, बैंक खाता विवरण। पंजीकरण असंगठित श्रमिक स्वयं या कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से या जिलों और उप-जिलों में राज्य सरकार के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा किया जा सकता है। सही समय पर और सही जगह पर सहायता प्राप्त करने के लिए प्रवासी श्रमिक पोर्टल में अपना पता और स्थान भी अपडेट कर सकते हैं। ई-श्रम पोर्टल पर प्रत्येक पंजीकृत असंगठित कामगार के लिए दो लाख रुपए के दुर्घटना बीमा कवर का भी प्रावधान है।

स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए मप्र पुरस्कृत

भोपाल (एजेंसी)। प्राथमिक स्वास्थ्य संस्थाओं को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस मापदंड अनुसार विकसित करने पर प्रदेश पुरस्कृत हुआ। देश में प्रदेश को रनर-अप पुरस्कार से पुरसकृित किया गया। पुरस्कार केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने दिया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मंडाविया ने वर्चुअल समारोह में किया पुरस्कृत

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने 17 सितंबर को आयोजित वर्चुअल पुरस्कार समारोह में पुरस्कृत किया। प्रदेश की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने समस्त पुरस्कृत स्वास्थ्य संस्थाओं के चिकित्सकों और पैरा मेडिकल स्टॉफको बधाई दी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ.चौधरी ने कहा प्रदेश को बड़े राज्यों की श्रेणी में प्रदेश को सम्मान मिलना गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री चौहान द्वारा स्वास्थ्य संस्थाओं को सुदृढ़ करने और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता देने से यह उपलब्धि मिली है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि केंद्र सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य एव परिवार कल्याण विभाग द्वारा लेबर रूम एवं मेटरनिटी ओटी में सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए लक्ष्य कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रसव कक्ष और प्रसूति आपरेशन थियेटर में प्रसव के दौरान उत्कृष्ट स्तर पर सभी मानकों के अनुसार देखभाल करना है। इससे मातृ और नवजात मृत्यु दर को जीरो करना और मां बच्चे की सम्मानजनक देखभाल सुनिश्चित करना है। संचालक एनएचएम डॉ. पंकज शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश की 16 स्वास्थ्य संस्थाएं एनक्यूएएस मापदंड अनुरूप सर्टिफाइड हो गई हैं। वर्चुअल पुरस्कार समारोह स्वास्थ्य संस्थाओं में वर्ष 2018-19 से वर्ष 2020-21 की अवधि में हुए प्रयासों के लिए किया गया।

वन्य जीव संरक्षण में अत्याधुनिक तकनीकी के इस्तेमाल करने की अनूठी पहल

भोपाल (एजेंसी)। वन्य जीव संरक्षण में अत्याधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल करने की पहल करते हुए पन्ना टाइगर रिजर्व ने ड्रोन स्क्वाड का संचालन करना शुरू कर दिया है। हर महीने ड्रोन स्क्वाड संचालन की मासिक कार्य योजना तैयार की जाती है। ड्रोन स्क्वाड से वन्य जीवों की खोज उनके बचाव, जंगल की आग का स्त्रोत पता लगाने और उसके प्रभाव की तत्काल जानकारी जुटाने, संभावित मानव-पशु संघर्ष के खतरे को टालने और वन्य जीव संरक्षण संबंधी कानूनों का पालन कराने में मदद मिल रही है। डेढ़ महीने पहले पन्ना टाइगर रिजर्व में उपलब्ध हुआ ड्रोन दस्ता काफी उपयोगी सिद्ध हो रहा है।

पन्ना टाइगर रिजर्व ने बनाया ड्रोन स्क्वाड

क्या है ड्रोन दस्ता- पन्ना टाइगर रिजर्व (पीटीआर) ने हाल ही में वन्यजीवों के संरक्षण, निगरानी और प्रबंधन के लिए एक ड्रोन दस्ते का गठन किया है। यह सफलतापूर्वक काम कर रहा है। ड्रोन दस्ते में एक ड्रोन, मॉडल डीजे-1 फैंटम ड्रोन है। लंबे समय तक इसे संचालित करने के लिए पर्याप्त बैटरी के साथ काम करता है। इसके लिए एक वाहन विशेष रूप से रखा गया है। एक सहायक के साथ एक ड्रोन ऑपरेटर रहता है। ड्रोन दस्ते द्वारा ड्रोन के संचालन और उपयोग के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देशों के साथ मासिक कार्यक्रम जारी किया जाता है। वर्तमान में ड्रोन के उपयोग की परिकल्पना कानून का पालन करने, निगरानी रखने, वन्यजीवों की खोज और बचाव करने, जंगल की आग का पता लगाने और उससे रक्षा करने और मानव-पशुओं के संघर्ष को कम करने के लिए की गई है।

भविष्य में वन्यजीव प्रबंधन, ईकोटूरिज्म के क्षेत्र में भी ड्रोन के उपयोग की योजना बनाई जाएगी। जैव-विविधता के दस्तावेजीकरण में भी इससे मदद मिलेगी। ड्रोन दस्ता बहुत कम समय में अवैध गतिविधियों पर कुशल नियंत्रण और निगरानी में फील्ड स्टाफ की सहायता करने में सक्षम साबित हुआ है।

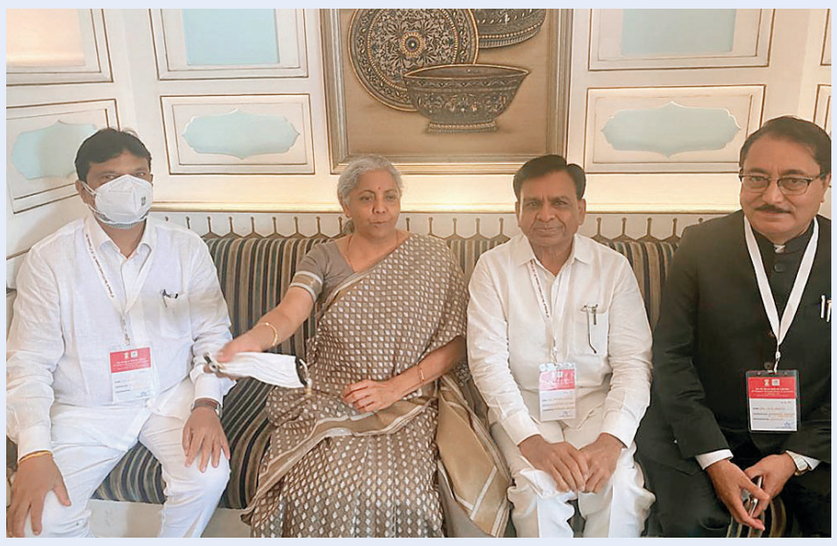

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण से मिले मंत्री जगदीश देवड़ा

गुरुवार को लखनऊ में हुई जीएसटी कौंसिल की बैठक में शामिल होने पहुंचे मध्यप्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से सौजन्य भेंट की।

चिकित्सक मानवीय संवेदना के साथ बेहतर इलाज करें

विधानसभा अध्यक्ष गौतम ने की रीवा मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सेवाओं व कालेज प्रबंधन की समीक्षा

भोपाल (एजेंसी)। विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने शनिवार को श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में स्वास्थ्य सेवाओं एवं कालेज प्रबंधन के साथ अधोसंरचना विस्तार के निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

विधानसभा अध्यक्ष ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि संजय गांधी अस्पताल में पदस्थ चिकित्सक पूरी संवेदन शीलता के साथ बेहतर इलाज करें तथा अच्छा व्यवहार रखे जिससे मरीज व उनके परिजन पूरी तरह संतुष्ट होकर जाएं। हम सभी को मिलकर रीवा अस्पताल को अच्छे इलाज व बेहतर प्रबंधन के लिए उत्कृष्ट बनाना है ताकि इसकी ख्याति हो और यहां उपचार के लिए आने वाले मरीज यहां से लौटने के बाद चिकित्सकों के व्यवहार व अस्पताल की व्यवस्थाओं की सर्वत्र प्रशंसा करें। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि रीवा में कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर में चिकित्सकों ने अच्छा कार्य किया और मरीजों का बेहतर इलाज किया जिसकी प्रशंसा अन्य जगह भी हो रही है। इसके लिये चिकित्सक व प्रशासनिक अधिकारी प्रशंसा के पात्र हैं। श्री गौतम ने बैठक में कहा कि चिकित्सा सुविधाओं के लिए संसाधनों की पूर्ति हेतु राशि की कमी नहीं होगी। शासन स्तर से अस्पताल को अधिक से अधिक राशि प्रदाय किए जाने की व्यवस्था करायी जाएगी। उन्होंने कहा कि राशि प्रदाय हेतु मुख्यमंत्री जी से भी पहल की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि चिकित्सालय के सभी विभागाध्यक्ष अपने विभाग में जरूरी आवश्यकताओं की जानकारी दें जिसे डीन सूचीबद्ध करें ताकि सभी आवश्यक व्यवस्थाओं व संसाधनों के लिए राशि प्रदाय कराई जा सके। बैठक में श्री गौतम ने आउटसोर्स के माध्यम से होने वाली जांच में गरीबों को छूट किए जाने के संबंध में आवश्यक प्रावधान किए जाने की बात कही। श्री गौतम ने कहा कि वह एक माह बाद पुनः बैठक लेंगे जिसमें किए गए कार्यों तथा दिए गए निर्देशों की समीक्षा की जाएगी।

बैठक में कमिश्नर अनिल सुचारी ने मेडिकल कालेज के प्रबंधन के विषय में बताया। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को आवश्वस्त किया कि दि गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराते हुए अस्पताल में बेहतर इलाज व प्रबंधन की व्यवस्था कराई जाएगी। बैठक में विभिन्न विभागों के चिकित्सक विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। विधानसभा अध्यक्ष ने इस दौरान ओपीडी में मरीजों की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया का भी निरीक्षण किया। उन्होंने रजिस्ट्रेशन हेतु बनाए गए काउंटर में कम्प्यूटर के माध्यम से मरीजों के पंजीयन व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की।

भाजपा को आदिवासी वर्ग की सिर्फ चुनाव में आती है याद: कमलनाथ

भोपाल । आदिवासी वर्ग के लिए भाजपा ने कुछ नहीं किया सिर्फ चुनाव के समय उनकी याद आती है। यह कहना है पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का। नाथ ने ट्वीट करते हुए कहा है कि जबसे मप्र में भाजपा की सरकार आई है, आदिवासी वर्ग के लोगों पर उत्पीड़न व दमन के मामले बढ़े हैं। हाल ही की एनसीआरबी की रिपोर्ट में भी प्रदेश आदिवासियों के उत्पीड़न व दमन में देश में शीर्ष पर आया है, यह उस बात का प्रमाण है। प्रदेश की जनता ने हाल ही की नेमावर की, नीमच की, खरगोन की, बालाघाट की, डबरा की घटनाएं भी देखी है कि किस प्रकार प्रदेश में आदिवासी वर्ग को प्रताड़ित कर उनका दमन व उत्पीड़न किया जा रहा है। सत्ताधारी दल के नेताओं का इन अपराधियों को खुला संरक्षण प्राप्त रहा है। आज तक इन घटनाओं पर मुख्यमंत्री सुध लेने नहीं पहुंचे हैं और ना ही नेमावर व खरगोन की नृशंस घटना पर कांग्रेस की सीबीआई जांच की मांग को उन्होंने मंजूर किया है। उम्मीद थी कि भाजपा आज जबलपुर में जनजातीय सम्मेलन में प्रदेश में घटित इन घटनाओं पर आदिवासी वर्ग से माफी मांगेगी लेकिन आज भी इस वर्ग को झूठे दिलासा, झूठे वादे के सिवाय कुछ नहीं दिया गया। वहीं इतिहास गवाह है कि कांग्रेस ने सदैव आदिवासी वर्ग की भलाई व उत्थान के लिए कार्य किए हैं।

कांग्रेस ने किया शराबबंदी का समर्थन

भोपाल । प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के मप्र में शराबबंदी संबंधी बयान पर सियासत शुरू हो गई है। उमा भारती के बयान को कांग्रेस ने समर्थन दिया है, जिससे सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस नेता भूपेंद्र गुप्ता ने कहा कि उमा भारती के शराब बंदी के फैसले पर कांग्रेस का पूरा समर्थन है, हम भी जागरूकता कर रहे हैं सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। उमा भारती की बात सही है, हम उनके साथ खड़े हैं। यह गांधी जी जैसा काम है, कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में इस मुद्दे को शामिल किया था।

उमा भारती के बयान पर सियासत शुरू

उमा भारती को सड़कों पर उतरना चाहिए: सलूजा

इस बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के मीडिया समन्वयक नरेंद्र सलूजा ने सुश्री भारती के बयान के बाद ट्वीट के जरिए कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि सुश्री भारती ने इसके पहले इस वर्ष दो फरवरी को भी घोषणा की थी कि आठ मार्च को महिला दिवस से वे नशामुक्ति अभियान प्रारंभ करेंगी। लेकिन अभियान चला ही नहीं और घोषणा गायब हो गई। श्री सलूजा ने कहा कि सुश्री भारती को शिवराज सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरना चाहिए और कांग्रेस उनके साथ रहेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में शराब माफियाओं के हौंसले बुलंद हैं। प्रदेश में जहरीली शराब से 70 से अधिक मौत हो चुकी हैं। सुश्री भारती को शराबबंदी को लेकर अपनी घोषणा पर कायम रहना चाहिए और उन्हें सड़कों पर आना चाहिए। यह घोषणा भी पहले की तरह नहीं होना चाहिए।

कांग्रेस अपना घर संभाले: रजनीश अग्रवाल

वहीं कांग्रेस के बयान पर भाजपा के प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह बात पहले भी स्पष्ट की थी कि इस मुद्दे पर उमा भारती के साथ फिर संवाद होगा और जो उचित होगा सरकार वह निर्णय लेगी, वहीं कांग्रेस के बयान पर अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस फटे में टांग न अढ़ाए, आईना देखे और अपना घर संभाले।

प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान की घोषणा

मैं मध्यप्रदेश में शराबबंदी करवा के रहूंगी

भोपाल (एजेंसी)। मप्र की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती ने प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी लागू करने की वकालत करते हुए शराब के कारोबार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि मध्यप्रदेश में शराबबंदी करवा के रहूंगी।

अपने निवास पर शनिवार को उन्होंने पत्रकारों से चर्चा की। इस उन्होंने कहा कि 15 जनवरी तक प्रदेश में शराबबंदी का निर्णय हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज जी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा को निर्णय के लिए 15 जनवरी तक का समय दिया है। हम शराबबंदी के पक्ष में हैं। शराबबंदी होना चाहिए। हम भाजपा के घोषणा पत्र में भी वर्ष 2003 में इसे शामिल करने वाले थे, लेकिन सरकार बनने के बाद इस मुद्दे को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा करने और इसे ही इश्यू बनाने की आशंका के चलते पार्टी पदाधिकारियों के आग्रह पर घोषणा पत्र में शामिल नहीं किया, लेकिन आत्मा में रखा। उन्होंने कहा कि शराब के खिलाफ जागरूकता फैलाने की बात कही गई है, लेकिन यह जागरूकता से नहीं लट्ठ से ही खत्म होगा। इसके लिए सरकार को कड़े कानून बनाने होंगे। फिर भी जागरूकता के लिए महिलाओं को जिला संयोजक बना रहे हैं। इसके लिए मैंने महिलाओं को आमंत्रित किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि जागरूकता अभियान में सरकार भी साथ देगी। उन्होंने कहा कि मैं 15 जनवरी के बाद इस अभियान का नेतृत्व मैं करूंगी और शराबंदी के पक्ष में सड़कों पर आ जाऊंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि शिवराज और वीडी शर्मा के नेतृत्व में मप्र में शराबबंदी हो सकती है।

- ओबीसी को प्राइवेट सेक्टर में भी मिले 27 प्रतिशत आरक्षण
- मोदी 15-20 वर्षों तक प्रधानमंत्री रहें, देश को है उनकी जरूरत
- शिवराज जी के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान

गंगा निर्मलता योजना की फाइल बंद नहीं होने दूंगी

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अगले 15-20 वर्षों तक मोदी प्रधानमंत्री रहें, उनकी जरूरत देश को है। एक सवाल पर उन्होंने यह भी कहा कि मुझे मनाया जाता है, चुनाव लड़ने के लिए, मैं तो लड़ना ही नहीं चाहती। उन्होंने माना कि मैं चाहती हूं कि मेरे पास पावर रहे कि मैं नीति बना सकूं जिससे लागों का हित हो सके। ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण प्राइवेट सेक्टर में भी लागू होना चाहिए। एक अन्य सवालपर सुश्री ने कहा कि हिन्दू कट्टर हो ही नही सकता। मोदी जी कट्टर नही हैं। आत्मनिर्भर भारत के अधिष्ठान में मप्र रोल मॉडल स्टेट बन सकता है।। उन्होंने सीएम चौहान के साथ मौजूदा समय में सौहार्दपूर्ण संबंध का हवाला देते हुए कहा कि शिवराज जी के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है। अपने आगामी कार्यक्रमों का खुलासा करते हुए उन्होंने पहले अनौपचारिक चर्चा में बताया कि उनकी गंगा परिक्रमा अभी अधूरी है। वे इस नवरात्रि से फिर परिक्रमा शुरू करने जा रही हैं। मकर संक्रांति में यह यात्रा पूरी हो जाएगी। इस बार हर हाल में यह परिक्रमा पूरी करना है। गंगा की अविरलता और निर्मलता की योजना फाइलों में बंद नही होने दूंगी। उन्होंने गंगा के लिए संवैधानिक अथॉरिटी बनाने की भी पैरवी की।

कांग्रेस नेताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज करवा रही प्रदेश सरकार

भोपाल (एजेंसी)। विगत दिनों इंदौर में नगर निगम के अधिकारी से गर्मागम बहस के बाद कांग्रेस नेता पूर्व मंत्री जीतू पटवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने को लेकर पटवारी ने गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा पर तीखे हमले करते हुए उन्हें बदलापुर का राजा बताया है।

एफआईआर दर्ज होने पर बोले जीतू पटवारी

पटवारी ने शनिवार को मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि प्रदेश सरकार कांग्रेस के नेताओं से बदले की कार्रवाई कर रही है। प्रदेश में 6,000 से ज्यादा कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं पर जनता की आवाज उठाने के लिए बेवजह मुकदमे दर्ज कर लिए गए हैं। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने जब कोरोना वायरस से हुई मौतों का सच दुनिया के सामने लाया तो उनके खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कर दी गई। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जब महंगाई के खिलाफ धरना दिया तो उनके खिलाफ भी एफआई आर दर्ज कर ली गई। दतिया में कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती के खिलाफएक ऐसे मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई। पटवारी ने कहा कि इसी तर्ज पर अब मेरे खिलाफ भी इंदौर में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

कथित घटना के बाद कथित पीड़ित कर्मचारी ने भी कहा कि उसे कोई शिकायत नहीं है। नगर निगम कमिश्नर ने कहा है कि इस मामले में कोई मामला नहीं बनता है। एसपी ने भी कहा कि एफआईआर की कोई जरूरत नहीं है। घटना के तीन दिन बाद सीएम शिवराज सिंह इंदौर जाते हैं और उसके बाद अचानक एफआईआर की जाती है। मैं मांग करता हूं कि क्षतिग्रस्त कर्मचारी के मोबाइल फोन के कॉल डिटेल्स की जांच की जाए और यह पता लगाया जाए कि किन-किन लोगों ने उसके ऊपर एफआईआर के लिए दबाव बनाया। अगर मुझे गिरफ्तार करना जरूरी है तो पुलिस जहां कहे मैं वहां आकर गिरफ्तारी देने को तैयार हूं।

उर्वशी रौतेला

किसी से भी भिड़ने के लिए तैयार, खुलेआम दे दी चुनौती!

खूबसूरती के मामले में सबको पीछे छोड़ने वाली एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला (Urvashi Rautela) सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं. उर्वशी अपनी हसीन तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं. अब उन्होंने एक ऐसी तस्वीर साझा की है, जिसे देखने के बाद आप एक बार जरूर घबराएंगे. उर्वशी की ये तस्वीर सोशल मीडिया पर छाई हुई है. तस्वीर शेयर करने के साथ ही उर्वशी ने फैंस को एक चैलेंज के साथ ही चेतावनी भी दे दी है.

उर्वशी बन गई हैं योद्धा

उर्वशी रौतेला (Urvashi Rautela) इस तस्वीर में हाथ में रॉड पकड़े नजर आ रही हैं. उर्वशी रौतेला पूरी तरह एक योद्धा की तरह तैयार हैं. उर्वशी ने अपने ट्रेनिंग सेशन के दौरान ये तस्वीर क्लिक कराई है. उर्वशी की फिट बॉडी तस्वीर में साफ नजर आ रही है. लोगों को उर्वशी का ये अंदाज शानदार लग रहा है. इन दिनों उर्वशी वर्कआउट पर खूब ध्यान दे रही हैं. उर्वशी की मेहनत भी उनकी फिट बॉडी को देखने के बाद साफ नजर आती है.

उर्वशी ने दी चुनौती

उर्वशी रौतेला (Urvashi Rautela) ने अपने फॉलोअर्स को इस फोटो को पोस्ट करने के साथ ही चुनौती दे दी है. उर्वशी ने कैप्शन में लिखा, क्या तुम मुझसे लड़ना चाहते हो? अब समय है. क्या तुम मुझसे लड़ना चाहते हो? लाइन में खड़े हो. क्या तुम मुझसे लड़ना चाहते हो? हाथों हाथ. क्या तुम मुझसे लड़ना चाहते हो? अब आपका मौका है. चलो इसे करते हैं.

इस सीरीज में आएंगी नजर

उर्वशी रौतेला (Urvashi Rautela) ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, खोजिए अगर आप मुझे खोज सकते हैं तो, बेस्ट कैप्शन विंस सबेबीउर्वी सहेडगर्ल. इस तस्वीर पर खूब लाइक्स और कमेंट आ रहे हैं. उर्वशी रौतेला के फैंस उनकी तारीफें करते नहीं थक रहे हैं. बता दें, हाल ही में उर्वशी (Urvashi Rautela) अरब के सुपरस्टार मोहमद रमजान के साथ वर्साचे बेबी (Versace Baby) में नजर आईं थीं. आने वाले समय में वह जिओ स्टूडियोज की आने वाली वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश में रणदीप हुड्डा के साथ नजर आने वाली हैं.

यशदास या निखिल जैन नहीं कुछ और है नुसरत जहां के बच्चे के पिता का नाम, सामने आया बर्थ सर्टिफिकेट

जानी-मानी बांग्ला एक्ट्रेस और टीएमसी सांसद नुसरत जहां इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में हैं। उन्होंने कुछ समय पहले ही बेटे को जन्म दिया है। नुसरत, पति निखिल जैन से अलग हो चुकी हैं और बॉयफ्रेंड यशदास गुप्ता उनके साथ कई मौकों पर नजर आ चुके हैं। इन सबके बीच इस बात को लेकर सस्पेंस बना हुआ था कि नुसरत अपने बच्चे के पिता का नाम किसे देंगी। वहीं, अब ये सस्पेंस खत्म हो चुका है। नुसरत जहां के बेटे का बर्थ सर्टिफिकेट सामने आया है, जिसमें पिता का नाम भी लिखा हुआ है। लेकिन पिता का नाम देखकर कई लोग कंफ्यूज हो रहे हैं, क्योंकि ये ना तो यश है और ना ही निखिल।

कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डॉक्यूमेंट के मुताबिक नुसरत जहां ने अपने बच्चे का नाम ईशान जे दासगुप्ता रखा है। वहीं, बच्चे के पिता का नाम लिखा है- देबाशीश दासगुप्ता... अगर आप भी ये नाम देखकर कंफ्यूज हो गए तो बता दें कि ये असल में यशदास गुप्ता का ही रियल नाम है। वहीं, इसके साथ ही ये साफ हो गया है कि नुसरत जहां के बेटे के पिता यशदास गुप्ता ही हैं। यश, नुसरत की प्रेग्नेंसी से लेकर डिलिवरी के दौरान भी उनके साथ खड़े नजर आए थे। वहीं, जब नुसरत बच्चे को लेकर अस्पताल से घर लौट रही थीं तो उस दौरान भी गाड़ी यश ही चलाते दिखाई दिए थे।

बता दें कि नुसरत ने 26 अगस्त को एक बेटे को जन्म दिया था। उन्होंने जब अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था तब वो अपने पति निखिल जैन से अलग हो चुकी थीं और यश दासगुप्ता को डेट कर रही थीं। नुसरत और निखिल की शादी 2019 को तुर्की में हुई थी। लेकिन कुछ समय बाद ही उनके रिश्ते में दरार आ गई और दोनों ने ही अलग होने का फैसला कर लिया।

श्रद्धा कपूर का Fitness Secret जान लिया तो आप भी रखें खुद को Fit, 'यादा मुश्किल नहीं है एक्ट्रेस का Workout Routine

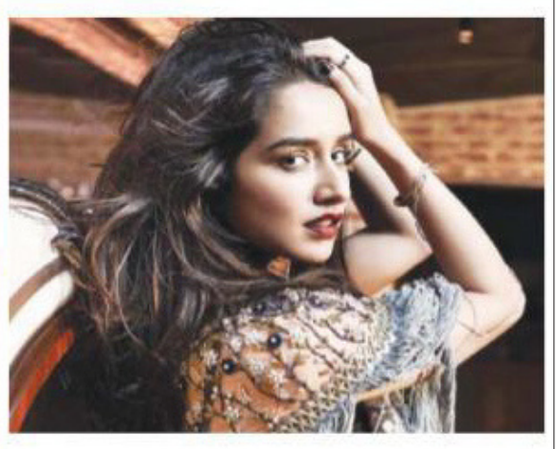

एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर (Shraddha Kapoor) अपनी शानदार एक्टिंग और खूबसूरती के अलावा फिटनेस के लिए भी लोगों के बीच चर्चा में रहती हैं. सोशल मीडिया पर श्रद्धा (Shraddha Kapoor) अक्सर फिटनेस वीडियोज़ शेयर करती हैं. हालांकि श्रद्धा (Shraddha Kapoor) अपनी फिटनेस को बनाए रखने के लिए काफी मेहनत करती हैं. वो कई तरह की एक्सरसाइज़ करने के साथ-साथ अपने खाने का खास ख्याल रखती हैं.

श्रद्धा हर दिन वर्कआउट करती हैं. जिम में श्रद्धा फैट बर्निंग कार्डियो के साथ-साथ योगा और मेडिटेशन भी करती हैं. इसके अलावा जब कभी वो जिम नहीं जा पातीं तब वो डांस जरूर करती हैं. श्रद्धा को जुंबा, बेली डांस और हिप-हॉप करना पसंद हैं.

फिट रहने के लिए वर्कआउट के साथ-साथ सही डाइट बेहद ज़रूरी होती है और ये बात श्रद्धा कपूर अच्छी तरह से जानती हैं. श्रद्धा कपूर को घर का खाना पसंद है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस शूटिंग के वक्त भी अपना खाना घर से पैक करवा कर ले जाती हैं. श्रद्धा अपनी डाइट में एग, फिश, ताज़ा फल और सब्ज़ियों को ज़रूर शामिल करती हैं.

ब्रेकफास्ट नाश्ते में श्रद्धा को उपमा, पोहा, अंडे का सफेद भाग या फिर ऑमलेट खाना पसंद है.

लंच दोपहर में श्रद्धा अपने खाने में दाल, रोटी और हरी सब्ज़ियों को शामिल करती हैं.डिनर रात में श्रद्धा दाल, ग्रिल्ड फिश या फिर फिश करी के साथ रोटी या ब्राउन राइस खाती हैं.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रद्धा 8 बजे से पहले अपना डिनर कर लेती हैं और11 बजे तक सो जाती हैं. साथ ही खुद को हाइड्रेट रखने के लिए दिन भर में खूब सारा पानी पीती हैं.

शिल्पा शेट्टी

मां वैष्णों देवी के मंदिर पर माथा टेकने पहुंचीं कटरा, रास्ते भर जपती रहीं माता का नाम

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पर मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सप्लीमेंट्री चार्जशीट फाइल की थी। पोर्न केस में ये नई जानकारी सामने आने के बाद शिल्पा शेट्टी की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के कटरा में स्पॉट हुई हैं। यहां पर वो माता वैष्णो देवी के मंदिर में माथा टेकने पहुंची थीं। इस दौरान एक्ट्रेस ने अपने चेहरे को मास्क से ढ़क रखा है और साथ में उनकी टीम के कुछ लोग भी दिखाई दे रहे हैं।

शिल्पा शेट्टी बुधवार को मुंबई एयपोर्ट पर ट्रेडिशनल लुक में नजर आई थीं। इसके बाद वो जम्मू-कश्मीर के कटरा में नजर आईं। न्यूज एजेंसी एएनआई ने शिल्पा की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो अपनी टीम के साथ माता के दर्शक को जाती दिख रही हैं। उन्होंने चेहरे को मास्क से ढ़का हुआ है। एक तस्वीर में घोड़े की सवारी करती भी नजर आ रही हैं। बताया जा रहा है एक्ट्रेस 13 किलोमीटर चल कर माता के मंदिर तक पहुंचीं, उन्होंने कटरा बेसकैंप से घोड़े पर बाकी की यात्रा की।

एक्ट्रेस की सुरक्षा करते पुलिसकर्मी भी तस्वीरों में नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस दौरान एक्ट्रेस ने मीडिया से भी बात की और कहा- %मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। माता के बुलावे पर मैं इतनी दूर से उनके दर पर माथा टेकने यहां तक आ पाई हूं%। एक्ट्रेस अपनी पूरी यात्रा के दौरान %जय माता दी% जपती रहीं।

पेले आपात चिकित्सा कक्ष में, बेटी ने कहा स्थिति सामान्य

एजेंसी ■ साओ पाउलो

ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर पेले की आंत से ट्यूमर निकालने के लिए किए आपरेशन के बाद स्थिति सामान्य बनी हुई है और उनकी बेटी केली नेसिमेंटो ने कहा कि वह धीरे धीरे ठीक हो रहे हैं। लेकिन अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल ने कहा कि 80 वर्षीय पेले को सांस लेने में मामूली दिक्कत के कारण गुरुवार की रात को फिर से आपात चिकित्सा कक्ष में भर्ती कराया गया था। उनका उपचार चल रहा है। अस्पताल ने इसके आगे कोई जानकारी नहीं दी। पेले का चार सितंबर को आपरेशन किया गया था। केली नेसिमेंटो ने शुक्रवार को अपने पिता के साथ एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की थी जिसमें उन्होंने कहा कि यह तस्वीर अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल में उनके कमरे में अभी अभी ली गई है। उन्होंने कहा, वह धीरे धीरे ठीक हो रहे हैं और सामान्य स्थिति में हैं। इस तरह के आपरेशन के बाद इतनी उम्र के व्यक्ति की स्थिति में कभी कभी हल्का उतार चढ़ाव आता है। कल वह बेहद थकान महसूस कर रहे थे, लेकिन आज उन्हें अच्छा लग रहा है। पेले को मंगलवार को आपात चिकित्सा कक्ष से हटाकर सामान्य कक्ष में रखा गया था और इसके बाद अस्पताल ने उनके स्वास्थ्य के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया था। बाद में पेले ने सोशल मीडिया पर पुष्टि की कि वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और दिन के समय परिवार के सदस्य उनसे मिलने के लिए आए थे। पेले ने कहा, मैं हर दिन मुस्कुराता रहता हूं। मुझे आप से जो प्यार मिला है, उसके लिए आभार। पेले के रहते हुए ब्राजील ने 1958, 1962 और 1970 में विश्व कप जीता था। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 92 मैचों में 77 गोल किए जो ब्राजील की तरफ से रिकार्ड है।

केली नेसिमेंटो ने शुक्रवार को अपने पिता के साथ एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की थी जिसमें उन्होंने कहा कि यह तस्वीर अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल में उनके कमरे में अभी अभी ली गई है।

मिजोरम की अंडर-19 टीम के मुख्य कोच मुर्तजा लोधगर का दिल का दौरा पड़ने से निधन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बंगाल के पूर्व स्पिनर और मिजोरम अंडर-19 टीम के मुख्य कोच मुर्तजा लोधगर का शुक्रवार की रात को विशाखापट्टनम में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अविषेक डालमिया ने इसकी पुष्टि की। लोधगर 45 साल के थे और वह मिजोरम की टीम के साथ विशाखापट्टनम गए थे जहां टीम को वीनू मांकड़ ट्राफी (अंडर-19 राष्ट्रीय एकदिवसीय) में खेलना है। इससे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के घरेलू सत्र की शुरुआत भी होगी।

डालमिया ने पीटीआई से कहा, रात्रि भोज के बाद यह दुखद घटना हुई। मुर्त भाई (लोधगर) और टीम के फिजियो रात्रि भोज करने के बाद बाहर टहल रहे थे कि तभी उनके सीने में तेज दर्द हुआ और वह नीचे गिर गए।

संक्षिप्त समाचार

गौरिका संयुक्त छठे और रिदिमा संयुक्त नौवें स्थान पर रहीं

पुइडॉक्स (स्विट्जरलैंड)। भारत की गौरिका विश्नोई लवॉक्स लेडीज ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त छठे स्थान पर रही जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका लंबे समय बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। घरेलू सर्किट में पांच बार की विजेता गौरिका ने तीन दौर में 71-72-69 का स्कोर बनाया और वह चार अंडर के साथ संयुक्त छठे स्थान पर रही। भारत की एक अन्य गोल्फर रिदिमा दिलावरी ने संयुक्त नौवां स्थान हासिल किया। उन्होंने 74-69-70 का स्कोर बनाया। अमनदीप द्राल (73-73-72) और प्रणवी उर्स (71-74-73) संयुक्त 22वें जबकि वाणी कपूर (75-74-72) संयुक्त 33वें स्थान पर रही। स्कॉटलैंड की गैब्रिएली मैकडोनाल्ड ने प्लेऑफ में इंग्लैंड की जेम्मा क्ल्यूज को हराकर खिताब जीता।

शुभंकर ने दो ईगल जमाए, दूसरे दौर के बाद संयुक्त नौवें स्थान पर

क्रॉम्वायर्ट (नीदरलैंड)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने दूसरे दौर में दो ईगल की मदद से छह अंडर 66 का कार्ड खेला जिससे वह डच ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पहले दौर में दो अंडर 70 का स्कोर बनाने वाले शुभंकर का कुल स्कोर आठ अंडर है और वह शीर्ष पर चल रहे क्रिस्टोफर ब्रोबर्ग (68-64) से चार शॉट पीछे हैं। उनका कुल स्कोर अभी 12 अंडर है। शुभंकर ने बोगी से शुरुआत की लेकिन तीसरे और छठे होल में बर्डी बनाने में सफल रहे। उन्होंने पार-5 वाले 12वें होल में ईगल बनाया। इसके बाद वह पार-4 वाले 15वें होल में भी ईगल बनाने में सफल रहे। उन्होंने 18वें होल में बर्डी के साथ दिन का समापन किया।

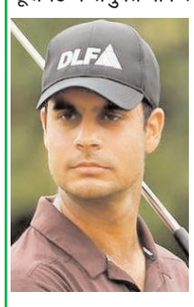

शास्त्री ने कहा, कोच के रूप में जो चाहा वह हासिल किया

एजेंसी ■ लंदन

रवि शास्त्री का भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में कार्यकाल अगले महीने टी20 विश्व कप के साथ समाप्त हो जाएगा और उन्होंने स्वीकार किया कि इससे उन्हें थोड़ा दुख होगा लेकिन साथ ही कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में जो चाहा वह हासिल किया और वह सही समय पर इस जिम्मेदारी से मुक्त हो रहे हैं। शास्त्री का मुख्य कोच के रूप में कार्यकाल 2017 में शुरू हुआ था। इसके बाद उन्हें 2019 में फिर से इस पद पर नियुक्त कर दिया गया था। टी20 विश्व कप 17 अक्टूबर से यूएई में खेला जाएगा। कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के कारण 59 वर्षीय शास्त्री अभी पृथकवास पर हैं। उन्होंने द गार्डियन से कहा कि टी20 विश्व कप विशेष होगा लेकिन टीम ने उनके रहते हुए पहले ही विशिष्ट उपलब्धियां हासिल की हैं। शास्त्री ने कहा, मेरा ऐसा मानना है क्योंकि मैंने जो चाहा वह हासिल किया। पांच साल तक नंबर एक (टेस्ट क्रिकेट में) रहे, आस्ट्रेलिया में दो बार जीते, इंग्लैंड में जीते। उन्होंने कहा, मैंने माइकल आथरटन से बात की थी और कहा था, मेरे लिए यह चरम है आस्ट्रेलिया को आस्ट्रेलिया में हराना और इंग्लैंड में कोविड काल में जीत दर्ज करना। हमने इंग्लैंड पर 2-1 से बढ़त बनाई है तथा जिस तरह से हम लार्ड्स और ओवल में खेले वह खास था। भारतीय खेमे में कोविड-19 के मामले पाए जाने के बाद जब मैनचेस्टर में होने वाला पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच रद्द किया गया तब भारत श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था। शास्त्री के कार्यकाल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में टी20 श्रृंखलाओं में भी जीत दर्ज की। शास्त्री ने कहा, हमने सीमित ओवरों की क्रिकेट में भी प्रत्एक देश को उसकी धरती पर हराया। यदि हम टी20 विश्व कप जीत लेते हैं तो यह सोने पे सुहागा होगा। इससे ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। उन्होंने कहा, मैं एक बात पर विश्वास करता हूं कभी जरूरत से ज्यादा समय तक नहीं टिके रहो। मैं यह बात इस संदर्भ में कह रहा हूं कि टीम का साथ छोड़ने के समय मैं क्या चाहता हूं, असल में मैंने जरूरत से ज्यादा हासिल किया है। आस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराना और कोविड काल में इंग्लैंड पर श्रृंखला में बढ़त हासिल करना। क्रिकेट में मेरे चार दशक में यह सबसे संतोषजनक पल रहा। शास्त्री आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ट्राफी के साथ अपने कार्यकाल का समापन करना चाहते हैं। शास्त्री और विराट कोहली की जोड़ी के रहते हुए भारत कभी आईसीसी ट्राफी नहीं जीत पाया। उन्होंने कहा, हम इसके लिए अपनी जीजान लगा देंगे। निश्चित तौर पर हमारे पास ऐसी टीम है जो अपनी क्षमता से खेलती है तो वह जीत सकती है। सबसे अहम बात यह है कि हम इसका आनंद लेंगे। टेस्ट मैच का दबाव भूल जाओ। टी20 क्रिकेट का मतलब है उसका आनंद लो। मैं सिर उंचा रखकर विदा होना चाहता हूं। उन्होंने कहा, हां इसका दुख होगा कि टीम के साथ मेरा कार्यकाल समाप्त हो रहा है क्योंकि मैंने कई शानदार खिलाड़ियों और व्यक्तियों के साथ काम किया। हमने ड्रेसिंग रूम में अच्छा समय बिताया। लेकिन इससे बढ़कर हमारी क्रिकेट और हमने जो परिणाम हासिल किए उसने यह यात्रा शानदार बनाई।

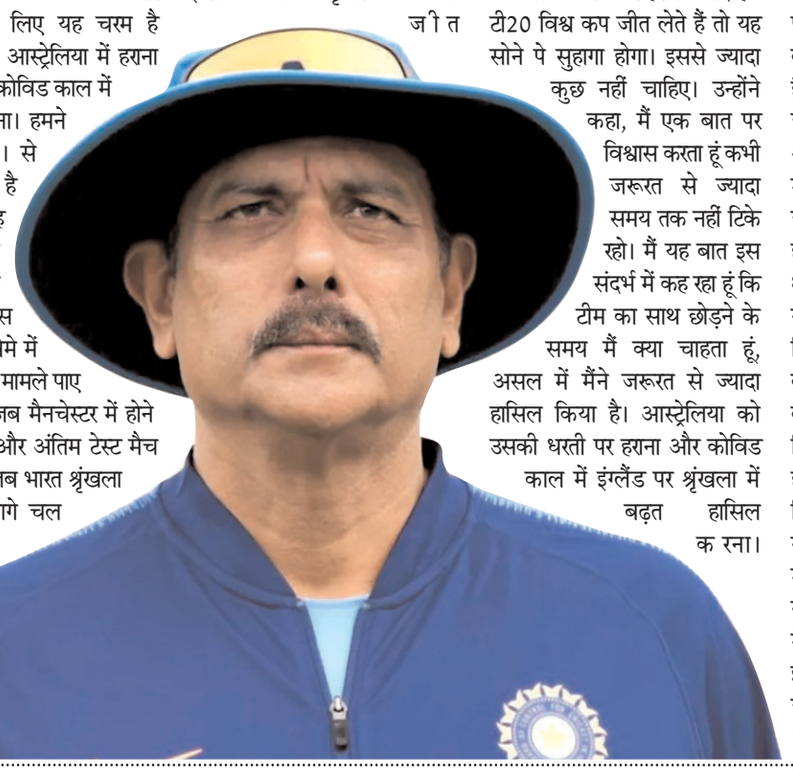

संक्षिप्त समाचार

धोनी के मेंटर बनने से गेंदबाजी इकाई और शर्मीले खिलाड़ियों को होगा फायदा: सहवाग

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि महेंद्र सिंह धोनी सीमित ओवरों के क्रिकेट में हमेशा गेंदबाजों के लिए बेहतर कप्तान साबित हुए हैं और टी20 विश्व कप के लिए टीम मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में उनकी उपस्थिति से जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाली गेंदबाजी इकाई को काफी फायदा होगा। धोनी को हाल ही में बीसीसीआई ने इस बड़े आयोजन के लिए टीम का मेंटर नियुक्त किया है। सहवाग ने पीटीआई-भाषा को दिए विशेष साक्षात्कार में कहा, मैं बहुत खुश हूं कि एमएस (धोनी) ने टी20 विश्व कप के लिए टीम मेंटर बनने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। मुझे पता है कि बहुत से लोग चाहते हैं कि एमएस फिर से भारतीय क्रिकेट की मुख्यधारा में वापसी करें और मेंटर के रूप में टीम में शामिल होना सबसे अच्छी बात है। एक दशक तक धोनी के साथ खेलने वाले सहवाग को पता है कि एक कप्तान के रूप में धोनी की मुख्य ताकत सीमित ओवरों के प्रारूप में अपने गेंदबाजों की मानसिकता को समझना है। इस पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ने कहा, एक विकेटकीपर के रूप में एमएस क्षेत्ररक्षण सजाने के मामले में असाधारण थे और यह कुछ ऐसा है जो इस विश्व कप में गेंदबाजी इकाई की मदद करेगा। गेंदबाज अपना दिमाग लगा सकते हैं और बल्लेबाज के खिलाफ योजना बनाने के लिए उपयोगी सुझाव प्राप्त कर सकते हैं। सहवाग ने कहा कि जो युवा खिलाड़ी थोड़े अंतर्मुखी या शर्मीले है उनके लिए भारतीय टीम में धोनी से बेहतर मेंटर नहीं हो सकता है, खासकर तब जब उन्हें मार्गदर्शन करने के लिए किसी की जरूरत होती है क्योंकि वे मैदान पर खुद को अभिव्यक्त करने की कोशिश करते हैं। सहवाग ने कहा, किसी भी अंतरराष्ट्रीय टीम में हमेशा ऐसे खिलाड़ी होते हैं, जो शर्मीले होते हैं और अपने कप्तान से बातचीत करने में संकोच करते है। एमएस हमेशा उस तरह का व्यक्ति जिससे खिलाड़ी आसानी से बातचीत कर सकते हैं।

अदिति ने पोर्टलैंड क्लासिक के कट में जगह बनाई

एजेंसी ■ पोर्टलैंड (अमेरिका)

भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने पहले दौर के निराशाजनक प्रदर्शन से उबरकर दूसरे दौर में पार 72 का कार्ड खेला जिससे वह 2021 कैम्बिया पोर्टलैंड क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने में सफल रही। पहले दौर में पांच ओवर 77 का स्कोर बनाने वाली अदिति अभी संयुक्त 57वें स्थान पर हैं। वह अंतिम दो दौर में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी स्थिति में सुधार कर सकती है। अदिति ने दूसरे दौर में पांचवें और 18वें होल में बर्डी बनाई लेकिन इस बीच उन्होंने 11वें और 12वें होल में बोगी भी की। कट छह ओवर पर आया और कुल 77 खिलाड़ी आगे बढ़ने में सफल रहीं। रोलेक्स रैंकिंग में दूसरे नंबर पर काबिज जिन यंग को (69-67) कुल आठ अंडर के साथ शीर्ष पर चल रही हैं।

मुख्य कोच पद के लिए कुंबले, लक्ष्मण से संपर्क कर सकता है बीसीसीआई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कप्तान विराट कोहली के साथ मतभेदों के कारण चार साल पहले अपना पद छोड़ने वाले अनिल कुंबले और अपनी कलात्मक बल्लेबाजी के लिए मशहूर वीवीएस लक्ष्मण भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनने की दौड़ में शामिल हो सकते हैं। वर्तमान कोच रवि शास्त्री का कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद समाप्त हो जाएगा और ऐसे में सौरव गांगुली की अगुवाई वाला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) कुंबले और लक्ष्मण से मुख्य कोच पद के लिए आवेदन करने को कह सकता है। कुंबले 2016-17 में भारतीय टीम के कोच थे। सचिन तेंदुलकर, लक्ष्मण और गांगुली की अगुवाई वाली क्रिकेट सलाहकार समिति ने उन्हें शास्त्री के स्थान पर कोच नियुक्त किया था। लेकिन चैंपियन्स ट्राफी फाइनल में पाकिस्तान से हार के बाद उनके कोहली के साथ मतभेद खुलकर सामने आ गए थे। इसके बाद कुंबले ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था। बीसीसीआई कुंबले के अलावा लक्ष्मण से भी संपर्क कर सकता है जो पिछले कुछ वर्षों से इंडियन प्रीमियर लीग की टीम सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़े हुए हैं। इसके बावजूद कुंबले कोच पद के प्रबल दावेदार रहेंगे। बीसीसीआई सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, अनिल कुंबले ने जिन परिस्थितियों में पद छोड़ा था उसमें सुधार करने की जरूरत है। जिस तरह से सीओए (प्रशासकों की समिति) कोहली के दबाव में आ गई थी और उन्हें (कुंबले) को हटा दिया गया था वह सही नहीं था। हालांकि यह इस पर भी निर्भर करेगा कि कुंबले या लक्ष्मण इस पद के लिए आवेदन करने के इच्छुक हैं या नहीं। कोहली पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह विश्व कप के बाद टी20 की कप्तानी छोड़ देंगे। बीसीसीआई की पहली पसंद भारतीय कोच हैं तथा कुंबले और लक्ष्मण को 100 से अधिक टेस्ट मैच खेलने के अलावा कोचिंग का भी अनुभव है। विदेशी कोच दूसरा विकल्प है। सूत्र ने कहा, बीसीसीआई के कोच पद के लिए मानदंड ऐसा होगा जिससे कि खिलाड़ी के रूप अच्छे स्किार्ड के साथ कोचिंग का अनुभव रखन वाले ही आवेदन कर सके।

सेल्टा को हराकर कैडिज ने दर्ज की पहली जीत

एजेंसी ■ मैड्रिड

कैडिज ने सेल्टा विगो को 2-1 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में हार का क्रम तोड़कर वर्तमान सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। एंथनी लोजानो (38वें मिनट) और लुई अल्फोंसो एस्पिनो (43वें मिनट) ने पहले हाफ के आखिर में पांच मिनट के अंदर गोल करके कैडिज को जीत दिलाई। एस्पिनो के गोल से ठीक पहले साल्वी सांचेज कैडिज की तरफ से पेनल्टी पर गोल नहीं कर पाए थे। सैंटी मिना ने 64वें मिनट में गोल करके सेल्टा की उम्मीद जगाई लेकिन टीम बराबरी का गोल करने में नाकाम रही। कैडिज ने अपने पहले दो मैच ड्रा खेले लेकिन इसके बाद उसे दो मैचों में हार झेलनी पड़ी थी। सेल्टा की यह लगातार तीसरी और पांच मैचों में कुल चौथी हार है। उसे पिछले मैच में रीयाल मैड्रिड ने 5-2 से करारी शिकस्त दी थी। रीयाल मैड्रिड, वेलेंसिया और मौजूदा चैंपियन एटलेटिको मैड्रिड के चार मैचों में 10 अंक हैं और वे शीर्ष पर हैं।

विश्व रैंकिंग भारत को अच्छा ड्रॉ मिला था जिसमें प्रजनेश निचली रैंकिंग के खिलाड़ी से खेल रहे थे

डेविस कप : प्रजनेश और रामकुमार हारे

फिनलैंड के खिलाफ भारत 0-2 से पिछड़ा

एजेंसी ■ एस्पू (फिनलैंड)

प्रजनेश गुणेश्वरन फिर डेविस कप में यहां अपने से निचली रैंकिंग खिलाड़ी से हार गए जबकि रामकुमार रामनाथन को भी दूसरे एकल में पराजय झेलनी पड़ी जिससे फिनलैंड के खिलाफ विश्व ग्रुप एक के मुकाबले में भारत 0-2 से पिछड़ रहा है। दिन के पहले मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 165वें स्थान पर काबिज प्रजनेश को रैंकिंग में काफी नीचे के खिलाड़ी ओटो विर्तानेन (419वीं रैंकिंग) से शुक्रवार को एक घंटे 25 मिनट तक चले मैच में 3-6, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा। रामकुमार रामनाथन (187वीं रैंकिंग) ने दूसरे मैच में फिनलैंड के नंबर एक खिलाड़ी एमिल रूसुवुओरी को कड़ी चुनौती पेश की लेकिन वह विश्व रैंकिंग में 74वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी से 4-6 5-7 से हार गए। भारत को अच्छा ड्रा मिला था जिसमें प्रजनेश निचली रैंकिंग के खिलाड़ी से खेल रहे थे लेकिन विर्तानेन ने आसान जीत हासिल की। रामकुमार ने अपने प्रतिद्वंद्वी की चुनौती से पार पाने के लिए कुछ कोशिशें की लेकिन वह भारत को बराबरी पर नहीं ला सके। प्रजनेश की हार काफी निराशाजनक थी क्योंकि उनके सामने काफी कम अनुभवी खिलाड़ी था जिसने इससे पहले केवल एक डेविस कप मैच जीता था। छठे गेम में सर्विस गंवाने के बाद रामकुमार ने चतुराई से खेलते हुए तुरंत वापसी की। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को हैरान करते हुए अच्छे अंक जुटाए। दसवें गेम में वह पहले सेट में बने रहने के लिए अपनी सर्विस पर 0-40 से पिछड़ रहे थे लेकिन बैकहैंड शॉट के बाहर जाने से वह इसे गंवा बैठे। दूसरे सेट में रूसुवुओरी ने रामकुमार की रणनीति का करारा जवाब दिया और कुछ शानदार विनर लगाकर दबाव बना दिया। फिर दोनों खिलाड़ी 5-5 से बराबरी पर थे लेकिन रूसुवुओरी ने अपने खेल को मजबूत करते हुए जानदार स्ट्रोक्स लगाए। उन्होंने 40-40 पर शानदार क्रास विनर लगाकर अपना पहला मैच प्वाइंट हासिल किया लेकिन रामकुमार ने खुद को सयंमित रखते हुए इसे बचा लिया। पर भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही डबल फॉल्ट कर दिया जिससे रूसुवुओरी को अपना दूसरा मैच प्वाइंट मिला जिस पर उन्होंने बैकहैंड विनर लगाकर अपनी टीम को 2-0 से बढ़त दिला दी। मुकाबले को जीवंत बनाए रखने के लिए रोहन बोपन्ना और दिविज शरण को युगल मैच में जीत हासिल करनी होगी।

पुस्तक विमोचन का खेद नहीं, उस पार्टी से कोई संक्रमित नहीं हुआ : शास्त्री

एजेंसी ■ लंदन

भारत के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि उन्हें अपनी पुस्तक का विमोचन समारोह आयोजित करने पर खेद नहीं है जिसे भारतीय टीम में कोविड-19 का संक्रमण फैलने के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है जिसके कारण इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में पांचवां टेस्ट मैच रद्द करना पड़ा। शास्त्री, क्षेत्ररक्षण कोच आर श्रीधर, गेंदबाजी कोच भरत अरुण और फिजियो नितिन पटेल को ओवल टेस्ट के दौरान संक्रमित पाया गया और जब मैनचेस्टर में पांचवें टेस्ट से पहले जूनियर फिजियो योगेश परमार का परीक्षण पॉजिटिव आया तो मैच विवादास्पद रूप से रद्द कर दिया गया। भारत तब श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था। रिपोर्टों के अनुसार पुस्तक विमोचन समारोह में भाग लेने वाले लोगों ने मास्क नहीं पहना था। शास्त्री ने द गार्डियन से साक्षात्कार में कहा, मुझे कतई खेद नहीं है क्योंकि मैं उस समारोह में जिन लोगों से मिला वे शानदार थे। लड़कों के लिए भी लगातार अपने कमरों तक सीमित रहने के बजाय बाहर निकलकर अलग अलग लोगों से मिलना अच्छा था। उन्होंने कहा, ओवल टेस्ट में आप उन सीढ़ियों पर चढ़ रहे थे जिनका उपयोग 5000 लोग कर रहे थे। फिर पुस्तक विमोचन पर उंगली क्यों उठाई जा रही है। शास्त्री ने कहा, लेकिन मैं चिंतित नहीं था। पार्टी में लगभग 250 लोग थे और कोई भी उस पार्टी के कारण संक्रमित नहीं हुआ। पृथकवास में बिताए गए समय के बारे में शास्त्री ने कहा, यह शानदार रहा क्योंकि 10 दिनों में गले में खराश के अलावा मुझ में किसी तरह के लक्षण नहीं थे। मुझे कभी बुखार नहीं आया और मेरा ऑक्सीजन का स्तर का हर समय 99 प्रतिशत रहा। उन्होंने कहा, मैंने इन 10 दिनों में एक भी दवा नहीं ली। एक पैरासिटामोल (बुखार की दवा) तक नहीं ली। मैंने लड़कों से कहा कि एक बार परीक्षण पॉजिटिव आने पर यह 10 दिन का फ्लू है और कुछ नहीं। पांचवां टेस्ट रद्द होने से पुस्तक विमोचन पर लोगों का अधिक ध्यान गया। शास्त्री ने कहा, मैं पुस्तक विमोचन की पार्टी में संक्रमित नहीं हुआ क्योंकि वह 31 अगस्त को था और तीन सितंबर को मेरा परीक्षण पॉजिटिव आया था। यह तीन दिन में नहीं हो सकता है।